

## “Information Bulletin”

### Haryana Teacher Eligibility Test-2023

## “सूचना पत्रक”

### हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा–2023

- In case, any information in this bulletin seems to be ambiguous in Hindi version, its English version shall be treated as final.
- यदि इस बुलेटिन के हिन्दी संस्करण में किसी सूचना में कोई अस्पष्टता उत्पन्न होती है, तो इसका अंग्रेज़ी संस्करण ही अंतिम मान्य होगा।

# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी

(हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023)

## “सूचना पत्रक”

“परीक्षा पद्धति” के बारे में दिशानिर्देश/निर्देश

बोर्ड की अधिकारिक बैबसाइट [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) पर जाकर आवेदन करें।

| HTET-2023 के लिए परीक्षा शुल्क संरचना  |                     |                  |                   |
|--|---------------------|------------------|-------------------|
| वर्ग   | केवल एक स्तर के लिए | दो स्तरों के लिए | तीन स्तरों के लिए |
| हरियाणा अधिवास/स्थायी निवास के अनुसूचित जाति और दिव्यांग उम्मीदवार           | रु0 500/-           | रु0 900/-        | रु0 1200/-        |
| हरियाणा अधिवास के अनुसूचित जाति और दिव्यांग को छोड़कर सभी उम्मीदवारों के लिए | रु0 1000/-          | रु0 1800/-       | रु0 2400/-        |
| हरियाणा से बाहर के सभी उम्मीदवार (अनुसूचित जाति और दिव्यांग सहित)            | रु0 1000/-          | रु0 1800/-       | रु0 2400/-        |

ऑनलाईन आवेदन जमा करवाने की महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाईन आवेदन प्रणाली प्रारंभ – 30.10.2023

ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि – 10.11.2023

विवरण में सुधार – 11.11.2023 से 12.11.2023

महत्वपूर्ण –

- उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाईन आवेदन करने से पूर्व सभी “दिशानिर्देश/निर्देश” को ध्यान से पढ़ें।
- शुल्क प्रेषण के लिए ‘ऑनलाईन आवेदन कैसे करें’ संबंधी निर्देशों को भी ध्यान से पढ़ें।
- उम्मीदवार को एक स्तर या एकाधिक स्तरों के लिए केवल एक बार ही पंजीकरण करना चाहिए।
- उम्मीदवार अपने विवरण/फोटो/हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान/स्तर/जाति/श्रेणी/शारीरिक रूप से निर्दिष्ट समय में सुधार/संशोधन कर सकते हैं।
- प्रवेश पत्र डाउनलोड करना दिनांक 24.11.2023 से आरंभ।

**ध्यान दे— प्रवेश पत्र डाक से नहीं भेजे जाएंगे।**

हेल्पडेस्क नं0- 9358767113,

ई-मेल :- ([helpdeskhtet2023@gmail.com](mailto:helpdeskhtet2023@gmail.com)., [secretary@bseh.org.in](mailto:secretary@bseh.org.in))

## अनुक्रमणिका

| क्रम संख्या | विषय   |
|-------------|--|
| 1.          | परिचय  |
| 2.          | लघु शीर्षक   |
| 3.          | परिभाषाएं  |
| 4.          | एच. टी. ई. टी. की प्रासंगिकता  |
| 5.          | पात्रता  |
| 6.          | परीक्षण अनुसूची की योजना/संरचना और विषयवस्तु                               |
| 7.          | परीक्षा का कार्यक्रम   |
| 8.          | प्रश्न पत्रों की भाषा  |
| 9.          | एच टी. ई. टी. के आयोजन की निरन्तरता/उपस्थिति होने के प्रमाण पत्र की वैधता। |
| 10.         | महत्त्व और एच. टी. ई. टी. के अंकों में सुधार                               |
| 11.         | परीक्षा केन्द्र  |
| 12.         | आवेदन प्रक्रिया  |
| 13.         | परीक्षा का तरीका   |
| 14.         | प्रवेश पत्र  |
| 15.         | दृष्टिहीन अभ्यर्थियों सहित दिव्यांगों के लिए महत्त्वपूर्ण निर्देश          |
| 16.         | याद रखने योग्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु   |
| 17.         | फोटोग्राफ और अंगूठे का निशान   |
| 18.         | अनुचित साधन और अनाचार  |
| 19.         | सामान्य जानकारी  |
| 20.         | प्रमाण पत्र जारी करना  |
| 21.         | परीक्षण के संबंध में निर्देश   |
| 22.         | परीक्षण पुस्तिका के संबंध में निर्देश                                      |
| 23.         | उत्तर पुस्तिका (ओ. एम. आर. शीट) के संबंध में निर्देश                       |
| 24.         | विशेष प्रावधान   |
| 25.         | प्रश्नों एवं उत्तर कुंजी के संबंध में आपत्ति                               |
| 26.         | रिकॉर्ड (अभिलेख) का रख रखाव  |
| 27.         | व्याख्या   |
| 28.         | क्षेत्राधिकार  |
| 29.         | अनुबंध-I (स्तर I, II और III के लिए पाठ्यक्रम सामग्री)                      |
| 30.         | अनुलग्नक- I (नमूना पत्र)   |
| 31.         | अनुलग्नक- II (नमूना ओ0एम0आर0 उत्तर पुस्तिका)                               |

## 1. परिचय

यह सुनिश्चित करने के लिए की शिक्षक के रूप में भर्ती किए गए व्यक्ति के पास प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों पर शिक्षण की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक योग्यता और क्षमता है। किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र होने के लिए एक व्यक्ति के लिए आवश्यक योग्यताओं में से एक विद्यालय शिक्षा विभाग हरियाणा और विद्यालय शिक्षा बोर्ड, हरियाणा द्वारा मान्यता प्राप्त "हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा" उत्तीर्ण करनी होगी। इस बोर्ड द्वारा HTET इन दिशानिर्देशों और राष्ट्रीय अध्यापक परिषद/स्कूल शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा निर्धारित ऐसे अन्य नियमों/विनियमों/निर्देशों/नोटियों के अनुसार आयोजित किया जाएगा।

## 2. लघु शीर्षक

ये दिशानिर्देश/निर्देश— "परीक्षा की योजना" हरियाणा स्कूल शिक्षक पात्रता परीक्षा दिशानिर्देश/निर्देश 2023" कहलायेगी।

## 3. परिभाषाएँ

- (i) "सरकार" का अर्थ है "हरियाणा सरकार"।
- (ii) "बोर्ड" का अर्थ है "हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी।
- (iii) "अध्यक्ष" का अर्थ है "हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड" का अध्यक्ष।
- (iv) "सचिव" का अर्थ है "हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड" का सचिव।
- (v) "विद्यालय" का अर्थ है शिक्षा प्रदान करने वाला कोई भी मान्यता प्राप्त विद्यालय जो प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर शिक्षा प्रदान करता है। इसमें शामिल है :-
  - क. ऐसा विद्यालय जिसे सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा स्थापित/स्वामित्व या नियंत्रित किया जाता है।
  - ख. एक सहायता प्राप्त विद्यालय जो उचित सरकार या स्थानीय प्राधिकारी से अपने पूरे या आंशिक खर्चों को पूरा करने के लिए सहायक या अनुदान प्राप्त कर रहा है।
  - ग. निर्दिष्ट श्रेणी से संबंधित एक विद्यालय; और
  - घ. एक गैर सहायता प्राप्त विद्यालय जिसे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए सरकार या स्थानीय प्राधिकारी से किसी भी प्रकार की सहायता या अनुदान नहीं मिल रहा है।
- (vi) "HTET" का अर्थ है "हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा"।
- (vii) "योग्यता परीक्षा" का अर्थ है "वह परीक्षा जिसके परिणाम के आधार पर उम्मीदवार हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन करने के लिए योग्य हो जाता है।
- (viii) "दिशानिर्देश/निर्देश" का अर्थ है "HTET-2023"के संचालन के लिए विद्यालय शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार के निर्देश के तहत बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट "परीक्षा की योजना"।
- (ix) \_\_\_\_\_
- (X) "अनुसूचित जातियाँ" का अर्थ है "हरियाणा सरकार द्वारा निर्दिष्ट और निर्धारित अनुसूचित जातियाँ।
- (Xi) "एस. टी." का मतलब है हरियाणा सरकार द्वारा निर्दिष्ट और निर्धारित अनुसूचित जनजाति।
- (Xii) "दिव्यांग उम्मीदवार" का अर्थ है "हरियाणा सरकार द्वारा निर्दिष्ट और निर्धारित दिव्यांग

(Xiii) “परीक्षा निकाय” का अर्थ है “हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा “हरियाणा पात्रता परीक्षा” का आयोजन

#### 4. एच. टी. ई. टी. की प्रासंगिकता

हरियाणा राज्य में शिक्षण कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के सेवा नियमों में किए गए प्रावधानों शिक्षा का अधिकार अधिनियम- 2009 और एन. सो. टी. ई. द्वारा बनाए गए दिशा निर्देशों के अनुसार, शिक्षा का अधिकार एच.टी.ई.टी. यहां लागू होगा।

- (i) सेवा नियमों और शिक्षा (आर.टी.ई.) अधिनियम- 2009 की धारा 2 के खंड (एन) के उप खंड (i) में निर्दिष्ट राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकारी के स्कूल; और शिक्षा का अधिकार।
- (ii) (आर.टी.ई.) अधिनियम के खंड (एन) के उप खंड (ii) में संदर्भित स्कूल, हरियाणा।
- बशर्ते कि (आर.टी.ई.) अधिनियम की धारा-2 के खंड (एन) के उप खंड (iv) में निर्दिष्ट स्कूल, प्राथमिक स्तर के प्रयोजन के लिए इस एच. टी. ई. टी. या केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित टी. ई. टी. पर विचार करने का विकल्प का उपयोग कर सकता है।

#### 5. पात्रता

वे सभी व्यक्ति जिनके पास तीनों स्तरों के शिक्षकों से संबंधित सेवा नियमों (स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा) की वेबसाइट ([www.schooleducationharyana.gov.in](http://www.schooleducationharyana.gov.in)) पर उपलब्ध है और इन दिशा निर्देशों में न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताएं आदि वर्णित हैं। वे HTET परीक्षा के लिए पात्र हैं जो निम्नलिखित स्तरों के लिए आयोजित की जाएगी:

- (i) जो कक्षा I से V (PRT- प्राथमिक शिक्षक) बनने की इच्छा रखता है और न्यूनतम योग्यता पूरी करता है।
- (ii) जो कक्षा VI से VIII (TGT- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) बनने की इच्छा रखता है और न्यूनतम योग्यता पूरी करता है।
- (iii) जो IX से XII (PGT-स्नातकोत्तर शिक्षक) बनने की इच्छा रखता है और न्यूनतम योग्यता पूरी करता है।

हालाँकि एक व्यक्ति जो उपरोक्त स्तरों (i) और (ii) के लिए शिक्षक बनना चाहता है यानि कक्षा स्तरों के लिए न्यूनतम योग्यता पूरी करता है, उसे इसके लिए दोनों अलग-अलग ऑनलाईन आवेदन करने होंगे। इसी प्रकार यदि कोई प्रवक्ता बनने का इच्छुक है और न्यूनतम योग्यता पूरी करता है उसे भी अलग से आवेदन करना होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे एक से अधिक स्तरों के लिए “ऑनलाईन आवेदन” जमा करने के लिए वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।

महत्त्वपूर्ण लेख :-

“एच. टी. ई. टी.” उत्तीर्ण करने बाद “एच. टी. ई. टी.” उत्तीर्ण करने के सम्बन्ध में पात्रता प्राप्त कर लेंगे हालाँकि ऐसे HTET पास संभावित नियोक्ताओं द्वारा योग्यता शर्तों के अनुसार खंड 3 (iii) के

तहत निर्दिष्ट किसी भी स्कूल में संबंधित स्तर के शिक्षक के रूप में भर्ती होने के लिए योग्य बनने के लिए उम्मीदवारों को सेवा नियमों के अनुसार सभी पात्रता आवश्यकताओं का पूरा करना होगा।

## 5.1 न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता

### (क) स्तर – 1 – कक्षा 1 से 5 तक शिक्षक बनने के लिए : प्राथमिक शिक्षक

- 1 न्यूनतम 50% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक (या इसके समकक्ष) और एन.सी.टी.ई. (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियम 2007 के अनुसार, जैसा कि 31 अगस्त 2009 को अधिसूचित है, मौलिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो) या दो वर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में शामिल हो।

या

न्यूनतम 45% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक (या इसके समकक्ष) और एन.सी.टी.ई. (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियम 2007 के अनुसार मौलिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो) उत्तीर्ण हो या दो वर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में शामिल हो।

या

न्यूनतम 50% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक (या इसके समकक्ष) और चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक हो या अंतिम वर्ष में शामिल हो।

या

न्यूनतम 50% अंकों के साथ वरिष्ठ माध्यमिक (या इसके समकक्ष) और द्विवर्षीय शिक्षण (विशिष्ट) डिप्लोमा में उत्तीर्ण हो या अंतिम वर्ष में प्रविष्ट हो।

या

स्नातक और दो वर्षीय प्राथमिक शिक्षा डिप्लोमा (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो) उत्तीर्ण या अंतिम वर्ष में शामिल हो।

- 2 हिंदी/संस्कृत के साथ दसवीं या हिंदी, एक विषय के साथ वरिष्ठ माध्यमिक/स्नातक/स्नातकोत्तर हो।

नोट:

- i. 2011 की सिविल अपील संख्या 7084 (SLP (C) नं0 27965/2010 से उत्पन्न) में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जिसका शीर्षक पी.वी. इन्द्रसन बनाम भारत संघ और अन्य 2012 में उद्घृत (I) आर. एस. जे. 64 और मामले में एल. आर. की राय में, 5% छूट का मतलब स्नातक/वरिष्ठ माध्यमिक में न्यूनतम योग्यता के 5% की सीमा तक है (जैसा भी मामला हो), प्रासंगिक सेवा नियमों में निर्धारित किया गया है। इसे आगे इस प्रकार स्पष्ट किया गया है:— यदि सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम योग्यता अंक 50% है तो अनुसूचित

जाति/पिछड़ा वर्ग /दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 47.5 यानी 50 में से 5% कम अंक होंगे। इसी तरह यदि न्यूनतम योग्यता अंक 45% है तो अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए योग्यता अंक 42.75% जैसा कि 45 में से 5% कम 45 अंक होंगे।

- ii केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्री पर ही विचार किया जाएगा।

हालांकि, डिप्लोमा इन एजुकेशन (विशेष शिक्षा) के मामले में केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर सी आई) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पर ही विचार किया जाएगा।

**(ख) स्तर 2 – कक्षा 6 से 8 तक शिक्षक बनने के लिए : प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टी.जी.टी.)**

**1 टी.जी.टी. सामाजिक अध्ययन**

- i किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में सामाजिक विज्ञान में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में सामाजिक विज्ञान शिक्षण विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री हो।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में सामाजिक विज्ञान में न्यूनतम 50% के साथ डिग्री और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में सामाजिक अध्ययन एक शिक्षण विषय के रूप में हो।

या

सामाजिक अध्ययन में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) हो।

या

सामाजिक अध्ययन में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय एकीकृत B.A/B.Ed. हो।

- ii स्नातक डिग्री में स्नातक पाठ्यक्रम के सभी तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित में से कोई भी दो विषयों में (प्रत्येक विषय में कुल योग) न्यूनतम 50% अंक हो।

1. इतिहास
2. राजनीति विज्ञान
3. अर्थशास्त्र
4. भूगोल
5. समाजशास्त्र
6. मनोविज्ञान

टिप्पणी: ऊपर दिए गए विषयों के ऑनर्स के मामले में, उम्मीदवार को पहले और दूसरे वर्ष में अन्य दो विषयों का अध्ययन किया हुआ होना चाहिए।

- iii दसवीं कक्षा में हिंदी या संस्कृत एक विषय के रूप में, या उच्च शिक्षा में हिंदी का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

## 2 टी.जी.टी. साईंस (विज्ञान)

i किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में विज्ञान में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में विज्ञान शिक्षण विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री हो।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में विज्ञान में न्यूनतम 50% अंकों के साथ डिग्री और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में विज्ञान अध्ययन एक शिक्षण विषय के रूप में हो।

या

विज्ञान में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) हो।

या

विज्ञान में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय एकीकृत B.A/B.Ed. हो।

ii बी.एस.सी. (B.Sc.) के मामले में निम्नलिखित में से न्यूनतम तीन विषयों का संयोजन—

- |                  |                  |                    |
|------------------|------------------|--------------------|
| 1. भौतिकी        | 2. रसायन विज्ञान | 3. वनस्पति विज्ञान |
| 4. प्राणिशास्त्र | 5. गणित          |                    |

नोट: ऑनर्स के मामले में उपरोक्त विषयों में से किसी एक स्नातक डिग्री में, उम्मीदवार को पाठ्यक्रम के पहले और दूसरे वर्ष अन्य दो विषयों का अध्ययन किया हुआ होना चाहिए और संबंधित विषयों में सिद्धांत और व्यावहारिक में पेपर पास किया हुआ होना चाहिए।

iii दसवीं में हिंदी या संस्कृत का एक विषय के रूप में या उच्च शिक्षा में हिंदी का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

## 3 टी.जी.टी. गणित

i किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में गणित में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में गणित शिक्षण विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री हो।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में गणित में न्यूनतम 50% अंकों के साथ डिग्री और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में गणित एक शिक्षण विषय के रूप में हो।



या

गणित में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) हो।

या

गणित में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय एकीकृत B.A/B.Sc./B.Com/B.Ed. हो।

- ii दसवीं में हिंदी या संस्कृत का एक विषय के रूप में या उच्च शिक्षा में हिंदी का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

#### 4 टी.जी.टी. अंग्रेजी

- i किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनिवार्य, ऐच्छिक, मुख्य या ऑनर्स विषय के रूप में अंग्रेजी में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में अंग्रेजी एक शिक्षण विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री हो।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनिवार्य, ऐच्छिक, मुख्य या ऑनर्स विषय के रूप में अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ डिग्री और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में अंग्रेजी एक शिक्षण विषय के रूप में हो।

या

अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) हो।

या

अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. हो।

- ii दसवीं या उच्च शिक्षा में हिंदी या संस्कृत का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

#### 5 टी.जी.टी. हिंदी

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनिवार्य, ऐच्छिक, मुख्य या ऑनर्स विषय के रूप में हिंदी में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में हिंदी एक शिक्षण विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री हो।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनिवार्य, ऐच्छिक, मुख्य या ऑनर्स विषय के रूप में हिंदी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ डिग्री और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में हिंदी एक शिक्षण विषय के रूप में हो।

या

हिंदी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) हो।

या

हिंदी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. हो।

- ii दसवीं में हिंदी या संस्कृत का एक विषय के रूप में या उच्च शिक्षा में हिंदी का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

## 6 टी.जी.टी. संस्कृत

- i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ संस्कृत ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में संस्कृत एक शिक्षण विषय के रूप में होना अनिवार्य है।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में संस्कृत एक शिक्षण विषय के रूप में हो।

या

चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.E.Ed.) संस्कृत में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ शास्त्री या हरियाणा सरकार द्वारा संचालित शिक्षा शास्त्री/भाषा शिक्षा पाठ्यक्रम (एल.टी.सी.) या संस्कृत में प्राच्य प्रशिक्षण (ओ.टी.) या हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष अर्हता।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. संस्कृत विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

- ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

## 7 टी.जी.टी. पंजाबी

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ पंजाबी ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में आर BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में पंजाबी शिक्षण विषय के रूप में स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया)

समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में पंजाबी एक शिक्षण विषय के रूप में।

या

चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) पंजाबी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. पंजाबी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

### 8 टी.जी.टी. उर्दू

i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ उर्दू ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में उर्दू शिक्षण विषय के रूप में स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार B.Ed (शिक्षा स्नातक)/B.Ed (विशेष शिक्षा) में उर्दू एक शिक्षण विषय के रूप में।

या

चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) उर्दू विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. उर्दू विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

### 9 टी.जी.टी. शारीरिक शिक्षा

i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में स्नातक (B.P.Ed) या शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा (D.P.Ed) या इसके समकक्ष स्नातक।

या

ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

### 10 टी.जी.टी. गृह विज्ञान

i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ गृह विज्ञान ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में स्नातक और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में गृह विज्ञान विषय।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ गृह विज्ञान स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार (B.Ed ) शिक्षा स्नातक/शिक्षा स्नातक विशेष शिक्षा (B.Ed Special Education) में गृह विज्ञान एक शिक्षण विषय के रूप में।

या

चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) गृह विज्ञान विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. गृह विज्ञान विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

- ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

## 11 टी.जी.टी. कला

- i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ कला ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में स्नातक/B.F.A. और BTC/JBT/D.El.Ed/D.Ed में कला विषय।

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ कला स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार (B.Ed ) शिक्षा स्नातक/शिक्षा स्नातक विशेष शिक्षा (B.Ed Special Education) में कला एक शिक्षण विषय के रूप में।

या

चार वर्षीय मौलिक शिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) कला विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.F.A./B.A/ B.Ed. कला विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

- ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

## 12 टी.जी.टी. संगीत

- i. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ संगीत ऐच्छिक या ऑनर्स विषय के रूप में स्नातक और BTC/JBT /D.Ed. (शिक्षा में डिप्लोमा)/मौलिकशिक्षा में डिप्लोमा (D.El.Ed)

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ संगीत में स्नातक डिग्री (वैकल्पिक या ऑनर्स विषय के रूप में) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) समय-समय पर जारी विनियमों के अनुसार (B.Ed ) शिक्षा स्नातक/शिक्षा स्नातक विशेष शिक्षा (B.Ed Special Education) में संगीत एक शिक्षण विषय के रूप में।

या

चार वर्षीय मौलिकशिक्षा स्नातक (B.El.Ed.) संगीत विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ।

या

चार वर्षीय एकीकृत B.A/ B.Ed. संगीत विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ हो।

- ii दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।

**नोट:**

- i. 2011 की सिविल अपील संख्या 7084 (SLP (C) नं० 27965/2010 से उत्पन्न) में सुप्रीम कोर्ट के दिनांक 18.08.2011 के फैसले के अनुसार जिसका शीर्षक पी.वी. इन्द्रसन बनाम भारत संघ और अन्य 2012 में उद्घृत (I) आर. एस. जे. (R.S.J.) 64 और मामले में एल. आर. की राय में, 5% छूट का मतलब स्नातक/वरिष्ठ माध्यमिक में न्यूनतम योग्यता के 5% की सीमा तक है। प्रासंगिक सेवा नियमों में जैसा भी मामला हो उसे आगे इस प्रकार स्पष्ट किया गया है। यदि सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम योग्यता अंक 50% है तो अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग /दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए योग्यता अंक 47.5% यानि 50 में से 5% अंक कम होंगे। इसी तरह यदि न्यूनतम योग्यता अंक 45% है तो अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग /दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए योग्यता अंक 42.75% जैसा कि 45 में से 5% अंक कम होंगे।
- ii केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्री पर ही विचार किया जाएगा।

हालांकि, डिप्लोमा इन एजुकेशन (विशेष शिक्षा) के मामले में केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर सी आई) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पर ही विचार किया जाएगा।

**(ग) स्तर-3 :- पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पी.जी.टी.)**

- |                |                |               |
|----------------|----------------|---------------|
| 1. अंग्रेजी    | 2. हिन्दी      | 3. भूगोल      |
| 4. गृह विज्ञान | 5. समाजशास्त्र | 6. मनोविज्ञान |
| 7. पंजाबी      | 8. उर्दू       | 9. इतिहास     |

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री और बी.एड. की डिग्री।

- (ii) दसवीं कक्षा में एक विषय के रूप में हिंदी या संस्कृत की अनिवार्यता अथवा उच्च शिक्षा में हिंदी एक विषय के रूप में।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 10. पी.जी.टी. राजनीति विज्ञान

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ एम.ए. राजनीति विज्ञान या एम.ए. लोक प्रशासन और बी.एड. होना अनिवार्य है।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी होना अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 11 पी.जी.टी. संस्कृत

- (i) (a) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ एम.ए. संस्कृत या आचार्य होना अनिवार्य है।
- (b) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से या हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित संस्कृत विषय में शिक्षा शास्त्री या भाषा शिक्षक पाठ्यक्रम या ओरियनटल प्रशिक्षण या बी.एड. होना अनिवार्य है।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 12. पी.जी.टी. जीव विज्ञान

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ प्राणिशास्त्र/वनस्पति विज्ञान/जीव विज्ञान/ जैव रसायन/जैनेटिक्स/सूक्ष्म जीव विज्ञान/पादप शरीर क्रिया विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी/जीवन विज्ञान/आण्विक जैव/नैदानिक जैव रसायन/कृषि जैव-प्रौद्योगिकी/जैव सूचना विज्ञान/चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी/पर्यावरण विज्ञान/पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी/खाद्य प्रौद्योगिकी/ फोरेसिक विज्ञान/सूक्ष्मजीवी जैव प्रौद्योगिकी/जीनोमिक्स में स्नातकोत्तर और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 13. पी.जी.टी. भौतिकी

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ फिजिक्स/एप्लाइड फिजिक्स/न्यूक्लियर फिजिक्स/ईलैक्ट्रॉनिक्स साईंस में स्नातकोत्तर और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 14. पी.जी.टी. रसायन विज्ञान

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ रसायन विज्ञान /जैव विज्ञान में स्नातकोत्तर और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 15. पी.जी.टी. गणित

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ गणित/व्यावहारिक गणित में स्नातकोत्तर (M.A/M.Sc.) इसके साथ स्नातक स्तर पर गणित एक अनिवार्य विषय के रूप में और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 16. पी.जी.टी. कॉमर्स

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ लेखांकन/लागत लेखांकन/वित्तीय लेखांकन में स्नातकोत्तर (M.Com) एवं बी.एड.।

एप्लाइड/बिजनेस ईकोनोमिक्स एम.कॉम डिग्रीधारक पात्र नहीं होंगे।

- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 17. पी.जी.टी. अर्थशास्त्र

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ अर्थशास्त्र/एप्लाइड अर्थशास्त्र/बिजनेस अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर (M.A.) और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 18. पी.जी.टी. संगीत

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ संगीत में स्नातकोत्तर (M.A.) और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

#### 19. पी.जी.टी. ललित कला

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ ललित कला में स्नातकोत्तर (M.A.) और बी.एड.।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

## 20. पी.जी.टी. कंप्यूटर विज्ञान

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों के साथ कम्प्यूटर साईंस (नियमित दो वर्षीय पाठ्यक्रम)/एम.सी.ए. (नियमित तीन वर्षीय पाठ्यक्रम)/B.E/B.Tech. कम्प्यूटर साईंस/कम्प्यूटर इंजीनियरिंग/I.T. (नियमित पाठ्यक्रम) में स्नातकोत्तर।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

## 21. पी.जी.टी. शारीरिक शिक्षा

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (M.A/M.P.Ed.) तथा शारीरिक शिक्षा में स्नातक (B.P.Ed) या शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा (D.P.Ed) या इसके समकक्ष स्नातक।
- (ii) दसवीं में हिंदी/संस्कृत या बारहवीं/बी.ए./एम.ए. में हिन्दी एक विषय के रूप में अनिवार्य है।
- (iii) अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

### टिप्पणी:-

- i. 2011 की सिविल अपील संख्या 7084 (SLP (C) नं० 27965/2010 से उत्पन्न) में सुप्रीम कोर्ट के दिनांक 18.08.2011 के फैसले के अनुसार जिसका शीर्षक पी.वी. इन्द्रसेन बनाम भारत संघ और अन्य 2012 में उद्घृत (I) आर. एस. जे. (R.S.J.) 64 और मामले में एल. आर. की राय में, 5% छूट का मतलब स्नातक/वरिष्ठ माध्यमिक में न्यूनतम योग्यता के 5% की सीमा तक है। प्रासंगिक सेवा नियमों में (जैसा भी मामला हो उसे आगे इस प्रकार स्पष्ट किया गया है)। यदि सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम योग्यता अंक 50% है तो अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए योग्यता अंक 47.5% यानी 50 में से 5% अंक कम होंगे। इसी तरह यदि न्यूनतम योग्यता अंक 45% है तो अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए योग्यता अंक 42.75% जैसा कि 45 में से 5% अंक कम होंगे।
- ii केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन सी टी ई) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्री पर ही विचार किया जाएगा।  
हालाँकि, डिप्लोमा इन एजुकेशन (विशेष शिक्षा) के मामले में केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर सी आई) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पर ही विचार किया जाएगा।
- iii सीधी भर्ती के मामले में "अच्छे शैक्षणिक रिकॉर्ड" का मतलब है कि उम्मीदवार के पास दसवीं/बारहवीं/स्नातक/स्नातकोत्तर (जैसा भी मामला हो) में से किन्हीं तीन परीक्षाओं की औसत लेने के बाद 50% अंक हो। हालाँकि उम्मीदवार के पास पी.जी.टी. कम्प्यूटर साईंस को छोड़कर स्नातकोत्तर में न्यूनतम 50% अंक होने चाहिए। पी.जी.टी. कम्प्यूटर साईंस के मामले में उम्मीदवार के पास न्यूनतम 55% अंक होने चाहिए (स्नातक/स्नातकोत्तर जैसा भी मामला हो)।



## 6 योजना/संरचना और परीक्षण की सामग्री:

HTET में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। प्रत्येक को 1 अंक दिया गया है। जिसमें 4 विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से 1 उत्तर सही होगा। कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा। तीनों सत्रों के लिए विस्तृत योजना और संरचना नीचे दी गई है।

### 6.1 स्तर-1 कक्षा 1 से 5 तक प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए:

केवल एक ही परीक्षा होगी। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे और प्रत्येक का एक अंक होगा। प्रत्येक प्रश्न के 4 विकल्प होंगे। जिसमें से एक विकल्प ठीक होगा।

प्राथमिक शिक्षक (पी.आर.टी. के लिए अंक योजना/संरचना)

बहुविकल्पीय प्रश्न – 150, परीक्षा की अवधि 2:30 घण्ट

| क्र०स० |  | प्रश्न संख्या | अंक     |
|--------|--|---------------|---------|
| 1.     | बालविकास और शिक्षा शास्त्र   | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 2.     | भाषाएं:<br>हिन्दी – 15 MCQs<br>अंग्रेजी – 15 MCQs  | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 3.     | सामान्य अध्ययन:<br>मात्रात्मक योग्यता – 10 MCQs<br>तर्क क्षमता – 10 MCQs<br>हरियाणा G.K एवं जागरूकता – 10 MCQs | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 4.     | गणित   | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 5.     | पर्यावरण अध्ययन  | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| कुल    |  |               | 150 अंक |

### प्रश्नों की प्रकृति एवं मानक:

- बाल विकास और शिक्षाशास्त्र पर परीक्षण सामग्री 6-11 वर्ष की आयु वर्ग के लिए प्रासंगिक शिक्षण सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर केन्द्रित होंगे।
- भाषाओं (हिन्दी और अंग्रेजी) की परीक्षण सामग्री शिक्षा के माध्यम से संबंधित दक्षताओं पर केन्द्रित होगी।
- मात्रात्मक योग्यता तर्क क्षमता और हरियाणा G.K के लिए परीक्षण सामग्री और हरियाणा राज्य की जागरूकता भाषा के संबंध में मानसिक और तर्क क्षमता और सामान्य ज्ञान के तत्वों पर केन्द्रित रहेगी।
- गणित और पर्यावरण अध्ययन में परीक्षण प्रश्न अवधारणाओं, समस्या सुलझाने की क्षमताओं पर केन्द्रित होंगे। इन सभी विषय क्षेत्रों में परीक्षण शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा कक्षा 1-5 के लिए निर्धारित उस विषय के पाठ्यक्रम के विभिन्न भागों में समान रूप से वितरित किया जाएगा।

- स्तर-1 के परीक्षणों में प्रश्न कक्षा 1-5 के लिए निर्धारित विषयों के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, लेकिन उनके कठिनाई मानक व संबंध माध्यमिक स्तर तक हो सकते हैं।

|                               |   |                 |
|-------------------------------|---|-----------------|
| <b>योग्यता:</b><br><b>अंक</b> | अनुसूचित जाति और दिव्यांगों को छोड़ कर सभी श्रेणियों के लिए       | 60%<br>(90 अंक) |
|                               | हरियाणा अधिवास/स्थायी निवास की अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए | 55%<br>(82 अंक) |
|                               | अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए                | 60%<br>(90 अंक) |

**नकारात्मक अंकन:**— परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा।

## 6.2 स्तर-II (Level-2) कक्षा VI-VIII के लिए प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टी.जी.टी.) बनने के लिए:

केवल एक ही पेपर होगा। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिनमें चार विकल्पों में से एक विकल्प सही होगा और हर प्रश्न एक अंक का होगा।

**प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टी.जी.टी.) के लिए योजना/संरचना:**  
**बहुविकल्पीय प्रश्नों की संख्या-150 परीक्षा अवधि: 02 घंटे 30 मिनट**

| क्र०स० |  | प्रश्न संख्या | अंक     |
|--------|--|---------------|---------|
| 1.     | बालविकास और शिक्षा शास्त्र   | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 2.     | भाषाएं:<br>हिन्दी – 15 MCQs<br>अंग्रेजी – 15 MCQs  | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 3.     | सामान्य अध्ययन:<br>मात्रात्मक योग्यता – 10 MCQs<br>तर्क क्षमता – 10 MCQs<br>हरियाणा G.K एवं जागरूकता – 10 MCQs | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 4.     | विकल्प के अनुसार विषय विशिष्ट  | 60 MCQs       | 60 अंक  |
| कुल    |  |               | 150 अंक |

### प्रश्नों की प्रकृति एवं मानक:

- बाल विकास और शिक्षा शास्त्र से सम्बन्धित परीक्षण मद (Test Items) 11-16 वर्ष के आयु वर्ग के लिए शिक्षण व सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर केंद्रित होंगे। वे विविध छात्रों की विशेषताओं, आवश्यकताओं और मनोविज्ञान को समझने, शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करने और सीखने के एक अच्छे सुविधाकर्ता की विशेषताओं और गुणों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

- भाषाओं (हिंदी व अंग्रेजी) के परीक्षण मद (Test Items) 11–16 वर्ष के आयु वर्ग के लिए निर्देशन के माध्यम से सम्बन्धित दक्षताओं पर केंद्रित होंगे।
- मात्रात्मक योग्यता, तर्क क्षमता और हरियाणा का सामान्य ज्ञान और जागरूकता के लिए परीक्षण मद हरियाणा से सम्बन्धित मानसिक और ताकिक क्षमता और सामान्य ज्ञान के तत्वों पर केंद्रित होंगे।
- विषय विशेष में परीक्षण मद इन विषयों की अवधारणाओं, समस्या सुलझाने की क्षमताओं और शैक्षणिक समझ पर केंद्रित होंगे। परीक्षण मद को उस विषय के पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रभागों में समान रूप से वितरित किया जाएगा जैसा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा VI-X के लिए निर्धारित किया गया है।
- स्तर-2 की परीक्षा में प्रश्न हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के द्वारा कक्षा VI-X के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे परन्तु उनका कठिनाई मानक व संबंध वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के हो सकते हैं।

|                 |   |                 |
|-----------------|---|-----------------|
| <b>योग्यता:</b> | अनुसूचित जाति और दिव्यांगों को छोड़ कर                            | 60%             |
| <b>अंक</b>      | सभी श्रेणियों के लिए  | (90 अंक)        |
|                 | हरियाणा अधिवास/स्थायो निवास की अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए | 55%<br>(82 अंक) |
|                 | अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए                | 60%<br>(90 अंक) |

**नकारात्मक अंकन:-** परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा।

### 6.3 स्तर-3 स्नातकोत्तर शिक्षक

इस श्रेणी के लिए केवल एक पेपर होगा। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे, जिनमें चार विकल्पों में से कोई एक विकल्प सही होगा और हर प्रश्न एक अंक का होगा।

**स्नातकोत्तर शिक्षक के लिए योजना/संरचना:-**

**बहुविकल्पीय प्रश्नों की संख्या-150, परीक्षा अवधि: 02 घंटे 30 मिनट**

| क्र०स० |  | प्रश्न संख्या | अंक     |
|--------|--|---------------|---------|
| 1.     | बालविकास और शिक्षा शास्त्र   | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 2.     | भाषाएं:<br>हिन्दी – 15 MCQs<br>अंग्रेजी – 15 MCQs  | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 3.     | सामान्य अध्ययन:<br>मात्रात्मक योग्यता – 10 MCQs<br>तर्क क्षमता – 10 MCQs<br>हरियाणा G.K एवं जागरूकता – 10 MCQs | 30 MCQs       | 30 अंक  |
| 4.     | विकल्प के अनुसार विषय विशिष्ट  | 60 MCQs       | 60 अंक  |
| कुल    |  |               | 150 अंक |

### प्रश्नों की प्रकृति एवं मानक:

- बाल विकास और शिक्षा शास्त्र से संबंधित परीक्षण मद 14–17 वर्ष के आयु वर्ग के लिए शिक्षण व सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर केंद्रित होंगे। वे विविध छात्रों की विशेषताओं, आवश्यकताओं और मनोविज्ञान को समझने, शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करने और सीखने के एक अच्छे सुविधाकर्ता की विशेषताओं और गुणों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
- भाषाओं (हिंदी व अंग्रेजी) के परीक्षण मद 14–17 वर्ष के आयु वर्ग के लिए निर्देशन के माध्यम से संबंधित दक्षताओं पर केंद्रित होंगे।
- मात्रात्मक योग्यता, तर्क क्षमता और हरियाणा का सामान्य ज्ञान और जागरूकता के लिए परीक्षण मद हरियाणा से सम्बन्धित मानसिक और तर्क क्षमता और सामान्य ज्ञान के तत्त्वों पर केंद्रित होंगे।
- विषय विशेष में परीक्षण मद इन विषयों की अवधारणाओं, समस्या सुलझाने की क्षमताओं और शैक्षणिक समझ पर केंद्रित होंगे। परीक्षण मद को उस विषय के पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रभागों में समान रूप से वितरित किया जाएगा जैसा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा IX-XII के लिए निर्धारित किया गया है।
- परीक्षा में प्रश्न नौवीं से बारहवीं के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे परन्तु उनका कठिनाई मानक और संबंध स्नातकोत्तर स्तर के हो सकते हैं।

|          |   |                 |
|----------|---|-----------------|
| योग्यता: | अनुसूचित जाति और दिव्यांगों को छोड़ कर                            | 60%             |
| अंक      | सभी श्रेणियों के लिए  | (90 अंक)        |
|          | हरियाणा अधिवास/स्थायी निवास की अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए | 55%<br>(82 अंक) |
|          | अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति और दिव्यांगों के लिए                | 60%<br>(90 अंक) |

नकारात्मक अंकन:— परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा।

### महत्त्वपूर्ण टिप्पणी (सभी स्तरों के लिए):

1. प्रथम द्वितीय व तृतीय स्तर की पाठ्यक्रम सामग्री के लिए कृपया परिशिष्ट-1 देखें।

2. प्रश्न-पत्र प्रतिरूप – कृपया अनुलग्नक- 1 देखें।
3. नियमानुसार पात्रता के लिए आवश्यक अर्हक व्यावसायिक श्रेणी (डिग्री) के अंतिम वर्ष में अध्ययन करने वाले उम्मीदवार भी परीक्षा के लिए आवेदन के पात्र हैं, परन्तु नियुक्तकर्ता अधिकारियों के द्वारा उनकी उम्मीदवारी को तभी माना जाएगा जब उनके पास न्यूनतम योग्यता होगी।
4. मैट्रिक कक्षा हिन्दी/संस्कृत सहित उत्तीर्ण करना अथवा बारहवीं/स्नातक/स्नातकोत्तर में हिन्दी एक विषय के रूप में होना-यह शर्त अध्यापक पद के लिए आवेदन करते हुए लागू होगी न कि 'हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा' देने के लिए।

### 7. परीक्षा समय-सारिणी:

| क्रम संख्या | परीक्षा की तिथि            | श्रेणी          | समय                   | अवधि     |
|-------------|----------------------------|-----------------|-----------------------|----------|
| 1.          | 02.12.2023 व<br>03.12.2023 | स्तर 3, 2 एवं 1 | प्रवेश-पत्र के अनुसार | 150 मिनट |

### 8. प्रश्न-पत्रों की भाषा:

भाषा संबंधी विषयों को छोड़ कर सभी प्रश्न द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) होंगे:

### 9. हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के आयोजन की आवृत्ति, उपस्थित होने के लिए उपलब्ध प्रयासों की संख्या और एच.टी.ई.टी. प्रमाण-पत्र की वैधता अवधि:

- (i) नियुक्ति के लिए हरियाणा 'अध्यापक पात्रता परीक्षा' योग्यता प्रमाण-पत्र की वैधता अवधि सभी स्तरों के लिए प्रमाण-पत्र जारी करने की तारीख से सात वर्ष के लिए होगी।
- (ii) यदि बोर्ड की तरफ से हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा का परिणाम संशोधित किया जाता है और 'योग्य नहीं से योग्य' प्रमाण पत्र जारी किया जाता है तो प्रमाण-पत्र की वैधता प्रमाण-पत्र जारी करने की तारीख से मानी जाएगी। 'योग्य से योग्य' परिणाम संशोधित होने की स्थिति में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रमाण-पत्र की वैधता मुख्य परिणाम घोषणा तिथि से मानी जाएगी।
- (iii) 'हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा' प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए एक व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- (iv) जो अभ्यर्थी पहले ही HTET (हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण कर चुके हैं, यदि वे चाहें तो उनके पास अपने अंक सुधारने के लिए नए HTET में बैठने/नए HTET देने का विकल्प होगा।
- (v) यदि अध्यापक पात्रता परीक्षा का परिणाम देरी से घोषित किया जाता है या उम्मीदवार की ओर से संशोधित किया जाता है तो प्रमाण पत्र की वैधता मुख्य परिणाम की घोषणा की तारीख से मानी जाएगी।

### 10. अध्यापक पात्रता परीक्षा स्कोर में सुधार

जिन अभ्यर्थियों ने अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर लिया है, वे इसमें अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

## 11. परीक्षा केन्द्र

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पास हरियाणा राज्य के साथ-साथ हरियाणा के बाहर कहीं भी परीक्षा केंद्र बनाने का अधिकार सुरक्षित है। हालांकि, बोर्ड द्वारा गृह जिलों के भीतर परीक्षा केन्द्र आंबटित करने का प्रयास किया जाएगा।

## 12. आवेदन प्रक्रिया (ऑनलाइन)

आवेदन पत्र  $\implies$  चित्र अपलोड करें  $\implies$  शुल्क भुगतान  $\implies$  पुष्टिकरण पृष्ठ

- (क) कृपया ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना शुरू करने से पहले अध्यापक पात्रता परीक्षा –2023 के सूचना बुलेटिन को ध्यान से पढ़ें।
- (ख) उम्मीदवार अध्यापक पात्रता परीक्षा –2023 के लिए अध्यापक पात्रता परीक्षा वेबसाइट [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) के माध्यम से 30.10.2023 (12:00 PM) से 10.11.2023 (11:59 PM) तक 'ऑनलाइन' आवेदन कर सकते हैं।
- (ग) ऑनलाइन आवेदन करते समय पहचान प्रमाण और नंबर जमा करना अनिवार्य है।
- (घ) अध्यापक पात्रता परीक्षा –2023 के लिए आवेदन पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है, जिसमें आवेदक की नवीनतम रंगीन फोटो और हस्ताक्षर (सफेद पृष्ठभूमि और कम से कम 60 प्रतिशत दृश्यता के साथ) और अंगूठे का निशान अपलोड करने की सुविधा है। विवरण ऑनलाइन भरे जाएंगे और आवेदन पत्र भरते समय नवीनतम रंगीन फोटो, अंगूठे का निशान और हस्ताक्षर (केवल जे.पी.जी. प्रारूप में) की स्कैन की गई छवियां अपलोड की जाएंगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व जे.पी.जी. (JPG) प्रारूप में नवीनतम रंगीन फोटो, अंगूठे का निशान और हस्ताक्षर की गई स्कैन छवियाँ तैयार रखें।
- (ङ) उम्मीदवार को कक्षा दसवीं/माध्यमिक प्रमाण-पत्र के अनुसार अपना विवरण अर्थात् नाम, पिता का नाम, माता का नाम और जन्मतिथि दर्ज करनी चाहिए।
- (च) उम्मीदवार हरियाणा पात्रता परीक्षा वेबसाइट [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) के माध्यम से 'ऑनलाइन' आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार को ऑनलाइन फॉर्म भरते समय सभी विवरण प्रदान करने चाहिए और नवीनतम रंगीन फोटो और हस्ताक्षर (सफेद पृष्ठभूमि और कम से कम 60 प्रतिशत दृश्यता के साथ) और अंगूठे के निशान की स्कैन की गई छवियों को अपलोड करना चाहिए। डेटा (ऑनलाइन) और अपेक्षित शुल्क (गेटवे भुगतान के माध्यम से) सफलतापूर्वक जमा करने के बाद उम्मीदवारों को रिकॉर्ड के लिए पुष्टिकरण पृष्ठ का प्रिंटआउट लेना होगा और इसे अपने संदर्भ के लिए रखना होगा। पुष्टिकरण पृष्ठ को बोर्ड कार्यालय में भेजने की आवश्यकता नहीं है।
- (छ) यदि पुष्टिकरण पृष्ठ उत्पन्न नहीं हुआ है, तो उम्मीदवार को हरियाणा पात्रता परीक्षा-2023 के लिए अपनी उम्मीदवारी सुनिश्चित करने के लिए शुल्क के भुगतान का प्रमाण देते हुए तुरन्त बोर्ड के सहायक सचिव (विशेष परीक्षा शाखा) से सम्पर्क करना चाहिए।
- (ज) उम्मीदवारों को अपने विवरण जैसे नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्मतिथि, पहचान प्रमाण-पत्र व संख्या और चुने गये विषय (स्तर-2 और स्तर-3) में ऑनलाइन सुधार करने की अनुमति 11.11.2023 से 12.11.2023 तक दी जाएगी और उसके बाद किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (झ) उम्मीदवार दिए गए निर्दिष्ट समय के भीतर ही अपने विवरण/फोटो/हस्ताक्षर/ अंगूठे का निशान, स्तर, जाति, श्रेणी, शारीरिक दिव्यांगता और गृह राज्य में सुधार कर सकते हैं।

- (ज) ऑफलाइन मोड माध्यम जैसे फ़ैक्स/आवेदन या ई-मेल आदि से कोई परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस सम्बन्ध में किसी पत्राचार पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि ऑनलाइन सुधार के लिए निर्दिष्ट तिथि समाप्त होने के बाद किसी भी परिस्थिति में विशेष परिवर्तन का कोई निवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (ट) यदि कोई उम्मीदवार एक ही स्तर के लिए एक से अधिक आवेदन/पंजीकरण जमा करता हुआ पाया जाता है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उम्मीदवार को भविष्य की परीक्षाओं से भी वंचित किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में कोई संचार नहीं किया जाएगा।
- (ठ) झूठी, गलत, त्रुटिपूर्ण या अशुद्ध जानकारी प्रस्तुत करने पर परीक्षा परिणाम रद्द किया जा सकता है, प्रमाण-पत्र जब्त किया जा सकता है और उचित मामलों में मुकदमा भी चलाया जा सकता है।
- (ड) ऑनलाइन आवेदन जमा करते समय उम्मीदवार को अपने मोबाइल नम्बर और ई-मेल आई.डी. का उल्लेख करना चाहिए; क्योंकि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा से सम्बन्धी सूचनाएँ उम्मीदवारों को उनके मोबाइल नम्बर और ई-मेल आई.डी. पर भेजी जाएँगी।
- (ढ) केंद्र पर असुविधा से बचने के लिए नवीनतम फोटोग्राफ की स्कैन की गई छवि अपलोड करना अनिवार्य है; क्योंकि इस तस्वीर का मिलान परीक्षा में उपस्थित होन वाले वास्तविक उम्मीदवार से किया जाएगा।

आकार – अंगूठे का निशान – 10 KB से 30 KB

आकार – हस्ताक्षर – 10 KB से 20 KB

आकार – फोटो – 20 KB से 50 KB

(फोटो का छवि आयाम 3.5 से.मी. (चौड़ाई) × 4.5 से.मी. (ऊँचाई) केवल होना चाहिए।)

- (ण) नवीनतम अपडेट के लिए कृपया नियमित रूप से हरियाणा पात्रता परीक्षा की आधिकारिक वेबसाइट [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) पर जाएँ।

### 13. परीक्षा का तरीका

परीक्षा पारम्परिक प्रकार (पेन-पेपर आधारित) में आयोजित की जाएगी।

### 14. प्रवेश-पत्र (ऑनलाइन)

प्रवेश-पत्र डाक द्वारा नहीं भेजे जाएंगे। उम्मीदवार 24.11.2023 से हरियाणा अध्यापक पात्रता की आधिकारिक वेबसाइट [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) से प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं और दिए गए परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकते हैं। यदि प्रवेश-पत्र में उम्मीदवार के विवरण, फोटो, अंगूठे का निशान और हस्ताक्षर या पुष्टिकरण पृष्ठ से भिन्न किसी अन्य जानकारी के सम्बन्ध में कोई विसंगति दिखाई देती है तो वह 25.11.2023 से 26.11.2023 तक तुरन्त सुबह 09:00 बजे से सांय 05:00 बजे के बीच बोर्ड के विशेष परीक्षा शाखा में पर्याप्त

प्रमाण-पत्रों जैसे पुष्टिकरण पृष्ठ/दसवीं/माध्यमिक कक्षा का प्रमाण-पत्र, रंगीन फोटो की दो प्रतियाँ व शुल्क जमा प्रमाण के साथ आवश्यक सुधार के लिए सम्पर्क कर सकता है।

- (क) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश-पत्र पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और परीक्षा के दौरान उनका पालन करें।
- (ख) किसी भी अभ्यर्थी को आबंटित केन्द्र के अलावा किसी अन्य केन्द्र से उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी किसी भी परिस्थिति में केन्द्र परिवर्तन के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी आबंटित केन्द्र के अलावा किसी अन्य केन्द्र से अवैध रूप से उपस्थित होता है, तो उसकी उम्मीदवारी तुरन्त खारिज कर दी जाएगी और इस सम्बन्ध में उसके साथ कोई पत्राचार किए बिना परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।
- (ग) ऐसे पात्र उम्मीदवार जिन्हें अपना प्रवेश-पत्र वेबसाइट पर नहीं मिलता है वे इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त प्रमाणों अर्थात् पुष्टिकरण पृष्ठ, दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र, दो रंगीन फोटो, शुल्क जमा प्रमाण आदि के साथ 24.11.2023 के बाद कार्यालय समय अर्थात् सुबह 09:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक बोर्ड कार्यालय, भिवानी के विशेष परीक्षा शाखा में आवश्यक सुधार के लिए व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर सकते हैं।
- (घ) किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह अपना नवीनतम रंगीन फोटो, हस्ताक्षर आदि सहित मुद्रित वैध प्रवेश-पत्र प्रस्तुत न कर दें।

#### 15. दृष्टिहीन अभ्यर्थियों सहित दिव्यांगों के लिए

भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) के दिशा-निर्देशों के अनुसार ओ.एम.एफ.नम्बर 16-110/2003-डी.डी.।।। दिनांक 26.02.2013 और उसके बाद हरियाणा सरकार मेमो नम्बर 5203-18/एच.ई.-3/सी.पी.डी./एस.जे.ई./2013 दिनांक 05.04.2013 के अनुसार, हरियाणा पात्रता परीक्षा के आयोजन के दौरान दिव्यांग उम्मीदवारों के सम्बन्ध में निम्नलिखित निर्देश लागू हैं:-

1. दृष्टिहीन अभ्यर्थियों सहित दिव्यांग अभ्यर्थी, जो अपने हाथों से लिखने में असमर्थ हैं और जो लेखक की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, उन्हें हरियाणा पात्रता परीक्षा-2023 परीक्षा के प्रत्येक पेपर में 50 मिनट का प्रतिपूरक समय दिया जा सकता है। नेत्रहीन उम्मीदवारों सहित सभी दिव्यांग उम्मीदवारों को जो अपने हाथों से लिखने में असमर्थ हैं और लेखक की सुविधा का लाभ नहीं उठा रहे हैं, उन्हें भी 50 मिनट का प्रतिपूरक समय दिया जा सकता है।
2. लेखक/लिपिकार की सुविधा किसी ऐसे व्यक्ति को दी जा सकती है जो दृष्टिबाधित श्रेणी में 40 प्रतिशत या उससे अधिक की दिव्यांगता रखता हो या अपने हाथों से लिखने में असमर्थ हो, (यदि व्यक्ति ऐसा चाहता हो)।
3. उम्मीदवार को स्वयं के लेखक/लिपिकार का चयन करने की अनुमति दी जा सकती है अथवा उनके अनुरोध पर बोर्ड कार्यालय द्वारा प्रदान किया जा सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा से कम से कम सात दिन पहले सुबह 09:00 बजे से सांय 04:30 बजे तक लिपिकार/लेखक के लिए बोर्ड कार्यालय से सम्पर्क करें।
4. लेखक/लिपिकार के लिए शैक्षिक योग्यता सीनियर सैकेण्डरी से ऊपर नहीं होनी चाहिए।
5. अव्यवस्था से बचने के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले विशेषतः भूतल पर बैठने की उचित व्यवस्था पहले से ही की जानी चाहिए।



6. प्रश्न-पत्र देने का समय सही-सही अंकित किया जाए तथा दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्न-पत्र की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।
7. आपातकालीन स्थिति में लेखक/पाठक/प्रयोगशाला सहायक में किसी भी परिवर्तन को समायोजित करने में भी लचीलापन होना चाहिए।
8. दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए दृष्टि आधारित प्रश्नों के स्थान पर वैकल्पित प्रश्न उपलब्ध करवाए जाएंगे।

### 16 याद रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें:

- अनुमान लगाने/धोखाधड़ी/नकल करने का सहारा न लें।
- उम्मीदवारों को रोल नम्बर, उम्मीदवार की स्कैन की गई तस्वीर और परीक्षा केन्द्र के नाम वाले प्रवेश-पत्र बोर्ड की वेबसाइट (<http://haryanatet.in>) से डाउनलोड करने होंगे।
- किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केन्द्र नहीं बदला जाएगा। यदि कोई भी उम्मीदवार आबंटित केन्द्र के अलावा किसी अन्य केन्द्र से अवैध रूप से उपस्थित होता है, तो उसकी उम्मीदवारी तुरन्त खारिज कर दी जाएगी और इस सम्बन्ध में उसके साथ पत्राचार किए बिना परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।
- एक बार जमा किया हुआ शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापिस नहीं किया जाएगा।
- एक ही स्तर के लिए एक से अधिक आवेदन जमा करने पर उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।
- यदि किसी उम्मीदवार ने योग्यता, श्रेणी, गृह जिले आदि के सम्बन्ध में झूठी/गलत जानकारी दी है या अपने आवेदन पत्र में जानकारी रोकी/छिपाई है, तो प्रवेश के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी शुरु की जा सकती है।

### 17 फोटोग्राफ और अंगूठे का निशान:

- नवीनतम रंगीन फोटोग्राफ और हस्ताक्षर 60 प्रतिशत दृश्यता और सफेद पृष्ठभूमि के साथ अपलोड किया जाने चाहिए।



- अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर OMR उत्तर पत्रक पर अपने अंगूठे का निशान लगाएंगे।
- अभ्यर्थी द्वारा लगाए जाने वाले अंगूठे का निशान स्पष्ट होना चाहिए। अंगूठे के निशानों पर ठीक से स्याही लगी होनी जानी चाहिए यानी उन पर न तो अधिक स्याही लगी होनी चाहिए और न ही वे सूखी हुई होनी चाहिए।
- कृपया ध्यान दें कि स्कैन किए गए छायाचित्र और हस्ताक्षर जैसे प्रवेश पत्र/उपस्थिति पत्रक पर मुद्रित हैं वैसे ही प्रमाण पत्र पर भी मुद्रित किए/छापे जाएंगे।

## 18. अनुचित साधन और अनाचार

- (i) हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड प्रतिरूपण के मामलों सहित किसी भी प्रकार के अनुचित मामलों पर कठोरता से कार्यवाही करेगा। वर्तमान परीक्षा को रद्द करने और ऐसे अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित करने के अलावा, कदाचार में संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ बोर्ड के "अनुचित साधन विनियम" के अनुसार कानूनी कार्यवाही शुरू की जा सकती है।
- (ii) परीक्षा कक्ष/हॉल के अंदर प्रवेश पत्र, पुष्टिकरण पृष्ठ की प्रति और नीला/काला बॉल प्वाइंट पेन के अलावा अभ्यर्थियों को किसी भी पाठ्य सामग्री, कैलकुलेटर, दस्तावेज, पेन, स्लाइड रूल, लॉग टेबल और कैलकुलेटर की सुविधाओं के साथ इलेक्ट्रॉनिक घड़ियाँ, मुद्रित या लिखित सामग्री, कागज के टुकड़े, मोबाइल फोन, पेजर या किसी अन्य उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है। यदि किसी भी अभ्यर्थी के पास उपरोक्त कोई भी वस्तु या किसी भी प्रकार की अन्य आपत्तिजनक सामग्री पाई जाती है, तो उसकी उम्मीदवारी को वर्तमान परीक्षा के लिए रद्द माना जाएगा और उसे भविष्य की परीक्षाओं के लिए भी बोर्ड के "अनुचित साधन विनियम" के अनुसार प्रतिबंधित किया जा सकता है।
- (iii) अभ्यर्थी पूरी तरह से शान्त रहेंगे और केवल अपना प्रश्न पत्र पर ही ध्यान देंगे। परीक्षा कक्ष/हॉल में किसी भी तरह की बातचीत या इशारे या गड़बड़ी को दुर्व्यवहार माना जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी इस तरह के कदाचार में लिप्त पाया जाता है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसे बोर्ड के "अनुचित साधन विनियम" में दिए गए अपराध की प्रकृति के अनुसार स्थायी रूप से या एक निर्दिष्ट अवधि के लिए परीक्षा देने से प्रतिबन्धित कर दिया जाएगा।

## 19. सामान्य जानकारी

- यदि कोई अभ्यर्थी विभिन्न जिलों से आवेदन करता हुआ पाया जाता है, तो उसका आवेदन पत्र सीधे खारिज कर दिया जाएगा और उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- यदि पाया गया कि किसी अभ्यर्थी ने कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है/गलत जानकारी दी है, तो उसका आवेदन पत्र खारिज कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थियों को इस परीक्षा के संबंध में बोर्ड के नियमों और विनियमों का पालन करना होगा।
- उत्तर पत्रकों के पुनर्मूल्यांकन/पुनः जांच का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, इस संबंध में किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

## 20. प्रमाण पत्र प्रदान करना

- जिन अभ्यर्थियों को योग्य घोषित किया जाएगा उन्हें हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थी को अलग प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा जो एक से अधिक स्तरों के लिए उपस्थित होंगे और योग्य घोषित किये जायेंगे। हालाँकि, "HTET" में उपस्थित होने वाले सभी अभ्यर्थियों के अंकों का विवरण बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।
- परिणाम IRIS डेटा बेस (बायोमेट्रिक प्रोफाइल सत्यापन) की तुलना के बाद घोषित किया जाएगा जैसा कि बोर्ड द्वारा निर्णय लिया गया है/सूचित किया है। ऐसे अभ्यर्थियों को

केवल तीन मौके दिये जायेंगे, इसके बाद, यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित तीन अवसरों में अनुपस्थित रहता है और दिए गए तीन अवसरों में उपस्थित नहीं होने के बाद बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए रिपोर्ट करता है, तो बायोमेट्रिक सत्यापन अभ्यर्थी से रुपये /10000— (रुपये दस हजार मात्र) का शुल्क लेकर किया जाएगा। यह अवधि परिणाम घोषित होने की तिथि से एक वर्ष तक वैध होगी। निर्धारित अवधि के बाद अभ्यर्थी का परिणाम स्वतः ही रद्द माना जायेगा।

महत्त्वपूर्ण टिप्पणी: –

- (i) यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि किसी अभ्यर्थी को हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (HTET) में उपस्थित होने की अनुमति दी गई है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि अभ्यर्थी की पात्रता सत्यापित कर ली गई है। परीक्षा में शामिल होने और उसे उत्तीर्ण करने से अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं मिल जाता। पात्रता, अंततः, नियुक्ति प्राधिकारियों द्वारा सत्यापित की जाएगी।
- (ii) यह भी ध्यान रखें कि HTET में शामिल होने और उत्तीर्ण होने से योग्य व्यक्ति स्वतः ही भर्ती के लिए पात्र नहीं हो जाएंगे।
- (iii) परीक्षा में उपस्थित होने के बाद भी यदि किसी भी स्तर पर बोर्ड के संज्ञान में यह आता है कि अभ्यर्थी HTET परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्र नहीं है या अभ्यर्थी ने परीक्षा में किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का उपयोग किया है, तो ऐसे अभ्यर्थी की उम्मीदवारी और परिणाम बोर्ड के सचिव द्वारा रद्द/निरस्त कर दिया जाएगा। उम्मीदवारी रद्द करने और परिणाम रद्द करने के अलावा, ऐसे अभ्यर्थियों को बोर्ड के "अनुचित साधन विनियम" के अनुसार भविष्य की परीक्षा के लिए भी अयोग्य ठहराया जा सकता है। ऐसे अभ्यर्थी के खिलाफ अपराध की गंभीरता के आधार पर कानूनी कार्यवाही भी शुरू की जा सकती है।

**21. परीक्षण के संबंध में निर्देश: –**

- अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले प्रवेश पत्र में आवंटित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना चाहिए। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- अभ्यर्थियों को वैध प्रवेश पत्र और पुष्टिकरण पृष्ठ के अलावा कोई अन्य कागज नहीं लाना चाहिए।
- संबंधित परीक्षा केंद्र के पर्यवेक्षक/निरीक्षक की उपस्थिति में अभ्यर्थी द्वारा कंप्यूटर जनित आवेदन पत्र (पुष्टिकरण पृष्ठ) पर अंगूठे का निशान अंकित किया जाएगा और संबंधित केंद्र अधीक्षक को प्रदान किया जाना होगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा इसे उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को वही फोटो चिपकानी होगी और वही हस्ताक्षर भी करने होंगे जो कंप्यूटर जनित आवेदन पत्र (पुष्टिकरण पृष्ठ) और प्रवेश पत्र पर आवेदन करते समय अपलोड किए गए थे।

- किसी भी अनुचित साधन का उपयोग या उपयोग करने का प्रयास करते हुए पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को अन्य दंडात्मक उपायों के अलावा अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
- किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा के लिए निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- गणना उपकरणों के उपयोग की अनुमति नहीं है।
- अभ्यर्थियों को परीक्षा हॉल में पर्यवेक्षक की उपस्थिति में उपस्थिति पत्रक पर दो बार अपने हस्ताक्षर करने होंगे।

## 22. परीक्षण पुस्तिका के संबंध में निर्देश

- प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका में पहले पन्ने पर एक क्रमांक अंकित होता है जिसे अभ्यर्थी को उत्तर पुस्तिका में उचित स्थान पर सावधानी पूर्वक लिखना चाहिए।
- अभ्यर्थी को परीक्षण पुस्तिका के पहले पन्ने पर उचित स्थान पर अपना हस्ताक्षर करना होगा।
- यदि अभ्यर्थी को परीक्षण पुस्तिका में कोई दोष मिलता है, तो उसे कोई भी विवरण लिखने से पहले पर्यवेक्षक से इसे बदलने का अनुरोध करना चाहिए।
- परीक्षा हॉल छोड़ने से पहले उत्तर पुस्तिका पर्यवेक्षक को लौटा देनी होगी।

## 23. उत्तर पत्रक (OMR शीट) के संबंध में निर्देश

- अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उत्तर पत्रक का एक नमूना संलग्न है (अनुलग्नक – II)।
- उत्तर पत्रक पर मुद्रित निर्देशों के अनुसार केवल काले बॉल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग करें।
- यदि अभ्यर्थी को उत्तर पत्रक में कोई दोष मिलता है, तो उसे निरीक्षक से उसे बदलने का अनुरोध करना चाहिए।
- उत्तर पत्रक को मोड़ नहीं, कोई निशान न बनाएं या उस पर कोई खुरदरा काम न करें।
- अभ्यर्थी को परीक्षण पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर मुद्रित अपना रोल नंबर और परीक्षण पुस्तिका नंबर उचित ब्लॉकों में भरना चाहिए और उत्तर पत्रक पर केवल काले बॉल पॉइंट पेन से अंडाकार (गोले) को गहरा करना चाहिए।
- अभ्यर्थी को काले बॉल प्वाइंट पेन से अपने हस्ताक्षर करने होंगे और उत्तर पत्रक में उचित स्थान पर अपने बाएं हाथ के अंगूठे का निशान लगाना होगा।
- कैंलकुलेटर/मोबाइल फोन और किसी भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान को परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। जरूरी नहीं कि उपयोग को, बल्कि कब्जे में होना भी अनुचित साधनों का उपयोग माना जाएगा और बोर्ड के "अनुचित साधनों के विनियम" के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। आपराधिक कार्यवाही भी शुरू की जा सकती है।
- प्रश्नों के उत्तर संबंधित अंडाकार (गोले) को काले बॉल प्वाइंट पेन से पूर्णतः काला करके ही देना है।

## 24. विशेष प्रावधान

- (i) गोपनीयता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए, सचिव के पास अभ्यर्थियों को रोल नंबर /पंजीकरण संख्या निर्दिष्ट करने की विधि, परीक्षा केंद्रों का आवंटन, निरीक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति, परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, परीक्षा के संचालन की प्रक्रिया में शामिल लोगों के लिए पारिश्रमिक निर्धारित करने, प्रश्न-पत्रों की स्थापना और प्रमाणपत्रों सहित उनकी छपाई, परिणाम की प्रसंस्करण/घोषणा/संशोधन, असंतोषजनक कार्य के लिए दंड की मात्रा आदि का अधिकार होगा। सचिव का निर्णय बोर्ड के अध्यक्ष के अनुमोदन के अधीन होगा।
- (ii) इसके बावजूद की किसी भी अन्य विनियम/नियमों में कुछ भी शामिल हो, जो इसके तहत बनाये गए हैं या बोर्ड या किसी अधिकारी के किसी भी संकल्प/आदेश/निर्देश के तहत बनाए गए हों, प्रश्न पत्रों की स्थापना, उनकी छपाई, प्रस्ताव आमंत्रित करने, गोपनीय मुद्रक, भुगतान, पेपर सेटर्स और विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति, प्रश्न पत्रों के विश्लेषण की रिपोर्ट आदि में शामिल पूरी प्रक्रिया और गतिविधियों को अत्यंत गुप्त रखा जाएगा और किसी को भी इससे संबंधित रिकॉर्ड तक पहुंच की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## 25. प्रश्नों एवं उत्तर कुंजी के संबंध में आपत्ति

“परीक्षा के बाद लेवल-1, 2 और 3 की उत्तर कुंजी बोर्ड की वेबसाइट [www.bseh.org.in](http://www.bseh.org.in) पर अपलोड कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से उत्तर कुंजी पर आपत्ति दर्ज करने का प्रावधान है। प्रति प्रश्न 1000/- रुपये का शुल्क जमा करना होगा। एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि उत्तर कुंजी में विषय विशेषज्ञ/विशेषज्ञों द्वारा कोई गलती देखी जाती है तो उस विशेष प्रश्न का शुल्क वापस कर दिया जाएगा और उत्तर कुंजी को विषय विशेषज्ञ/विशेषज्ञों की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार अंतिम रूप दिया जाएगा। आपत्तियों पर बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा। परिणाम घोषित होने के बाद, अंतिम उत्तर कुंजी अभ्यर्थियों की जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी और आगे किसी संचार पर विचार नहीं किया जाएगा।

किसी भी आपत्ति पर ऑफलाइन मोड यानी फ़ैक्स/प्रार्थना पत्र या ईमेल आदि के माध्यम से विचार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आपत्ति की निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद किसी भी परिस्थिति में कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।”

## 26. रिकॉर्ड का रख-रखाव

OMR उत्तर पत्रों सहित "HTET –2023" का रिकॉर्ड परिणाम घोषित होने की तारीख से चार महीने तक संरक्षित रखा जाएगा।

## 27. व्याख्या

यदि इन दिशानिर्देशों/निर्देशों के किसी प्रावधान या किसी अन्य बिंदु की व्याख्या पर कोई प्रश्न है जो विशेष रूप से इन दिशानिर्देशों/निर्देशों में शामिल नहीं है, तो अध्यक्ष अंतिम निर्णय लेने के लिए सक्षम होंगे।

## 28. क्षेत्राधिकार

सत्र न्यायालय के स्तर पर "हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा –2023" के संबंध में सभी कानूनी विवाद केवल भिवानी (हरियाणा) के न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के अधीन होंगे।

नोट: –

□ अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन जमा करने से पहले "परीक्षा योजना" जिसमें दिशानिर्देश/निर्देशों दिए गए हैं (बोर्ड की वेबसाइट – [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in)) पर अपलोड की गई सूचना बुलेटिन) का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें। अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा की विस्तृत योजना भी वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

□ सूचना बुलेटिन – "परीक्षा की योजना– दिशानिर्देश/निर्देश" बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तन/संशोधन के अधीन है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि किसी भी परिवर्तन के बारे में जानने के लिए बोर्ड की वेबसाइट [www.bseh.org.in](http://www.bseh.org.in), [www.htet2023.in](http://www.htet2023.in) पर नजर रखें।

अभ्यर्थी किसी भी जानकारी के लिए निम्नलिखित पते और फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं:

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी – 127021

हेल्पडेस्क नं०– 9358767113,

ई-मेल :- ([helpdeskhtet2023@gmail.com](mailto:helpdeskhtet2023@gmail.com)., [secretary@bseh.org.in](mailto:secretary@bseh.org.in))

पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु  
स्तर- I, स्तर- II व स्तर- III के लिए

स्तर- I

| भाग-1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम |   |
|--|---|
| A  | <p>विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास के सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव।</p> <p><u>समाजीकरण की प्रक्रिया:</u> बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समकक्ष लोग)।</p> <p><u>पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की :</u> निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।</p> <p>बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्तन, सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग-विभेद एवं शैक्षिक व्यवहार, अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि की विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना।<br/>अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारित</p> <p><u>आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन :</u> परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास।</p> <p>अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्तन और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।</p>                         |
| B  | <p><u>समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना :</u> वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन।<br/>सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन।<br/>प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना।</p> <p><u>अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :</u><br/>बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में “असफल” होते हैं।</p> <p>शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, एक सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।<br/>एक समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।</p> <p>बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की “त्रुटियों” को अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना।<br/>संज्ञान एवं भावनाएं</p> <p>अभिप्रेरणा एवं अधिगम<br/>अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय।</p> |

भाग-II भाषा का पाठ्यक्रम

A

भाषा-I (हिन्दी)

भाषा बोध प्रश्न:

अपठित गद्यांश/पद्यांश- बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है)

भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा-शास्त्र:

सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल

भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकन: बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना

शिक्षण- अधिगम सामग्री: पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण

B

**Language – II (English)**

**Language Comprehension Questions:**

Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability.

**Pedagogy of Language Development:**

Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders, Language Skills. **Evaluating language comprehension and proficiency:** speaking, listening, reading and writing.

**Teaching - learning materials:** Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.



| भाग-III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम |  |
|---|--|
| A                                       | हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।  |
| B                                       | <p>सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधार:</p> <p>इसमें शाब्दिक और गैर-शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर-शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन-कूटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं</p> <p>विषय है: शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन-कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छेद/डिजाईन नमूना-मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न- मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।</p> |
| C                                       | <p>संख्यात्मक अभिक्षमता:</p> <p>प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत्त की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दायें प्रिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायें वृत्ताकार बेलन, गोलाध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमितीय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।</p>  |

| भाग-IV विषय विशेष पाठ्यक्रम |  |
|-----------------------------|--|
| A                           | <p>गणित सामग्री : ज्यामिति, आकार और स्थानिक समझ, हमारे चारों ओर ठोस, संख्याएँ, जोड़ और घटाव, गुणा, भाग, माप, वजन, समय, आयतन, आंकड़े, प्रबंधन, पैटर्न, पैसा।</p> <p>शैक्षणिक मुद्दे : गणित की प्रकृति/तार्किक सोच, बच्चों की सोच और तर्क पैटर्न को समझना और अर्थ बनाने और सीखने की रणनीतियाँ, पाठ्यक्रम में गणित का स्थान, गणित की भाषा, सामुदायिक गणित, औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों के माध्यम से मूल्यांकन, शिक्षण की समस्याएँ, त्रुटि विश्लेषण और सीखने और सिखाने के सम्बन्धित पहलू, निदान और उपचारात्मक शिक्षण।</p>                              |
| B                           | <p>पर्यावरण अध्ययन सामग्री:</p> <p>परिवार और मित्र: संबंध, काम और खेल, जन्तु, पादप।<br/>खाद्य पदार्थ, आश्रय, पानी, यात्रा, चीजें जो हम बनाते हैं और करते हैं।</p> <p>शैक्षणिक मुद्दे:</p> <p>पर्यावरण विज्ञान की अवधारणा और दायरा, का महत्त्व पर्यावरण विज्ञान, एकीकृत विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और पर्यावरण शिक्षा, सीखने के सिद्धांत, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का दायरा और संबंध, अवधारणाओं को प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण, गतिविधियों, प्रयोग/व्यावहारिक कार्य, विचार-विमर्श, सतत और व्यापक मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री/सहायक उपकरण, समस्याएं</p> |

नोट:- एचटीईटी स्तर-1 (पीआरटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर माध्यमिक स्तर के मानक तक होगा।

विषय:- लेवल-1 (पीआरटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से 5वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।

स्तर- II

| भाग-1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम |  |
|--|--|
| A  | <p>विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास के सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव।</p> <p><u>समाजीकरण की प्रक्रिया:</u> बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समकक्ष लोग)।</p> <p><u>पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की :</u> निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।</p> <p>बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्तन, सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग-विभेद एवं शैक्षिक व्यवहार, अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि की विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना।<br/>अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारित</p> <p><u>आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन :</u> परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास।</p> <p>अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्तन और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।</p>                            |
| B  | <p><u>समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना :</u> वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन।<br/>सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन।<br/>प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना।</p> <p><u>अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :</u><br/>बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में “असफल” होते हैं।</p> <p>शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, एक सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।<br/>एक समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।</p> <p>बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की “त्रुटियों” को अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना।<br/>संज्ञान एवं भावनाएं</p> <p>अभिप्रेरणा एवं अधिगम</p> <p>अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय।</p> |

भाग-II भाषा का पाठ्यक्रम

A

भाषा-I (हिन्दी)

भाषा बोध प्रश्न:

अपठित गद्यांश/पद्यांश- बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है)

भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा-शास्त्र:

सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल

भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकन: बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना

शिक्षण- अधिगम सामग्री: पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण

B

**Language – II (English)**

**Language Comprehension Questions:**

Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability.

**Pedagogy of Language Development:**

Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders, Language Skills.

**Evaluating language comprehension and proficiency:** speaking, listening, reading and writing.

**Teaching - learning materials:** Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.

| भाग-III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम |  |
|---|--|
| A                                       | हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।  |
| B                                       | <p>सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधार:</p> <p>इसमें शाब्दिक और गैर-शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर-शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन-कूटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं</p> <p>विषय है: शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन-कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छेद/डिजाईन नमूना-मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न- मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।</p> |
| C                                       | <p>संख्यात्मक अभिक्षमता:</p> <p>प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत्त की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दाये प्रिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायं वृत्ताकार बेलन, गोलाध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमितीय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।</p>  |

भाग-IV विषय विशेष पाठ्यक्रम

| विज्ञान |   |
|---------|---|
| A       | <p>(क) <u>सामग्री एवं समूह को क्रमबद्ध करना</u> : हमारे आस-पास की वस्तुएं, पदार्थ के गुण : कठोरता, घुलनशील अथवा अघुलनशील, पारदर्शिता, वस्तु पानी में तैरती है या डूब जाती है,</p> <p><u>पदार्थों का पृथक्करण</u> : पदार्थों का पृथक्करण, मिश्रण एवं उनके प्रकार, पृथक्करण की विधियां, निस्पंदन, ओसाना (थ्रैसिंग), वाष्पीकरण, अवसादन, निस्तारण, छानना, फटकना।</p> <p><u>अम्ल, क्षार एवं लवण</u> : अम्ल एवं क्षार, हमारे चारों ओर के सूचक, उदासीनीकरण, दैनिक जीवन में उदासीनीकरण।</p> <p><u>भौतिक एवं रसायनिक परिवर्तन</u> : भौतिक परिवर्तन, रसायनिक परिवर्तन, लोहे में जंग लगना, क्रिस्टलीकरण।</p> <p><u>कोयला एवं पेट्रोलियम</u> : कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, कुछ प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं।</p> <p><u>दहन एवं ज्वाला</u> : दहन, हम आग को कैसे नियन्त्रित करते हैं? दहन के प्रकार, लौ, लौ की संरचना, ईंधन क्या है? ईंधन की दक्षता।</p> <p><u>हमारे आस-पास के पदार्थ</u> : पदार्थ की भौतिक प्रकृति, पदार्थ के कणों की विशेषताएं, पदार्थ की अवस्थाएं, क्या पदार्थ अपनी अवस्था बदल सकता है? वाष्पीकरण।</p> <p><u>क्या हमारे आसपास के पदार्थ शुद्ध हैं?</u> :- मिश्रण क्या है? घोल, मिश्रण के घटकों को अलग करना, भौतिक एवं रसायनिक परिवर्तन, शुद्ध पदार्थ के प्रकार।</p> <p><u>अणु एवं परमाणु</u> : रसायनिक संयोजन के नियम, परमाणु, अणु, मोल की अवधारणा, आणविक द्रव्यमान, रसायनिक सूत्र।</p> <p><u>परमाणु की संरचना</u> : पदार्थ में आवेशित कण, परमाणु की संरचना, विभिन्न कक्षा कक्षों में इलेक्ट्रॉनों का वितरण, संयोजकता, परमाणु क्रमांक, परमाणु द्रव्यमान।</p> <p><u>रसायनिक समीकरण एवं अभिक्रियाएं</u> : रसायनिक अभिक्रिया, रसायनिक समीकरण, रसायनिक अभिक्रियाओं के प्रकार, दैनिक जीवन में उपचयन (आक्सीकरण) अभिक्रियाओं के प्रभाव।</p> <p><u>धातु एवं अधातु</u> : धातुओं एवं अधातुओं के भौतिक गुण, रसायनिक गुण, धातुओं की जल, वायु एवं अम्लों के साथ अभिक्रिया, धातुओं की प्रतिक्रियाशीलता का क्रम, धातु एवं अधातुओं की अभिक्रियाएं, आयनिक यौगिकों के गुण, धातुओं का निष्कर्षण, परिष्करण, संक्षारण एवं इसकी रोकथाम।</p> <p><u>कार्बन एवं इसके यौगिक</u> : कार्बन में आबंध, सहसंयोजी आबंध, कार्बनिक यौगिकों के रसायनिक गुण, महत्वपूर्ण कार्बनिक यौगिक : इथेनोल, इथेनोइक अम्ल, साबुन एवं अपमार्जक।</p> <p>विषय सम्बन्धी शिक्षाविज्ञान।</p> |
| B       | <p><u>जीवन की मौलिक ईकाई</u> : कोशिका और इसके संरचनात्मक संगठन और कार्य, कोशिका विभाजन।</p> <p><u>जीव-जगत</u> : पौधों और प्राणियों के रूप और कार्य।</p> <p><u>पादप एवं प्राणी ऊतक</u></p> <p><u>जीवों में विविधता</u> : पौधों और प्राणियों का उनके लक्षणों के साथ वर्गीकरण।</p> <p><u>प्राणियों और पौधों के विभिन्न जैव प्रक्रम</u> : पोषण, श्वसन, वहन, उत्सर्जन (मनुष्यों के विभिन्न तंत्रों सहित)।</p> <p><u>शरीर की गतिविधियाँ</u> : प्राणियों में गतिविधियां, मानव शरीर और उसकी</p>   |

|   |  |
|---|--|
|   | <p>गतिविधियाँ, पौधों और प्राणियों में नियंत्रण और समन्वय।<br/> जीवों में प्रजनन : प्रजनन के तरीके (अलैंगिक और लैंगिक प्रजनन) प्रजनन स्वास्थ्य (किशोरावस्था और युवावस्था) आनुवंशिकता और विकास।<br/> रोग : प्रकार, कारण, वाहक, उपचार और रोकथाम।<br/> मौसम, जलवायु एवं विभिन्न जलवायु और आवास के लिए जीवों का अनुकूलन, पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण, जव-रासायनिक चक्र, ओजोन परत, पशुपालन, मृदा, जल, वन और वन्य जीवन, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, पौधों और प्राणियों का संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन और उनका प्रबंधन।<br/> खाद्य पदार्थ: इसके संसाधन, घटक और कार्य, खाद्य संसाधनों में सुधार, फसल उत्पादन और उसका प्रबंधन, फसल की पैदावार में सुधार और प्रबंधन, फसल सुरक्षा प्रबंधन।<br/> सूक्ष्मजीव।<br/> विषय सम्बन्धी शिक्षा शास्त्र।</p>   |
| C | <p>गति और मापन : गति के प्रकार और असमान गति, चाल, वेग और त्वरण दूरी-समय<br/> ग्राफ, वेग-समय ग्राफ, गति के समीकरण, एक समान वृत्तीय गति, दूरी और समय का मापन।</p> <p>बल और गति के नियम : बल के प्रकार, संतुलित और असंतुलित बल, गति का प्रथम नियम, गति का द्वितीय नियम, गति का तृतीय नियम, घर्षण, घर्षण को प्रभावित करने वाले कारक, घर्षण एक आवश्यक बुराई, पहिये घर्षण कम करते हैं, द्रव्य घर्षण।</p> <p>गुरुत्वाकर्षण : गुरुत्वाकर्षण का सार्वत्रिक नियम, गुरुत्वाकर्षण के सार्वत्रिक नियम का महत्व, मुक्त पतन, गुरुत्वीय त्वरण <math>g</math> के मान का परिकलन, पृथ्वी के गुरुत्वीय बल के प्रभाव में वस्तुओं की गति, द्रव्यमान, भार, किसी वस्तु का चंद्रमा पर भार, प्रणोद तथा दाब, वायुमंडलीय दाब, तरलों में दाब, उत्प्लावकता, पानी की सतह पर रखने पर वस्तुएं तैरती या डूबती क्यों हैं, आर्किमिडिज का सिद्धांत।</p> <p>कार्य, ऊर्जा और शक्ति : कार्य की वैज्ञानिक परिकल्पना, एक नियत बल द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा के रूप, गतिज ऊर्जा, स्थितिज ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण का नियम, कार्य करने की दर।</p> <p>ध्वनि : ध्वनि का उत्पादन, ध्वनि का संचरण, ध्वनि तरंग के अभिलक्षण, विभिन्न माध्यमों में ध्वनि की चाल, प्रतिध्वनि अनुरणन, ध्वनि के बहुल परावर्तन के उपयोग, श्रव्यता का परिसर श्रव्य और अश्रव्य ध्वनियां, शोर और संगीत, ध्वनि प्रदूषण, अल्ट्रासाउंड का अनुप्रयोग।</p> <p>प्रकाश : पारदर्शी, अपारदर्शी और पारभासी वस्तु, पिनहोल कैमरा, सूरज की रोशनी सफेद या रंगीन, ब्रेल प्रणाली क्या है। प्रकाश का परावर्तन, गोलीय दर्पणों द्वारा बने प्रतिबिंबों का निरूपण, अवतल दर्पण द्वारा प्रतिबिंब बनना, उत्तल दर्पण द्वारा प्रतिबिंब बनना, दर्पण सूत्र तथा आवर्धन, प्रकाश का अपवर्तन, कांच के आयताकार स्लैब से अपवर्तन, अपवर्तनांक, गोलीय लेंस द्वारा अपवर्तन, किरण आरेखों के उपयोग द्वारा लेंसों से प्रतिबिंब बनना, गोलीय लेंसों के लिए चिन्ह परिपाटी लेंस सूत्र तथा आवर्धन, लेंस की क्षमता</p> |

|  |  |
|--|--|
|  | <p>मानव नेत्र, समजन क्षमता, दृष्टि दोष तथा उनका संशोधन, निकट दृष्टि दोष, दीर्घ-दृष्टि दोष, जरा-दूरदृष्टिता, प्रिज्म में प्रकाश का अपवर्तन, कांच के प्रिज्म द्वारा श्वेत प्रकाश का विक्षेपण, वायुमंडलीय अपवर्तन, तारों का टिमटिमाना, अग्रिम सूर्योदय तथा विलंबित सूर्यास्त, प्रकाश का प्रकीर्णन, टिडल प्रभाव, स्वच्छ आकाश का रंग नोला क्यों होता है।</p> <p>विद्युत और परिपथ : विद्युत-सैल, विद्युत-परिपथ, वैद्युत-स्विच, विद्युतधारा, विद्युत-विभव, ओम का नियम, वह कारक जिन पर एक चालक का प्रतिरोध निर्भर करता है, प्रतिरोध का संयोजन: श्रेणीक्रम और समांतरक्रम, विशिष्ट प्रतिरोध, विद्युतधारा का तापीय प्रभाव, विद्युत शक्ति, विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव, विद्युत प्लेट।</p> <p>विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव : चुंबकीय क्षेत्र ओर क्षेत्र रेखाएँ, किसी विद्युत धारावाही चालक के कारण चुंबकीय क्षेत्र, सीधे चालक से विद्युत धारा प्रवाहित होने के कारण चुंबकीय क्षेत्र, दक्षिण हस्त अगष्ट नियम, फ्लेमिंग दाया हस्त नियम, फ्लेमिंग बाया हस्त नियम, विद्युत धारावाही वृत्ताकार पाश के कारण चुंबकीय क्षेत्र, परिनलिका, चुंबकीय क्षेत्र में किसी विद्युत धारावाही चालक पर बल, घरेलू विद्युत परिपथ, विद्युत घंटी, विद्युत चुंबक, मोटर, ए.सी. जनरेटर। विषय संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p> |
|--|--|

| शारीरिक शिक्षा |   |
|----------------|---|
| A              | <p><u>शारीरिक शिक्षा</u> : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य तथा महत्व भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास : आज़ादी से पहले और आज़ादी के बाद के युग में।</p> <p><u>शारीरिक शिक्षा के जैविक आधार</u> :- वृद्धि और विकास, अनुवांशिकता और पर्यावरण। क्रैशमर और शैल्डन के अनुसार शरीर के प्रकार और व्यक्तित्व का वर्गीकरण / व्यक्तित्व की विभाएँ/प्राचीन यूनान, रोम, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन तथा रूस में शारीरिक शिक्षा। स्वास्थ्य और स्वच्छता/संतुलित आहार और पोषण। स्वास्थ्य संबंधी पुष्टि या फिटनेस। मोटापा और उसका (सुधारात्मक) प्रबंधन। प्राथमिक चिकित्सा।</p> <p><u>संक्रामक रोग</u> : उनके कारण, लक्षण तथा रोकथाम। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और व्यक्तिगत स्वच्छता। खेल-चोटें तथा उनकी रोकथाम। मुद्रा संबंधी विकृतियाँ उनके कारण तथा रोकथाम। खेल, चिकित्सा /बुनियादी /फिजियोथेरेपी और मरम्मत/वापसी/उद्धार/शारीरिक पुष्टि और सुयोग्यता।</p> <p><u>शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान</u> :- इनका अर्थ व परिभाषा / श्वसन तंत्र, रक्त संचरण प्रणाली, अस्थिपिंजर, मांसपेशी संस्थान, अन्तःस्रावी प्रणाली, पाचन-तंत्र नाड़ी-तंत्र (न्यूरा ट्रांसमिशन) तथा उत्सर्जन प्रणाली : सभी की शारीरिक-रचना, शारीरिक क्रिया विज्ञान सभी अंगों की रचना तथा कार्य।</p> |
| B              | <p>आर्गोजेनिक सहायक, डोपिंग तथा एंटी डोपिंग/खेलों में प्रदर्शन को प्रभावित करने</p>   |



|   |  |
|---|--|
|   | <p>वाले कारक / (काइन्सियोलॉजी) मानव गतिज विज्ञान और (बायो मैकेनिक्स) <u>जैव यांत्रिकी</u> : इनका अर्थ व परिभाषा / जोड़ और उनमें गति / लीवर / मोटर कौशल मांसपेशियों की गति और उनकी क्रियाएं या मोटर गति का मांसपेशीय विश्लेषण / गति के नियम / संतुलन के सिद्धान्त / बल / विभिन्न खेल गतिविधियों का मांसपेशीय विश्लेषण / मौलिक गतिविधियों का यांत्रिक विश्लेषण / दौड़ने, कूदने, फेंकने, खींचने और धक्का देने की गतिविधियों का मानव गतिज-विज्ञान तथा जैव-यांत्रिकी आधार पर अध्ययन।</p> <p><u>खेलों में मनोविज्ञान और समाज-शास्त्र</u> :- अर्थ व परिभाषाएँ खेलों में मनोविज्ञान के लक्ष्य और उद्देश्य।</p> <p><u>अधिगम</u> :- अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम के सिद्धान्त, अधिगम के नियम, स्थानान्तरक अधिगम।</p> <p><u>प्रेरणा</u> :- आंतरिक और बाह्य-प्रेरणा / खेल-प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारण।</p> <p><u>नेतृत्व</u> :- अर्थ, परिभाषा, नेतृत्व के प्रकार और नेतृत्व के गुण।</p> <p><u>मनोरंजन</u> :- इसके नियम व सिद्धान्त, विभिन्न आयु समूहों / श्रेणियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम।</p> <p><u>योग शिक्षा</u> :- योग का इतिहास, अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य और उद्देश्य। अष्टांग के सभी अंग, सूर्य-नमस्कार और इसके लाभ / प्राणायाम इसके प्रकार तथा लाभ।</p> <p><u>शुद्धि क्रियाएं</u> :- नेती, धोती, बस्ती / योग का दैनिक जीवन में महत्व।</p> <p><u>योग</u> :- जीवन-शैली रोगों के निवारक के रूप में।</p> |
| C | <p><u>परीक्षण, मापन और मूल्यांकन</u> :- इनकी अवधारणा टक तथा फील्ड ईवेन्ट्स में मापन प्रमुख खेल व छोटे खेल / ट्रैक, और फील्ड ईवेन्ट्स तथा सभी खेलों के नियम तथा विनियम (आचरण) / क्रीड़ा व खेल शब्दावली, खेल-सामयिकी, खेल संघ, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय खेल (ओलंपिक आंदोलन) खेल कप और ट्रॉफियां स्टेडियम, टूर्नामेंट और उनके फिक्सचर / खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट।</p> <p><u>खेल प्रबंधन</u> :- प्रबंधन की अवधारणा और सिद्धान्त / खेल निकायों का गठन तथा उनका कार्य / इन्ड्राम्यूरल और एक्स्ट्रॉम्यूरल / खेल के मैदान / कोर्ट / बुनियादी ढांचे, उपकरण, वित्त, तथा स्टाफकमी प्रबंधन / खेलों में योजना / खेलों में ऑफिसिएटिंग / अंपायरिंग।</p> <p><u>खेल प्रशिक्षण</u> :- इसकी अवधारणा व सिद्धांत / खेलों में अवधिकरण, विभिन्न खेल प्रशिक्षण विधियां, विभिन्न मोटर-गुणों के विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम / खेलों के लिए तकनीकी व सामरिक तैयारियां व अल्पकालिक और दीर्घकालिक</p>  |

|   |
|---|
| <p>प्रशिक्षण कार्यक्रम / मीडिया और खेल-खेलों और शारीरिक शिक्षा में कंप्यूटर अनुप्रयोग, राष्ट्रीय खेल-पुरस्कार।</p> <p>विषय संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p> |
|---|

| English |  |
|---------|--|
| A       | <p><b>Reading Comprehension:</b> One/two unseen passage (prose/poem) to assess the candidate's ability to comprehend, analyse and interpret text.</p> <p><b>Language:</b> ( Pedagogy of English)- Aims and objectives of teaching English at secondary level, Methods and approaches of teaching English language, Teaching aids, Use of ICT in classroom.</p>   |
| B       | <p><b>Grammar and Usage-</b> This will include questions based on verb patterns, tenses, analysis of sentences, transformation of sentences, voices, narration, articles, determiners, auxiliaries(Primary &amp; Modal) idiomatic expressions, phrasal verbs and part of speech in detail(Noun, pronoun, verb, adjective, adverb, conjunction, interjection, preposition).</p> <p>Basic phonetics- Word formation, vowel and consonant sounds, simple transcription.</p> |
| C       | <p><b>Literature:</b> Text based questions must be selected from the prescribed syllabus of the Board of School Education Haryana for classes VI to X, Difficulty level of the questions may be raised to UG Level.</p>  |

| Hindi |   |
|-------|---|
| A)    | <p>हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास:- भाषा के विविध रूप एवं सर्वैधानिक स्थिति, हिन्दी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि का इतिहास, वैज्ञानिकता एवं विशेषताएं, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नामकरण एवं विविध प्रवृत्तियाँ।</p>   |
| B)    | <p>माध्यमिक स्तरीय एवं पाठ्यक्रम में संकलित रचनाओं की जानकारी:- बसंत भाग-1,2 एवं 3 में संकलित गद्य एवं पद्य रचनाओं पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित कविताओं के भाव, भाषा एवं शैली पक्ष पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित गद्य रचनाओं और उनके विविध पक्षों के ज्ञान पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में आए पर्यायवाची, विलोम एवं अनेकार्थक शब्दों के साथ-साथ वाक्यांश के लिए एक शब्द से संबंधित प्रश्न।</p> |

|    |  |
|----|--|
| C) | काव्यशास्त्र एवं व्याकरण:- काव्य गुण एवं काव्य दोष पर आधारित प्रश्न, अलंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, वक्रोक्ति, श्लेष, अतिशयोक्ति, असंगति एवं द्रष्टांत पर आधारित प्रश्न, छंद – दोहा, रोला , हरिगीतिका, मालिनी, कवित्त, सवैया, वंशस्थ पर आधारित प्रश्न, रस एवं रस के अवयव पर आधारित प्रश्न, वर्ण विचार – स्वर एवं व्यंजन के प्रकार, प्रयत्न एवं स्थान की दृष्टि से, शब्द विचार- तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज पर आधारित प्रश्न, संधि , समास, उपसर्ग, प्रत्यय पर आधारित प्रश्न, विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अविकारी शब्द – क्रिया विशेषण, संबंधसूचक, समुच्चय बोधक एवं विस्मयादिबोधक, वाक्य एवं पद विचार पर आधारित शुद्ध वाक्यों की पहचान, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, शुद्धाशुद्ध शब्द-वर्तनी पर आधारित शुद्ध-अशुद्ध। |
|----|--|

## HTET SYLLABUS (2023) FOR LEVEL-2 (TGT)

Subject Specific: Urdu Questions: 60 MCQs Marks: 60

نوٹ: اردو زبان کے حساب کر (HTET Level-2(TGT) کے لیے تین حصوں میں تقسیم کیا گیا ہے۔ پہلا حصہ شاعری کا ہے دوسرا حصہ نثر کا اور تیسرا حصہ آداب و ادب کا ہے۔

حصہ اول

موضوع: شاعری

| شمار نمبر | اسباق   |
|-----------|---|
| 5         | علم کی تعریف شعروں کی اہمیت کا مطالعہ، غزل کی تعریف شعروں کا فن، گیت کی تعریف شعروں کا فن، شہ کی تعریف شعروں کا فن، تصنیف میں مثال شعروں کی حیثیت و خصوصیات اور تخلیقات کا مطالعہ |
| 1.        | جان و جان (علم) کا کہتے   |
| 2         | درختوں سے موت (علم) کو جس کا اختر   |
| 3.        | شعور کی دعا (علم) علم اور آفتاب   |
| 4.        | ہریانہ کا کائنات (علم) اور وہ   |
| 5         | ہر لانا ہمارے ہے (علم) مقرر شہ  |
| 5         | ہر سنت (علم) تعلیم اور صحافتی   |
| 7.        | علم (علم) کا غور  |
| 8.        | نیل سنن میں تارے (علم) شریعہ اور شریعت  |
| 9.        | اردو زبان (علم) کا غور  |
| 10.       | نئی کار (علم) اعلیٰ حسین علی  |
| 11        | مخبروں کا ادب (علم) اعلیٰ حسین علی  |
| 12        | سیر کا چل (علم) مقرر شہ   |
| 13.       | نکتہ (علم) سکندر علی دہ   |
| 14        | ایک لڑکی کا گیت (علم) اختر شیرانی   |
| 15        | اور یہاں (علم) ملک چتر موہ  |
| 16.       | اور یہاں (علم) نیکو تاسی  |
| 17.       | ہندوستان (علم) ملک چتر موہ  |

|     |  |
|-----|--|
| 18. | ایک بیہوش لڑکی کا کیت (کیت) خورشیدی    |
| 19. | یادِ رنج (علم) سورج نرائن مر           |
| 20. | ایک پروا اور گھاس (علم) اشعلیل میرٹھی  |
| 21. | وہ ہے (کبیر)                           |
| 22. | تھام کے دن (علم) افسر میرٹھی           |
| 23. | جرم (علم) اشعلیل میرٹھی                |
| 24. | ننگی اور بدی (علم) گلبرگ کیرا پوری     |
| 25. | ہستی اپنی صاحب کی ہے (غزل) میر تقی میر |
| 26. | کوئی امید نہیں آتی (غزل) سرز مہتاب     |
| 27. | پھلا اور گبری (علم) آفتاب              |
| 28. | اے شریف مٹا لو (علم) سائرہ صدیقی       |
| 30. | قدم بڑھاؤ دستاورد (علم) اختر نواز      |

حصہ دوم

مضمون نمبر

| شمار نمبر | اسباق   |
|-----------|---|
| ☆         | اردو ادب کی تاریخ، اردو زبان کی نشوونما سے متعلق اہم نظریات، مضمون کی تعریف اور اس کے اہم اجزاء، اہل علم و فنکارانہ زبان کی تعریف اور اس کے اہم اجزاء، نثر کی تعریف اور اس کا اہم اجزاء، ڈراما کی تعریف اور اس کے اہم اجزاء، نثر کی تعریف اور اس کا اہم اجزاء، آپ جی رخصت کی تعریف اور اس کا اہم اجزاء۔<br>تصانیف میں شامل نثر نگاروں کی حیات و شخصیات اور تخلیقات کا مطالعہ۔ |
| 1.        | پنگت (کہانی) ادارہ  |
| 2.        | ہرمان کی گرام (مضمون) ادارہ   |
| 3.        | حالی پائی تھی (مضمون) ادارہ   |
| 4.        | اچھا کام خود کرو (کہانی) ادارہ  |
| 5.        | کوئین (مضمون) ادارہ   |
| 6.        | سدا کی (شخصیت) ادارہ  |
| 7.        | کوئین (مضمون) ادارہ   |
| 8.        | چاندنی بی (شخصیت) ادارہ   |

|     |   |
|-----|---|
| 9.  | سوئے کا چہلا (کہانی) ۱۹۷۷ء              |
| 10. | بیول سے اٹھائی جہاز تک (مضمون) ۱۹۷۷ء    |
| 11. | سوانح پرست (کہانی) ۱۹۷۷ء                |
| 12. | پروردگار کا شیلہائی (مضمون) ۱۹۷۷ء       |
| 13. | چٹا کھر کی سیر (مضمون) ۱۹۷۷ء            |
| 14. | ہریانہ کی قومی وراثت (مضمون) ۱۹۷۷ء      |
| 15. | چٹوڑی ہریانہ کی شان (مضمون) ۱۹۷۷ء       |
| 16. | گنڈے کا کفن (کہانی) ۱۹۷۷ء               |
| 17. | لوک گیت (مضمون) ۱۹۷۷ء                   |
| 18. | انکم۔ بلور۔ سائیکس (مضمون) ۱۹۷۷ء        |
| 19. | گھرو (مضمون) ۱۹۷۷ء                      |
| 20. | دو سچ کئی آئے کی (آپ بیتی) ۱۹۷۷ء        |
| 21. | مربع ۱۷۷ (کتابیہ) ۱۹۷۷ء                 |
| 22. | سید شہزاد علی (مضمون) ۱۹۷۷ء             |
| 23. | میت (مضمون) ۱۹۷۷ء                       |
| 24. | کلیڈنگ آزادی کا سپہ سالار (مضمون) ۱۹۷۷ء |
| 25. | چل چل چل (کہانی) ۱۹۷۷ء                  |
| 26. | لہنہ (مضمون) ۱۹۷۷ء                      |
| 27. | آؤ بڑے کائی (مضمون) ۱۹۷۷ء               |
| 28. | سیدت کا سانی کائی (مضمون) ۱۹۷۷ء         |
| 29. | آزاد و مہراج کا چلن (مضمون) ۱۹۷۷ء       |
| 30. | سالہ پور حسین (مضمون) ۱۹۷۷ء             |
| 31. | بھادر شاہ کا چلی (مضمون) ۱۹۷۷ء          |
| 32. | نادران دوست (کہانی) ۱۹۷۷ء               |
| 33. | چٹا کھر کی سیر (مضمون) ۱۹۷۷ء            |
| 34. | اداسن کا دلہا (کہانی) ۱۹۷۷ء             |
| 35. | سہرا پور کائی (کہانی) ۱۹۷۷ء             |

|     |  |
|-----|--|
| 33. | کہاؤں کی کہانی (مضمون) آخرت کا کردی                          |
| 37. | تکاٹھوڑی سوات اڑھاتا ہے (کہانی) ترجمہ محمد علی               |
| 38. | مصحف کی تیارہ (مضمون) ادارہ                                  |
| 39. | مظہر الدین (مضمون) احمد علی پاشا                             |
| 40. | وقت (مضمون) لڑتی تڑیا  |
| 41. | غیر آری کی قاس (Unseen Passage)                              |
| 42. | پے تالفر (تکالیف) کھیلا لاکھ                                 |
| 43. | دہانوں کا گھر وستان (مضمون) سید نظام حسین                    |
| 44. | خاک کے نام سے (ترنوں اور تکیوں کی کہانی) اگر گھر پورے فرمائے |
| 45. | ڈاکٹر جمیم ماڈرن سٹیٹر (مضمون) ادارہ                         |
| 46. | کون کی کہانی (مضمون) محمد علی                                |
| 47. | انورہ (مضمون) محمد علی                                       |
| 48. | نئی روشنی (کالم) ماخوذ                                       |
| 49. | رشید سلطان (مضمون) کمال علی                                  |
| 50. | کائنات کا گھڑا (کہانی) برتن سنگھ                             |
| 51. | کارتوس (ڈراما) صبیحہ خیر                                     |

### حصہ ۳

#### موضوعات: قواعد

|  |
|--|
| <p>مرتبہ چھیڑا ہر مضمون کے نام، حیرت و حیرت اور عمل و غیرہ ہر سے کہوشیں۔ ذکر - مزید معلوم - فتح اور حصار۔</p> <p>علم و ادب اور علم و ادب کی اہم اور اہم۔ نگینہ مستعدہ، کناجیہ ہزار سال و سنت و سنہ۔ جس کی شکل و شکل کا رنگ نہ۔ کچھ نہ اندازہ لیا ہے۔</p> |
|--|

نوٹ: مذکورہ ابواب جماعت 8 سے 10 ویں تک کی ایچ ای ای (NCERT) کی کتاب چنانچہ ان (حصا یک سے پانچ) سے اخذ ہے۔  
 سوالات انہیں اسباق چینی ہوں گے۔

## विषयः - संस्कृतम् लेवल - 2

### प्रथमो भागः

➤ एषु पाठ्यपुस्तकेषु नियोजितान् पाठ्यविन्दुन् आधारीकृत्य पठित-अपठित-गद्यांशाधारिताः बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः प्रष्टव्याः।

1. रुचिरा प्रथमो भागः
2. रुचिरा द्वितीयो भागः
3. रुचिरा तृतीयो भागः
4. शेमुषी प्रथमो भागः
5. शेमुषी द्वितीयो भागः

१) एतानि सूत्राणि आधारीकृत्य सज्ञा प्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः।

इत्संज्ञा, प्रत्याहारसंज्ञा, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, संयोगसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, उच्चारणस्थानानि, पदसंज्ञा, प्रयत्नानि।

२) निम्नलिखित-सन्धिसूत्रानुसारं सन्धेः सन्धिविच्छेदस्य च सूत्राणि -

इको यणचि, अकः सवर्णे दीर्घः, आदगुणः, वृद्धिरेचि, तोपः शाकल्पस्य, स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते, घरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, झपो होऽन्यतरस्याम्, उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य, झरो झरि सवर्णे, छे च, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ठमो ह्रस्वाच्चि इमुष्णित्यम्, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अचोऽन्त्यादि टि, एत्येधत्पूदसु, उपसर्गादिति धातौ, एङि पररूपम्, ओमाडोह, एठः पदान्तादति, ईद्वदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्, विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्तादप्ताते, हशि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽसि, रोऽसुपि, रो रि, इतोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः।

३) समासाः - मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अनुसारं सूत्रसहितम् -

केवलसमासः, अव्ययीभावसमासः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, द्वन्द्वः, बहुव्रीहिः - एतेषां सामान्यपरिचयः, पदानां समासः, समासविग्रहश्चेति।

४) एतेषां प्रत्ययानां सामान्याभिज्ञानम् - पूर्वकदन्त, उत्तरकदन्त, तद्धित, स्त्रीतिङ्गङ् (मध्यसिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं सूत्रसहितं प्रकृति-प्रत्यय-आधारिताः प्रश्नाः) :-

क्त, क्तवत्, शत्, शानच्, उ, यत्, तव्यत्, तव्य, अनीयर्, केतिमर्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुत्, तुच्, ल्यु, णिनि, क, ष्युन्, वुन्, अण्, टक्, ट, खश्, खच्, ड, क्वा, ल्यप्, क्लिप्, तुमुन्, घञ्, वित्, वसु, षाकन्, ग्लु, क्लु, इत्र, टृन्, नङ्, नन्, अच्, अप्, कि, अङ्, युच्, णमुल्, मतप्, तरप्, तमप्, इहन्, ष्य, ठक्, ठन्, ठञ्, ट्यण्, तत्, य, खलच्, वलच्, छ, ल्यप्, म, एण्य, मयद्, प्लञ्, डट्, तीय, उरच्, र, मिनि, तिकन्, च्चि, डाच्, साति, विनि, टाप्, चाप्, डीप्, डीन्, ऊङ्, ति।

### द्वितीयो भागः

१) निम्नलिखिताव्ययपदसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः (सूत्रसहितम्) :-

अत्र, अधः, इतः, इत्यम्, इदानीम्, शनैः, उच्चैः, नीचैः, नमः, कथम्, कदापि, यद्यपि, यथा, तथा, खलु, धिक्, प्रातः, किम्, किमर्थम्, यतः, कुतः।



२) सामान्यप्रश्नाः :-

अ) प्रादयोपसर्गसम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः।

उपसर्गाः क्रियायोगे।

ब) विशेष्यः विशेषणस्य।

स) विलोमपदं पर्यायपदस्य।

५) कारकप्रकरणम् - सिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं (सूत्रसहितम्) सामान्यपरिचयात्मकः प्रश्नः वाक्यप्रयोगाक्ष।

### तृतीयो भागः

१) निम्नलिखितानां छन्दसामतङ्काराणां च सामान्यपरिचयः :-

\* छन्दांसि -

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, वसन्ततिलका, मालिनी,  
शार्दूलविक्रीडितम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता।

\* अतङ्काराः -

अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, उपमा, अर्थान्तरन्यासः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, निदर्शना।

२) निम्नलिखितानां महाकविनामेव व्यक्तित्वस्य कृतित्वस्य च सम्बन्धिसामान्यप्रश्नाः :-

क) महाकवयः :- कालिदासः, भारविः, श्रीहर्षः, माघः, वाल्मीकिः, वेदव्यासः।

ख) गद्यकाव्यकवयः :- दण्डी, सुबन्धुः, वाणभट्टः, अम्बिकदत्तव्यासः, शुब्रकः।

ग) नीतिकवयः :- भर्तृहरिः, पं. विष्णुशर्मा, नारायणपण्डितः।

घ) काव्यशास्त्रकाराः :- मम्मटः, भामहः, आनन्दवर्धनः, विश्वनाथः, भरतमुनिः।

ङ) आधुनिकसंस्कृतकवयः :- देवर्षिः कलानाथशास्त्री, भट्ट मधुरानाथशास्त्री, पं. पद्मशास्त्री,  
डॉ. प्रभाकरशास्त्री।

च) प्रवैदिकज्ञानि - शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, ज्योतिषः, छन्दः, निरुक्तम् (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

३) उपनिषदां वेदानां च सामान्यपरिचयः।

SUBJECT PUNJABI

Part-1

ਭਾਗ ਪਹਿਲਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਚਰਚਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਛੇਵੀਂ, ਸਤਵੀਂ ਅਤੇ ਅੱਠਵੀਂ  
ਪਹਿਲਾ ਬਦਲ, ਦੂਜਾ ਪੜਾਅ, ਅਤੇ ਉਛਾਣ ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਦਰਜ ਸਾਬਕੀਤ/ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਬਾਲ  
 ਕਹਾਣੀਆਂ/ ਕਹਾਣੀਆਂ, ਸ਼ਿਕਾਓ/ ਨਾਟਕ, ਜੀਵਨੀਆਂ ਅਤੇ ਲੇਖਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ-ਵਸਤੂ, ਰੂਪਕ ਪੱਖ, ਉਦੇਸ਼,  
 ਬਾਲ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪੈਣੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਬਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਫਿੱਨ-ਫਿੱਨ ਵਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉਛਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਿੱਤੇ  
 ਜਾਣ।

Part-2

ਭਾਗ ਦੂਜਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਚਰਚਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਨੌਵੀਂ ਅਤੇ ਦਸਵੀਂ  
 ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਾਣਾਂ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਾਣਾਂ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ - ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ,  
 ਆਦਿ ਕਠਪੁੱਠ, ਆਦਿ ਗੁਣ, ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ/ਚਾਰਚਕ ਚਰਚਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ - ਵਸਤੂ, ਸਿੱਧੇ  
 -ਵਿਚਾਰ, ਵਿਕਿਅਤਿਸ਼ ਵਿਸ਼ਟੀਕੋਣ, ਗੱਦ ਲੈਣੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।  
 ਸਾਹਿਤਕ ਚੰਗ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਚੰਗ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਹਾਣੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ - ਵਸਤੂ, ਕਹਾਣੀ  
 ਵਿਚਲੀ ਸੰਬੰਧਨਾ, ਉਦੇਸ਼, ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਿੱਖਿਆ, ਭਾਵ ਲੈਣੀ, ਖਾਣਕਾ ਵਿਚਿਅਾਰਥੀ ਦੇ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪੈਣੇ  
 ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵਿਕਾਸੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ,  
 ਪਾਤਰ ਚਿਤਰਣ, ਉਦੇਸ਼, ਨਾਟ ਲੈਣੀ, ਚੰਗ ਮੰਚ, ਅਜੇਹੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੀ ਸਾਰਥਕਤਾ/  
 ਪ੍ਰਸੰਗਿਕਤਾ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਫਿੱਨ- ਫਿੱਨ ਵਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉਛਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ  
 ਜੀਵਨੀਆਂ ਵਿਚ ਜੀਵਨੀ ਨਾਇਕ ਦੇ ਨਿੱਜੀ ਜੀਵਨ, ਉਸ ਦੇ ਕੰਮਨ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਖੇਡਾਂ, ਉਸ ਦੇ  
 ਸੰਪਰਕ, ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਸੇਵਾ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਸੰਬੰਧੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

Part-3

ਭਾਗ ਤੀਜਾ > ਵਿਆਕਰਣ ਦੀ ਕੁਮਿਕ :-

\*ਫਰਟ ਵੇਧ (ਦਰਦ, ਠਗ-ਆਤਰਾ, ਲਗਾਖਰ)

\* ਸਬਦ ਬੋਧ ( ਨਾਵ, ਪੜਨਾਵ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਕਿਰਿਆ, ਕਿਰਿਆ ਵਿਹਿਸ਼ਣ, ਸੰਬੰਧਕ, ਯੋਜਕ, ਲਿੰਕ ਬਦਲੇ,

ਬਚਨ ਬਦਲੇ, ਕਾਰਕ, ਕਾਲ, ਪਦ- ਵੰਡ)

\*ਸਬਦ ਰਚਨਾ (ਅਗੀਤਰ, ਪਿਛੀਤਰ, ਸਮਾਸੀ ਸਬਦ )

\* ਵਾਕ - ਬੋਧ ( ਵਾਕ - ਰਚਨਾ, ਵਾਕ - ਵੰਡ, ਵਾਕ - ਵਟਾਂਦਰਾ, ਵਿਘਟਾਮ ਕਿੰਨ੍ਹ)

\* ਵਿਕੇਧੀ ਸਬਦ ,ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਸਬਦ, ਬਹੁ ਅਰਥਕ ਸਬਦ ।

\* ਮੁਕਾਬਲੇ ਅਤੇ ਆਖਣ ।

\*ਅਣ ਕਿੰਠਾ ਪੈਰ (ਇਕ ਕਦਿਤਾ ਵਿਚੋਂ, ਇਕ ਵਾਰਤਕ ਵਿਚੋਂ)

\*ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕੁਰਕੁਮੈਰੀ ਲਿੰਪੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ।

\*ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸੰਕਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ।

\* ਵਿਆਕਰਣ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ।(ਆਰ ਪੁਸਤਕਾਂ ਤੇ ਸਹਾਇਕ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚੋਂ)

| ललित कला |   |
|----------|---|
| A        | कला का परिचय; दृश्य कला के मूलतत्व, आधार, कला तथा रचना के सिद्धान्त, भारतीय कला के षड्भाग, कला का जीवन में महत्व।   |
| B        | कला के पारम्परिक तथा आधुनिक तकनीक, कला की प्रक्रियाएँ (चित्रकला, मूर्तिकला, applied art (प्रयुक्त कला) ) परिप्रेक्ष्य, भारतीय लोककला।   |
| C        | भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तथा इसका विकास, भारतीय कला का इतिहास, प्रागैतिहासिक काल से समकालीन काल तक applied art (प्रयुक्त कला), वास्तुकला तथा ग्राफिक समेत सबका विकास।<br><br>विषय से सम्बन्धित शिक्षाशास्त्र । |

| सामाजिक अध्ययन |  |
|----------------|--|
| A              | <p>सामान्य भूगोल:- भूगोल एक सामाजिक अध्ययन के रूप में, सौर मण्डल, पृथ्वी की गतियाँ, ग्लोब, अक्षांश और देशान्तर, पृथ्वी के प्रमुख मण्डल, पृथ्वी का आन्तरिक भाग-परतें और चट्टानें, हमारी पृथ्वी-पर्वत, पठार, मैदान, ज्वालामुखी और भूकम्प, स्थलरूपों का विकास- विभिन्न तत्व और प्रक्रियाएँ, वायुमण्डल-संघटन, संरचना, वायुदाब, पवनें, वर्षा तथा जलवायु प्रदेश, जलमण्डल और इसकी उपयोगिता, ज्वार-भाटा, समुद्री धाराएँ, जल, वायुमण्डल-अवधारणा, पारिस्थितिकी तंत्र, प्रदूषण, आपदाएँ और संकट, मानव पर्यावरण अन्तर्संबंध, संसाधन-भूमि, मिट्टी, जल, प्राकृतिक वनस्पति, वन्यजीव संसाधन, कृषि-प्रकार और विधियाँ, प्रमुख फसलें और उनका विकास, उद्योग-वर्गीकरण और वितरण मानव संसाधन, मानचित्र और उसके प्रकार</p> <p>भारत का भूगोल- भारत-आकार और अवस्थिति, भू-आकृतिक और भौतिक संरचना, जलनिकास, जलवायु और मानसून, प्राकृतिक वनस्पति और जीव जन्तु, जल संसाधन, कृषि-प्रमुख फसलें, उनका वितरण और संबंधित समस्याएँ, खनिज और ऊर्जा संसाधन, प्रमुख विनिर्माण उद्योग-वर्गीकरण और वितरण, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षा शास्त्र</p> |
| B              | <p>राजनीतिक सिद्धान्त :- प्रकृति, दायरा और महत्व, राज्य-तत्व और विभिन्न मूल सिद्धान्त, प्रकृति कार्य, समप्रभूता, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, नागरिकता, राष्ट्रवाद, धर्मनिर्पेक्षता, उपभोक्ता के अधिकार, नारीवाद</p> <p>सरकार के रूप :- लोकतंत्र, तानाशाही, संसदात्मक और अध्यक्षतात्मक, एकात्मक संघीय</p> <p>लोकतंत्र :- अवधारणा, विभिन्न प्रकार, लोकतंत्र के विभिन्न सिद्धान्त, पद्धति और प्रतिनिधित्व, लोकतंत्र के लिए संघर्ष विभिन्न आंदोलन, लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियाँ, असमानता, निर्धनता, आर्थिक प्रगति और विकास , अनपढ़ता , भाषावाद और क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता और जातिवाद, अलगाववाद, राजनीतिक शोषण, राजनीतिक एकीकरण, लिंग समस्याएँ, धर्म समस्याएँ</p>  |

|   |  |
|---|--|
|   | <p><b>भारतीय सविधान :-</b> सविधानिक विकास, सविधान की निर्माण प्रक्रिया, स्रोत, विशेषताएँ, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, संघ कार्यकारी राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद, संघीय विधायिका, मंत्री परिषद की संरचना, प्रक्रिया, संघ विधायिका संरचना और कानून निर्माण प्रक्रिया, सविधान संशोधन प्रक्रिया, राज्य विधानसभा, भारतीय न्याय पालिका, सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनः निरीक्षण, जनहित याचिका, सूचना का अधिकार, संघवाद, 73 वां संशोधन पंचायतीराज अधिनियम, चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव सुधार, दलबदल की राजनीति, भारत में पार्टी प्रणाली, राष्ट्रीय और प्रान्तीय सरकार, आरक्षण की राजनीति</p> <p><b>संयुक्त राष्ट्र संघ :-</b> अंग और मूल्यांकन, संयुक्त राष्ट्र संघ की विशेष शाखाएँ, सुरक्षा परिषद की भूमिकाएँ, संयुक्त राष्ट्र संघ के सचिव की भूमिका, संयुक्त राष्ट्र संघ में जनतान्त्रीकरण</p> <p><b>भारत की विदेश नीति :-</b> मूल सिद्धान्त, भारत और पड़ोसी देश (पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और चीन), भारत और संयुक्त राष्ट्र संघ सम्बन्ध, भारत अमेरिका सम्बन्ध, भारत रूस सम्बन्ध, शीत युद्ध का दौर, गुटनिर्पेक्षता और उसका महत्व, दो-ध्रुवीयता का अन्त, नई विश्व व्यवस्था, यूरोपियन यूनियन, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का समूह (आसियान), विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, निरस्त्रीकरण, वैश्वीकरण, पर्यावरण।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p>   |
| C | <p><b>प्राचीन भारत:</b></p> <p>प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ आखेटक-संग्रहक से नव पाषाण क्रान्ति। हडप्पा सभ्यता पुरास्थल एवं प्रमुख विशेषताएँ इत्यादि। धार्मिक प्रवृत्तियाँ वैदिक, बौद्ध एवं जैन आधारभूत तथ्य एवं तुलना। महाजनपद काल राजनीति एवं अर्थव्यवस्था, मौर्य साम्राज्य प्रशासन एवं नीतियाँ। विदेशी आक्रमण एवं उनका भारतीय संस्कृति में समावेश। उत्तर मौर्य-कालीन राज्य एवं भारत में राजनैतिक विकास। दक्षिणी राज्य चालुक्य, पल्लव एवं चोल। प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य व्यापार एवं मुख्य व्यापारिक मार्ग, शहरीकरण। गुप्त एवं वर्धन-साम्राज्य सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन, अर्थव्यवस्था, प्रशासन इत्यादि। विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रसार। कला एवं स्थापत्य प्राचीन काल से उत्तर गुप्त काल तक।</p> <p><b>मध्यकालीन भारत:</b></p> <p>मध्यकालीन भारत के स्रोत (700 ई० से 1750 ई०) पूर्व मध्यकाल में शासक एवं राजवंश (700ई० से 1200ई०) त्रिपक्षीय संघर्ष पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट, राजा दाहिर और अनंगपाल, सुहलदेव एवं पृथ्वीराज चौहान। दिल्ली सल्तनत एवं मुगल प्रशासन एवं नीतियाँ, विजयनगर- साम्राज्य, छत्रपति-शिवाजी एवं मराठा, मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य, भाषाएँ एवं साहित्य इत्यादि। सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन (भक्ति, सूफी, सिख गुरु परम्परा, नयनार, अलवार इत्यादि) व्यापार एवं वाणिज्य, कला एवं स्थापत्य, शहरी केन्द्र, मध्यकालीन भारत के दौरान कृषि प्रधान समाज।</p> <p><b>आधुनिक भारत:</b></p> <p>आधुनिक भारत के स्रोत, अठारहवीं शताब्दी में भारत, यूरोपियन कंपनी और बंगाल व अन्य भारतीय राज्यों में उनका संघर्ष। भू-राजस्व व्यवस्था में परिवर्तन एवं आरंभिक भारतीय प्रतिरोध। 1857 की क्रान्ति कारण, घटनाएँ,</p> |

|   |  |
|---|--|
|   | <p>स्वरूप एवं परिणाम। अठाहरवीं शताब्दी में भारतीय पुर्नजागरण महिला एवं निम्न जाति-मुक्ति। ब्रिटिश शिक्षा नीति, उपनिवेशीकरण और स्वदेशी वस्त्र उद्योग पर इसका प्रभाव, औद्योगिककरण का उदय। औपनिवेशिक काल के दौरान शहरीकरण एवं स्थापत्य। राष्ट्रवाद का उदय, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1885-1947), स्वतंत्रता एवं विभाजन में गांधी जी, नेता जी एवं आजाद हिन्द फौज की भूमिका। भारतीय संविधान का निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में हरियाणा की भूमिका। भारतीय स्वतंत्रता के 50 वर्ष।</p> <p><u>विश्व इतिहास:</u></p> <p>मानव विकास का इतिहास होमो सेपियंस का उदगम, प्रागैतिहासिक मानव इतिहास, औजार इत्यादि। इस्लाम का उदय खलीफा, धर्मयुद्ध और कन्फ्युशियसवाद, यहूदि और पारसी दर्शन। चंगेज खाँ और मंगोल साम्राज्य। मध्यकाल के दौरान यूरोप में सामंतवाद। यूरोप के सामाजिक व राजनीतिक जीवन में चर्च को भूमिका। यूरोपियन पुर्नजागरण मध्यकालीन यूरोप में शहरी केन्द्रों का विकास। उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p>   |
| D | <p><u>कृषि</u> :- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका, पंचवर्षीय योजनाकाल में कृषि विकास, कृषि-उत्पाद, गैर-कृषि गतिविधियाँ</p> <p><u>उत्पाद के साधन</u> :- भूमि, श्रम, पूंजी तथा उद्यमी मानव पूंजी, लगान सिद्धान्त मजदूरी ब्याज एवं लाभ, बेरोजगारी तथा भारत में बेरोजगारी की प्रवृत्तियाँ</p> <p><u>निर्धनता</u> :- अवलोकन, प्रकार, माप एवं कारण, अन्तर्राज्यीय विषमताएँ, निर्धनता अनुमान, निर्धनता उन्मूलन हेतु योजनाएँ एवं भविष्य की चुनौतियाँ</p> <p><u>खाद्य सुरक्षा</u> :- अर्थ, कारण, हरित क्रान्ति, महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम (योजनाएँ) सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं इसकी सफलता, बफर स्टॉक (सुरक्षित भण्डार), खाद्य सुरक्षा के स्तंभ</p> <p><u>विकास</u> :- आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास तथा धारणीय विकास की अवधारणाएँ, विकास के मापक, परंपरागता, मानव विकास सूचकांक, मानव गरीबी सूचकांक जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक, भुखमरी सूचकांक, अन्तर्राज्यीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास तुलना</p> <p><u>अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक</u> :- आर्थिक क्रियाओं के प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक संगठित तथा असंगठित क्षेत्र, सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र</p> <p><u>मुद्रा एवं साख</u> :- मुद्रा का अर्थ, कार्य, मुद्रा के आधुनिक रूप, वाणिज्यिक बैंक एवं उसकी भूमिका, भारतीय रिजर्व बैंक एवं इसके कार्य, साख निर्माण, मुद्रा गुणक औपचारिक एवं अनौपचारिक साख</p> <p><u>भारतीय अर्थ व्यवस्था एवं वैश्वीकरण</u> :- नई आर्थिक नीति, उदारवाद, नीजिवाद तथा वैश्वीकरण- विशेषताएँ, भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल तथा अनुकूल प्रभाव, विश्व व्यापार संगठ- संरचना एवं कार्य, वैश्वीकरण के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलू (प्रभाव)</p> <p><u>उपभोक्ता अधिकार</u> :- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986, भारत में उपभोक्ता आंदोलन, उपभोक्त शोषण, उपभोक्ता जिम्मेदारी, उपभोक्ता के अधिकार एवं इसकी सफलताएँ</p> <p><u>उपयोगिता विश्लेषण</u> :- उपयोगिता विश्लेषण के अर्थ एवं प्रकार, गणनावाचक विश्लेषण, क्रमवाचक विश्लेषण, तटस्थता वक्र विश्लेषण</p> <p><u>माँग विश्लेषण</u> :- माँग, अर्थ एवं इसके निर्धारक तत्व, माँग का नियक, माँग की लोच।</p> |

|  |                                |
|--|--------------------------------|
|  | विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र। |
|--|--------------------------------|

| गणित |  |
|------|--|
| A    | संख्या पद्धति, अंक गणित और त्रिकोणमिति:<br>रोमन अंक, पूर्ण संख्याएं, प्राकृत संख्याएं, पूर्णांक, परिमेय और अपरिमेय संख्याएं और वास्तविक संख्याएं, उनके गुणधर्म तथा संख्या रेखा पर निरूपण, प्राकृत संख्याओं का ल0 स0 व0 (LCM), म0स0व0 (HCM), वर्ग और वर्गमूल, घन और घनमूल, घातांक के नियम, अनुपात और समानुपात, प्रतिशत, दशमलव, भिन्न, लाभ और हानि, छूट, काम और समय, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अनुपात, एकात्मक विधि, मात्राओं की तुलना, त्रिकोणमिति का परिचय और ऊँचाई और दूरी ज्ञात करने के लिए इसका अनुप्रयोग।  |
| B    | बीजगणित, सांख्यिकी और प्रायिकता:<br>बीजगणितीय पद और सर्व समिकाएं, गुणनखंडन, एक और दो चर में रैखिक समीकरण, रैखिक समीकरण के आलेख, बहुपद, द्विघात समीकरण, समांतर श्रेणी, आँकड़ा प्रबंधन, औसत, पाई आरेख, दंड आरेख, आयत चित्र, बारबारता बहुभुज, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, माध्य, माध्यक बहुलक, प्रायिकता, सैद्धांतिक दृष्टिकोण।  |
| C    | ज्यामिति, निर्देशांक ज्यामिति और क्षेत्रमिति:<br>यूक्लिड की ज्यामिति, रेखाएं और कोण, सममिति रेखाएँ, त्रिभुज और उसके गुण, त्रिभुज के प्रकार और उसके विभिन्न प्रकार के केंद्र, परिमाण और क्षेत्रफल, त्रिभुजों की सर्वांगसमता और समरूपता, नियमित बहुभुज, चतुर्भुज, वृत्त, वृत्तों से संबंधित क्षेत्रफल, हिरोन का सूत्र, पाइथागोरस प्रमेय, ठोस आकृतियों का चित्रण, बहुभुज का क्षेत्रफल, घन, घनाभ, बेलन, लंब वृत्तीय बेलन, शंकु, लंबवृत्तीय शंकु और गोले का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन, ठोसों के संयोजन का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन।<br><br>विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र। |

| संगीत |   |
|-------|---|
| A)    | परिभाषा:— संगीत की परिभाषा, ध्वनि की परिभाषा, नाद की परिभाषा, श्रुति की परिभाषा, स्वर की परिभाषा, सप्तक की परिभाषा, राग की परिभाषा व राग के नियम, राग की जातियां, थाट की परिभाषा व थाट के नियम, गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा, उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति, तानपुरा का परिचय, मानव जीवन में संगीत का स्थान, शब्द की जानकारी, सुगम संगीत व सुगम संगीत की विधाओं का ज्ञान, हरियाणवी संस्कृति का ज्ञान, (हरियाणवी लोकगीत), भजन, राष्ट्रीय गान, देशभक्ति गीत, वन्दे मातरम् गीत (राष्ट्रीय गीत का ज्ञान) की परिभाषा।<br>संगीतज्ञ के जीवन परिचय:— तानसेन, सदारंग और अदारंग, पं० जसराज, किशोरी अमोनकर का जीवन परिचय, संगीत के ग्रंथ: संगीत रत्नाकर, नाट्यशास्त्र ग्रन्थ(भरतमुनि), रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान: राग भीमप्लासी, वृंदावनी सारंग, राग खमाज, राग भैरव, यमन, राग दुर्गा, राग भूपाली, राग विलावल, राग हमीर, राग काफी, राग भैरवी का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय। |
| B)    | परिभाषा:— ताल की परिभाषा, लय की परिभाषा, ताल, सम, खाली, विभाग,  |

|    |   |
|----|---|
|    | <p>मात्रा, आवर्तन आमद, मोहरा, तिहाई की परिभाषा, अलंकार की परिभाषा, एक ताल, चौताल, रूपक ताल, तीन ताल, दादरा ताल, झप ताल और कहरवा ताल का ज्ञान व पेशकारा धा, तिं,धिं,धा,किट,की, ना,ति, धि,ग,तिर,किट,तू,ना,क,ता आदि बोलो की पहचान, वाद्यों के प्रकार, संगीतज्ञ के जीवन परिचय:- जाकिर हुसैन, अल्ला रखां खां (तबला वादक), वाद्यों की जानकारी: तबले के अंगों का वर्णन (चित्र सहित), तबला व पखावज संगीत वाद्य यंत्रों की संरचना और ट्यूनिंग का ज्ञान।</p>  |
| C) | <p>परिभाषा:- आरोह-अवरोह, पकड़ की परिभाषा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा, स्थाई-अंतरा, आलाप, तान की परिभाषा, शुद्ध, छायालग और सर्कीण राग की परिभाषा, रजाखानी गत, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं।</p> <p>संगीतज्ञ के जीवन परिचय:- पं० रविशंकर, अन्नपूर्णा देवी, पं० शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया, वाद्यों की जानकारी: सितार, सरोद, वायलिन, दिलरुबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सारंगी।</p> <p>विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।</p> |

| <u>गृह विज्ञान</u> |   |
|--------------------|---|
| A)                 | <p>आहार की अवधारणा, पोषण एवं स्वास्थ्य, आहार के प्रकार एवं कार्य, पाक विधियों का महत्व एवं प्रकार, भोजन के पोषक तत्व, पोषण की मूल संकल्पना, अति पोषण व अल्प-पोषण, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भण्डारण एवं संरक्षण, भोजन एवं व्यक्तिगत स्वच्छता एवं साफ-सफाई, आहार योजना-अवधारणा, महत्व, सिद्धान्त और आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले कारक, संतुलित आहार, चिकित्सीय आहार, रसोई में प्रयोग आने वाले माप एवं तोल, संक्रमण एवं गलत जीवन शैली से उत्पन्न बीमारियाँ।</p>  |
| B)                 | <p>घर, परिवार एवं मूल्य- अवधारणा व महत्व, घर में कमरों के प्रकार, घर में प्रकाश एवं वायु आवागमन का प्रबंध, रसोई घर का डिजाईन एवं ले-आउट, दीवारों की सज्जा, खाने की मेज का प्रबंधन एवं सज्जा, पुष्प सज्जा, फर्नीचर का चुनाव, घर के विभिन्न क्षेत्रों व आयामों में रंगों का चुनाव व उपयोग, हमारा व्यवहार, घर की नियमित दिनचर्या, घर में बीमार व्यक्ति का कमरा, फर्श सज्जा, कचरे का निस्तारण, घर की साफ-सफाई, एक औसत भारतीय गृहस्थी के खर्चे, बजट-अवधारणा, प्रकार एवं लाभ, रोजमर्रा की जिदंगी में प्रबंधन, संसाधनों का प्रबंधन- समय, ऊर्जा व धन-प्रबंधन, कार्य सरलीकरण- परिभाषा एवं विधियाँ, उपभोक्ता शिक्षा आपातकाल परिस्थितियों में सुरक्षा-प्रबंधन, कीटनाशक व घर में प्राथमिक चिकित्सा।</p> |
| C)                 | <p>मानव वृद्धि और विकास- अवधारणा, वृद्धि और विकास में अन्तर और समानताएँ, वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले कारक, वृद्धि व विकास के प्रमुख सिद्धान्त, शैशावस्था, बाल्यावस्था और किशोरावस्था- अवधारणा, विशेषताएँ और इस अवस्था के मानक (मील के पत्थर) गृह-विज्ञान की अवधारणा- इसकी उत्पत्ति, विषय/उप-विषय महत्व, प्रासंगिकता, जीविका एवं कार्य सम्भावनाएँ, हमारे वस्त्र, वस्त्रों का चुनाव, रेशे एवं कपड़ा- प्रकार,</p>   |



|   |
|---|
| <p>विशेषताएँ; तन्तुओं की विशेषताएँ, तन्तुओं एवं वस्त्रों की देखभाल एवं रख-रखाव। वस्त्र धोने में प्रयुक्त उपकरण, रोजमर्रा देखभाल में प्रयुक्त अभिकर्मक एवं परिसज्जा कमर्क; बुनाई की कला, सिलाई व कढ़ाई में प्रयुक्त मूल टाँके, वस्त्रों की साज-सज्जा, ताना व बाना।</p> <p>विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।</p> |
|---|

नोट:— एचटीईटी स्तर-II (टीजीटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के मानक तक होगा।

विषय:— लेवल-II (टीजीटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6 से 10वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।

### स्तर-III

| भाग-1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम |   |
|--|---|
| A  | <p>विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव।<br/>समाजीकरण की प्रक्रिया: बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समकालीन लोग)।<br/>पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।<br/>फ्रायड का मनोवैज्ञानिक विकास का सिद्धांत, एरिकसन का मनोसामाजिक विकास सिद्धांत।<br/>बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्तन सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग-विभेद एवं शैक्षिक व्यवहार अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना।<br/>अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारित आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास।<br/>अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्तन और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।</p> |
| B  | <p>समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना : वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन।<br/>सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना।</p> <p><b>अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :</b><br/>बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफल प्राप्त करने में “असफल” होते हैं।<br/>शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, ए सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।<br/>एक समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।</p>   |

|   |
|---|
| <p>बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की “त्रुटियों” को अधिगम प्रक्रि<br/>में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना।<br/>संज्ञान एवं भावनाएं<br/>अभिप्रेरणा एवं अधिगम<br/>अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय।<br/>बंदूरा का सामाजिक अधिगम : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।</p> |
|---|

भाग-II भाषा का पाठ्यक्रम

|   |   |
|---|---|
| A | <p><b>भाषा-I (हिन्दी)</b></p> <p><b>भाषा बोध प्रश्न:</b><br/>अपठित गद्यांश/पद्यांश- बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है)</p> <p><b>भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा-शास्त्र:</b><br/>सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा को कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल</p> <p><b>भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकन:</b> बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना</p> <p><b>शिक्षण- अधिगम सामग्री:</b> पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण ।</p>   |
| B | <p><b>Language – II (English)</b></p> <p><b>Language Comprehension Questions:</b><br/>Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability.</p> <p><b>Pedagogy of Language Development:</b><br/>Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders, Language Skills.</p> <p><b>Evaluating language comprehension and proficiency:</b> speaking, listening, reading and writing.</p> <p><b>Teaching - learning materials:</b> Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.</p> |

| भाग-III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम |   |
|---|---|
| A                                       | हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।   |
| B                                       | <p>सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधार:</p> <p>इसमें शाब्दिक और गैर-शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर-शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन-कूटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं</p> <p>विषय है: शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन-कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छद/डिजाईन नमूना-मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न- मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।</p> |
| C                                       | <p>संख्यात्मक अभिक्षमता:</p> <p>प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत्त की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दायें पिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायें वृत्ताकार बेलन, गोलार्ध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमितीय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।</p>   |

भाग-IV विषय विशेष पाठ्यक्रम

| रसायन विज्ञान |  |
|---------------|--|
| A)            | हमारे परिवेश में पदार्थ, क्या हमारे चारों ओर के पदार्थ शुद्ध हैं, परमाणु एवं अणु, परमाणु की संरचना, रसायनिक अभिक्रियाएं एवं समीकरण, अम्ल, क्षार एवं लवण।   |
| B)            | रसायन विज्ञान की मूलभूत अवधारणाएं, परमाणु की संरचना, तत्वों का वर्गीकरण एवं गुणों में आवधिकता (आवर्तता), रसायनिक आबंध एवं आणविक संरचना, रसायनिक उष्मप्रवैगिकी, साम्य अवस्था, रेडोक्स(उपापचयी) अभिक्रियाएं, कार्बनिक रसायन विज्ञान के कुछ बुनियादी सिद्धांत एवं तकनीक, हाइड्रोकार्बन। |
| C)            | घोल, इलैक्ट्रो रसायन विज्ञान, रसायनिक कार्बोनेटिक, डी एवं एफ ब्लोक तत्व, समन्वय यौगिक, हैलो एल्केन्स एवं हैलो एरीन्स, अल्कोहल, फिनोल एवं ईथर, एल्लिहाइड, कीटोन्स एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल, एमाइन्स, जैविक अणु, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।  |

| जीव विज्ञान |   |
|-------------|---|
| A)          | कोशिका : जीवन की मौलिक ईकाई, जैव अणु, कोशिका चक्र और कोशिका-विभाजन।<br>पादप ऊतक<br>जीव जगत में विविधता : जीव जगत, जैविक वर्गीकरण, वनस्पति जगत, पौधों का आर्थिक महत्व।<br>पौधों में संरचनात्मक संगठन : पुष्पी पौधों की आकारिकी एवं शरीर, पौधों में प्रजनन (अलैंगिक और लैंगिक प्रजनन), पौधों में विभिन्न जैव-प्रक्रम, गमन एवं समन्वयन, पौधों में बीज-अंकुरण एवं प्रसुप्ति।<br>पादप शरीर क्रियात्मकता : पौधों में परिवहन, खनिज पोषण, पौधों में   |
| B)          | प्राणी ऊतक<br>प्राणी जगत, प्राणियों में संरचनात्मक संगठन, प्राणियों में जैव प्रक्रम (प्राणियों/मनुष्यों में विभिन्न तंत्रों सहित), इंद्रियां। प्राणियों में प्रजनन और विकास, मानव-प्रजनन और प्रजनन स्वास्थ्य, आर्थिक जन्तु-विज्ञान।<br>मानव शरीर विज्ञान: पाचन और अवशोषण, श्वसन और गैसों का विनिमय, शरीर द्रव और परिसंचरण, उत्सर्जी उत्पाद और उनका निष्कर्षण, गमन एवं संचलन, तांत्रिकीय नियंत्रण एवं समन्वय, रासायनिक समन्वय तथा एकीकरण,<br>मानव-कल्याण में जीव विज्ञान : रोग: प्रकार और कारण, वाहक, उपचार और रोकथाम, मानव स्वास्थ्य और रोग, खाद्य उत्पादन में वृद्धि की कार्यनीति, मानव-कल्याण में सूक्ष्मजीव।<br>खाद्य उत्पादन : खाद्य संसाधनों में सुधार, पशुपालन। |

|    |   |
|----|---|
| C) | <p>पारिस्थितिकी : जीव और समष्टियाँ, पारितंत्र, प्रदूषण, जैव-रासायनिक चक्र, जैव विविधता और संरक्षण। प्राकृतिक संसाधन और उनका प्रबंधन, पर्यावरण के मुद्दे।</p> <p>आनुवंशिकी और विकास : वंशागति तथा विविधता के सिद्धांत, वंशागति के आणविक आधार, विकास।</p> <p>जैव प्रौद्योगिकी : सिद्धांत व पक्रम, जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग।</p> <p>विषय सम्बन्धी शिक्षा शास्त्र।</p> |
|----|---|

| भौतिकी |  |
|--------|--|
| A      | <p>यांत्रिकी: मात्रक और मापन, सरल रेखा में गति, समतल में गति, गति के नियम, बल</p> <p>और घर्षण, कार्य, ऊर्जा और शक्ति, कणों के निकाय तथा घूर्णी गति, गरुत्वाकर्षण,</p> <p>ठोसों के यान्त्रिक गुण, द्रवों के यांत्रिक गुण, पदार्थ के तापीय गुण, ऊष्मा गतिकी, गैसों का अणुगति सिद्धांत, ध्वनि, दोलन और तरंगे।</p> |
| B      | <p>विद्युत चुंबकत्व: विद्युत आवेश और क्षेत्र, स्थिर विद्युत विभव तथा धारिता, विद्युत धारा, गतिमान आवेश और चुंबकत्व, विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव, चुंबकत्व और पदार्थ, विद्युत चुंबकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धारा, विद्युत चुंबकीय तरंगे</p>   |
| C      | <p>प्रकाश: किरण प्रकाशिकी एवं प्रकाशिक यंत्र, तरंग प्रकाशिकी, मानव नेत्र</p> <p>आधुनिक भौतिकी: विकिरण और द्रव्य की द्वैत प्रकृति, परमाणु, नाभिक, अर्धचालक इलेक्ट्रॉनिकी, पदार्थ, युक्तियां तथा सरल परिपथ।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p>  |

| शारीरिक शिक्षा |   |
|----------------|---|
| A              | <p><u>शारीरिक शिक्षा</u> : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य तथा महत्त्व भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास : आजादी से पहले और आजादी के बाद के युग में।</p> <p><u>शारीरिक शिक्षा के जैविक आधार</u> :- वृद्धि और विकास, अनुवांशिकता और पर्यावरण। क्रैशमर और शैल्डन के अनुसार शरीर के प्रकार और व्यक्तित्व का वर्गीकरण / व्यक्तित्व की विभाएँ।</p> <p><u>शारीरिक शिक्षा के सामाजिक आधार</u> : खेल और सामाजिकरण। खेल और क्रीड़ा की तरफ भागीदारी में – परिवार, समाज और विद्यालय जैसी संस्थाओं की भूमिका। प्राचीन यूनान, रोम, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन तथा रूस में शारीरिक शिक्षा। स्वास्थ्य और स्वच्छता। स्वास्थ्य और स्वास्थ्य शिक्षा में मार्गदर्शन सिद्धांत।</p> <p>संतुलित आहार और पोषण। स्वास्थ्य संबंधी पुष्टि या फिटनेस। माटापा और उसका (सुधारात्मक) प्रबंधन। प्राथमिक चिकित्सा।</p> <p><u>संक्रामक रोग</u> : उनके कारण, लक्षण तथा रोकथाम। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और व्यक्तिगत स्वच्छता। खेल-चोटें तथा उनकी रोकथाम। मुद्रा संबंधी विकृतियां उनके</p> |

|   |  |
|---|--|
|   | <p>कारण तथा रोकथाम। खेल, चिकित्सा। फिजियोथेरेपी और मरम्मत/वापसी/उद्धार। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ((CWSN)दिव्यांग) के लिए शारीरिक शिक्षा तथा खेल।<br/>शारीरिक पुष्टि और सुयोग्यता।</p> <p><u>शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान</u> :- इनका अर्थ व परिभाषा / श्वसन तंत्र, रक्त संचरण प्रणाली, अस्थिपिंजर, मांसपेशी संस्थान, अन्तःस्रावी प्रणाली, पाचन-तंत्र नाड़ी-तंत्र (न्यूरो ट्रांसमिशन) तथा उत्सर्जन प्रणाली : सभी की शारीरिक-रचना, शारीरिक क्रिया विज्ञान सभी अंगों की रचना तथा कार्य।</p>   |
| B | <p><u>अर्गोजेनिक सहायक, डोपिंग तथा एंटी डोपिंग/खेलों में प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारक/(काइन्सियोलॉजी) मानव गतिज विज्ञान और (बायो मैकेनिक्स)</u></p> <p><u>जैव यांत्रिकी</u> : इनका अर्थ व परिभाषा/ जोड़ और उनमें गति/तल और अक्ष/गतिकी (काइनेटिक्स) और गतिकीय (काइनेटिक्स) – रैखिक और कोणीय।</p> <p>लीवर/ मोटर कौशल मांसपेशियों की गति और उनकी क्रियाएं या मोटर गति का मांसपेशीय विश्लेषण/ गति के नियम/ संतुलन के सिद्धान्त/ बल/ विभिन्न खेल गतिविधियों का मांसपेशीय विश्लेषण/ मौलिक गतिविधियों का यांत्रिक विश्लेषण/ दौड़ने, कूदने, फेंकने, खींचने और धक्का देने की गतिविधियों का मानव गतिज-विज्ञान तथा जैव-यांत्रिकी आधार पर अध्ययन।</p> <p><u>खेलों में मनोविज्ञान और समाज-शास्त्र</u> :- अर्थ व परिभाषाएँ खेलों में मनोविज्ञान और समाज शास्त्र के लक्ष्य और उद्देश्य।</p> <p><u>अधिगम</u> :- अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम के सिद्धान्त, अधिगम के नियम, स्थानान्तरक अधिगम।</p> <p><u>प्रेरणा</u> :- आंतरिक और बाह्य-प्रेरणा/ खेल-प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारण।</p> <p><u>नेतृत्व</u> :- अर्थ, परिभाषा, नेतृत्व के प्रकार और नेतृत्व के गुण।</p> <p><u>मनोरंजन</u> :- इसके नियम व सिद्धान्त, विभिन्न आयु समूहों/ श्रेणियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम।</p> <p><u>योग शिक्षा</u> :- योग का इतिहास, अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य और उद्देश्य। अष्टांग के सभी अंग, सूर्य-नमस्कार और इसके लाभ/ प्राणायाम इसके प्रकार तथा लाभ।</p> <p><u>शुद्धि क्रियाएं</u> :- नेती, धोती, बस्ती/ योग का दैनिक जीवन में महत्व।<br/><u>योग</u> :- जीवन-शैली रोगों के निवारक के रूप में।</p> |
| C | <p><u>परीक्षण, मापन और मूल्यांकन</u> :- इनकी अवधारणा मापन और मूल्यांकन के सिद्धान्त,<br/>बैडमिंटन, बास्केटबाल, हॉकी, फुटबाल, वॉलीबाल और लॉनटेनिस के लिए कौशल</p>   |

|   |
|---|
| <p>परीक्षण (Skill Test) ट्रेक तथा फील्ड ईवेन्ट्स में मापन प्रमुख खेल व छोटे खेल /<br/>ट्रेक, और फील्ड ईवेन्ट्स तथा सभी खेलों के नियम तथा विनियम (आचरण) /<br/>क्रीड़ा<br/>व खेल शब्दावली, खेल-सामयिकी (भारत व संसार), खेल संघ, राष्ट्रीय तथा<br/>अन्तर्राष्ट्रीय खेल (ओलंपिक आंदोलन) खल कप और ट्रॉफियां स्टेडियम, टूर्नामेंट<br/>और<br/>उनके फिक्सचर / खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट एथलेटिक व खेलों में<br/>गाउंड मार्किंग।<br/>खेल प्रबंधन :- प्रबंधन की अवधारणा और सिद्धान्त / खेल निकायों का गठन<br/>तथा उनका कार्य / इन्ट्राम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल / खेल के मैदान/ कोर्ट /<br/>बुनियादी ढांचे, उपकरण, वित्त, तथा स्टाफकर्मि प्रबंधन/ खेलों में योजना/<br/>खेलों में ऑफिसिएटिंग / अंपायरिंग<br/>शिक्षण : इसके सिद्धान्त, विधियां तथा तकनीकें पर्यवेक्षण (Supervision) की<br/>अवधारणा व तकनीकें<br/>खेल प्रशिक्षण :- इसकी अवधारणा व सिद्धान्त/खेलों में अवधिकरण, विभिन्न खेल<br/>प्रशिक्षण विधियां, विभिन्न मोटर-गुणों के विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम /<br/>खेलों के लिए तकनीकी व सामरिक तैयारियां व अल्पकालिक और दीर्घकालिक<br/>प्रशिक्षण कार्यक्रम / मीडिया और खेल-खेलों और शारीरिक शिक्षा में कंप्यूटर<br/>अनुप्रयोग, राष्ट्रीय खेल-पुरस्कार।<br/>शोध : इसके प्रकार, प्रकृति, कार्यक्षेत्र और तरीके (विधियां)<br/>विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।</p> |
|---|

| <b><u>English</u></b> |   |
|-----------------------|---|
| A)                    | <p><b>Reading Comprehension:</b> One/two unseen passage (prose/poem) to assess the candidate's competence in the language; the necessary skills to derive meaning, analyse and information gathered through reading.<br/><b>Language:</b> Pedagogy of English)- Aims and objectives of teaching English at school level, methods and approaches of teaching English language, ICT of/for/in Education.</p>  |
| B)                    | <p><b>Grammar and Usage-</b> This will include questions based on verb patterns, tenses, analysis of sentences, transformation of sentences, voices, narration, articles, determiners, auxiliaries(Primary, Modal) idiomatic expressions, phrasal verbs and parts of speech in detail(Noun, pronoun, verb, adjective, adverb, conjunction, interjection, preposition).<br/><b>Basic Phonetics-</b> Word formation, vowel and consonant sounds, simple transcription, stress and intonation.</p> |
| C)                    | <p><b>Literature:</b> Text based questions must be selected from the prescribed syllabus of the Board of School Education Haryana for classes IX to XII, Difficulty level of the questions may be raised to PG Level.</p>   |

| <b>Hindi</b> |   |
|--------------|---|
| A)           | हिन्दी भाषा एवं साहित्य:- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी और उसकी |



|    |   |
|----|---|
|    | बोलियों का सामान्य परिचय, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, इतिहास लेखक, काल-विभाजन एवं नामकरण, हिन्दी साहित्य का आरंभ एवं विभिन्न कालखंडों का प्रवृत्तिगत इतिहास, मुख्य काव्यधाराएं, प्रतिनिधि कवि एवं रचनाएं और विशेषताएं, हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास एवं गद्य की विभिन्न विधाएं।  |
| B) | पाठ्यक्रम में संकलित रचनाओं की जानकारी:- क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित काव्य एवं गद्य रचनाओं पर आधारित प्रश्न, क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित कविताओं के काव्य-सौंदर्य(भाव एवं कला पक्ष) पर आधारित प्रश्न, क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित गद्य रचनाओं, रचनाकारों, विषय-वस्तु, विचार, संवेदना और भाषा पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित गद्य विधाओं का परिचय, प्रमुख व्यक्तित्व एवं उनके कौशल के परिचयात्मक ज्ञान पर आधारित प्रश्न, कहानी का नाट्य रूपांतरण, रेडियों नाटक और हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में आए पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थक एवं वाक्यांश के लिए एक शब्द पर आधारित प्रश्न।  |
| C) | काव्यशास्त्र एवं व्याकरण:- शब्दशक्तियों के भेद एवं उदाहरण पर आधारित प्रश्न, काव्य हेतु, काव्य-गुण, काव्य-दोष एवं काव्य रीतियाँ, श्लेष, यमक, दीपक, अनुप्रास(भेद सहित), आतिमान, विरोधाभास, उत्प्रेक्षा, संदेह एवं मानवीकरण अंलकारों पर आधारित प्रश्न, दोहा, रोला, सोरठा, चौपाई, मालिनी, वसन्ततिलका, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया एवं वंशस्थ छंदों पर आधारित प्रश्न, रस का स्वरूप, रस के अवयव एवं रस-निष्पत्ति पर आधारित प्रश्न, काव्य रीति के स्वरूप एवं विवेचन पर आधारित प्रश्न, वर्ण-विचार एवं वार्तनिक अशुद्धियों की पहचान पर आधारित प्रश्न, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय पर आधारित प्रश्न, विकारी शब्द-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया पर आधारित प्रश्न, अविकारी शब्द-क्रियाविशेषण, संबंधसूचक, समुच्चय बोधक एवं विस्मयादिबोधक पर आधारित प्रश्न, पद-विचार संबन्धी प्रयोग एवं शुद्ध वाक्यों की पहचान पर आधारित प्रश्न, मुहावरे एवं लोकोक्तियों पर आधारित प्रश्न, औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों पर आधारित प्रश्न। |

## HTET SYLLABUS (2023) FOR LEVEL-3 (PGT)

Subject Specific: Urdu Questions: 60 MCQs Marks: 60

نوٹ: اردو زبان کے نصاب کو HTET Level-3 (PGT) کے لیے تین حصوں میں تقسیم کیا گیا ہے۔ پہلا حصہ شاعری کا ہے، دوسرا حصہ نثر کا اور تیسرا حصہ قرآن مجید پر مبنی ہے۔

حصہ اول

موضوع: شاعری

| سہاق  | سیر نمبر |
|---|----------|
| علم کی تعریف اور اس کی اہم نشاۃ کا مطالعہ، گیت کی تعریف اور اس کا فن، نزل کی تعریف اور اس کا فن، مثنوی کی تعریف اور اس کا فن، قصیدہ کی تعریف اور اس کا فن، مرقیہ کی تعریف اور اس کا فن، رباعی کی تعریف اور اس کا فن۔<br>نصاب میں شامل شعرا کی حیات و خدمات اور تخلیقات کا مطالعہ۔ | 6        |
| ہندو سلطان (علم) کو تک چہ فرم   | 1.       |
| ایک دیہاتی لڑکی کا گیت (گیت) اختر شیرانی  | 2.       |
| پہلا ریح (علم) صبح زور میں  | 3.       |
| ایک پہاڑی لڑکی کا گیت (علم) اسٹیل میرٹھی  | 4.       |
| دو چہ گیت   | 5.       |
| نہار کون (علم) سر میرٹھی  | 6.       |
| حد (علم) اسٹیل میرٹھی   | 7.       |
| لکھا اور ہدی (علم) ظہیر اکبر آبادی  | 8.       |
| اسٹی اپنی حساب کی ہے (نزل) میرٹھی   | 9.       |
| کوئی ہوسید نہیں آئی (نزل) مرزا غالب   | 10.      |
| پہلا اور گھری (علم) آقبال   | 11.      |
| وے شریف ان نورا (علم) ساجد علی لوی  | 12.      |
| قدم بوجھاؤ دوستو! (علم) اختر لوی  | 13.      |
| آؤی تاسد (علم) ظہیر اکبر آبادی  | 14.      |
| آبہ ڈال (علم) اسٹیل میرٹھی  | 15.      |

|     |   |
|-----|---|
| 15. | کیا ریح عقلی نے کائنات کو روح سے پیدا کیا ہے؟ (غزل) کوئی دیکھی  |
| 17. | دوڑھو دیکھا کہاں میری بدست کو پانچ (غزل) طلوعیہ برتند           |
| 18. | بوسہ کو فرور آئے ہے ہاں تیری کا (غزل) مہرنگی نیر                |
| 19. | ہمارے دل بھی تجھے گل ہو در در کرتے (غزل) طلوعیہ جیور علی افغان  |
| 20. | دلین مریم ہوا کرے کوئی (غزل) مرزا کتاب                          |
| 21. | کاشفان کا ذوق کا وہ لہجہ زین الملوک میں (شعری) میرزا فتح        |
| 22. | ہاں سو فیضیں ہم اس کا نام (قصیدہ) مرزا کتاب                     |
| 23. | مادر مہکن (نظم) سرور تہان آبادی                                 |
| 24. | شہادت حضرت عباس (مرثیہ) میرزا علی انیس                          |
| 25. | سختی (نظم) اکبر آبادی   |
| 26. | شعاع اسیر (نظم) انیس  |
| 27. | نور (نظم) علی سرور حضرت   |
| 28. | عہدگی (نظم) فیضیہ علی   |
| 29. | کیا تم سے تائیں میر غازی کیا تھی (رباعی) حکمت موہن لال بریل     |
| 30. | دنیا سو طرح سے بہلاتی ہے (رباعی) حکمت موہن لال بریل             |
| 31. | یہ کیا کہ جیسا تو جاہلانی کیا ہے (رباعی) حکمت موہن لال بریل     |
| 32. | ایک لڑکا (نظم) اختر ایمان                                       |
| 33. | جوارا جوارا گرا پلا (گیت) نور عیسیٰ اللہ خاں                    |
| 34. | رحمت ہوئی کمال (گیت) شاکر عارفی                                 |
| 35. | رونگ کا رنگ (گیت) اختر شیریانی                                  |
| 36. | پہنچا ہے کن کا رنگ (گیت) احسان افغان                            |
| 37. | گیتوں کے تیرا رنگہ جوں کی (گیت) اسلام چنگی شہری                 |
| 38. | کرتی ہری (مضمون) جہاں اختر بلوچ خاں                             |
| 39. | اب بھانگے ہیں ساتیہ صحتی تارا سے ہم (غزل) اصناف حسین خاں        |
| 40. | انزل شہد وہنہ مہکی رونق شمع بھی تھی پر باد بھی (غزل) آرزو کھلوی |
| 41. | دنگی ہے تیرا جہاں سر بھی ہوگی (غزل) حسین احسن خاں               |
| 42. | جب بھی ڈرتم تو کمال کو دعا دی جائے (غزل) کہاں بنا راتر          |

|     |  |
|-----|--|
| 43. | پوشہ، پوشال، خمیازہ سے (غزل) نامر کاظمی    |
| 44. | گورخیوں، (الحکم) انور کاظمی                |
| 45. | روح الارواح کو مستقبل کرتی ہے (الحکم) ادیب |
| 40. | ارتھ، (الحکم) جنیل مظہری                   |
| 47. | زندگی سے لاتے ہو (الحکم) انیس - منیر       |

حصہ دوم

موضوع: نثر

| سوال نمبر | سوال  |
|-----------|---|
| 4.        | اردو ادب کی تاریخ، کرداروں کی اشونات سے متعلق اہم نظریات، مضمون کی تعریف اور اس کے اہم اوزار اور انسانہ، نغمہ نگاران کی تعریف اور ان کے اوزار، تکنیکی، کہلاوت کی تعریف اور اس کا فن، خاک نگاری کی تعریف اور اس کا فن، مکالمہ کی تعریف اور اس کا فن، ڈراما کی تعریف اور اس کے اوزار، نثر نگاری، داستان کی تعریف اور اس کے اہم اوزار، افسانہ کی تعریف اور اس کا فن، نکتہ نگاری کی تعریف اور اس کا فن، مثنوی مضمون کی تعریف اور اس کا فن، ادیب کی تعریف، آپ جی اے، شورش کی تعریف اور اس کا فن، رپورٹ کی تعریف اور اس کا فن، بیرونی کی تعریف اور اس کا فن، سفرنامہ کی تعریف اور اس کا فن۔<br>نصاب میں شامل نثر نگاروں کی حیات و شخصیات اور تخلیقات کا مطالعہ۔ |
| 1.        | بہار شاہ کاظمی (مضمون) میر تقی میر دہلوی  |
| 2.        | نادان دوست (کہانی) ماسٹر علی احمد   |
| 3.        | چچا گھر کی سیر (مضمون) ابارو  |
| 4.        | انسان کا دل (مضمون) کہانی) انوار احمد   |
| 5.        | سیدنا جہاڑی کا ایک سفر (کہانی) ترہ  |
| 6.        | کہاوتوں کی کہانی (مضمون) نثرات کاظمی  |
| 7.        | نکاح شہزادی اور اسے اڑھانا ہے (کہانی) ترہ احمد  |
| 8.        | معتزلی - جامع (مضمون) 2008  |
| 9.        | میر تقی میر (مضمون) احمد شاہ پاشا   |
| 10.       | دقت (مضمون) آئی ڈی ایچ  |
| 11.       | غیر نظر رکھیے (Unseen Passage)  |

|    |  |
|----|--|
| 12 | بے تکلفی (مکاشفہ) کھلیا لال کپور                       |
| 13 | زیادوں کا گمراہی و گمراہی (مضمون) سید مشتاق حسین       |
| 14 | خدا کے نام سے (ترجمہ) کبھی کبھی (مگر گورچا و پورچو آئے |
| 15 | ڈاکٹر مجید راؤ امین پور (مضمون) ۱۹۸۱ء                  |
| 16 | آدی کی کہانی (مضمون) محمد مجیب                         |
| 17 | انٹرنیٹ (مضمون) ۱۹۸۱ء                                  |
| 18 | نقارہ کشی (مکالمہ) ۱۹۸۰ء                               |
| 19 | رشید سلیمان (مضمون) ۱۹۸۰ء                              |
| 20 | کاشمیر کا گمراہی (کہانی) ارتضیٰ بیگم                   |
| 21 | کاہنوس (ڈراما) صبیحہ محبوب                             |
| 22 | سرگزشت آزاد بھٹو و شاہکی (داستان) میر تقی              |
| 23 | مرزا مظہر علی خان (ادبی تاریخ) محمد حسین آزاد          |
| 24 | سورے چمک آگے میری گلی (مطرحہ) گلزار بیگم               |
| 25 | میر باقر علی داستان گور (خاکہ) شہباز احمد باری         |
| 26 | گوری ہو گوری (مضمون) سید فخر حسین                      |
| 27 | چندی کا چنڈا (مضمون) صحت چندی                          |
| 28 | سرنگھری (مضمون) شکی بھائی                              |
| 29 | ہاری کہاؤں (مضمون) شان الحق شکی                        |
| 30 | شکی ہر گویا نقد کے نام (مکتوبہ لاری) مرزا صاحب         |
| 31 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 32 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 33 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 34 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 35 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 36 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 37 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 38 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 39 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |
| 40 | مخبر (مکتوبہ) (مضمون) سید مشتاق حسین                   |

|     |   |
|-----|---|
| 41. | علیم الدین احمد (خاکہ) کا مجموعہ مجالِ پاشا |
| 42. | لکڑکی موت (روسی کہانی) کے مختلف             |
| 43. | تعمیراتی (طیلم کہانی) کے ترجمہ: نیلا لکھنوی |
| 44. | جنتی مولائی (ہندی کہانی) کے نثر اور ما      |

حصہ سوم

موضوع: خواہش

|  |
|--|
| اہم چیز ہفت روزہ اور ٹی وی، اخبار سے لے کر ہوائی سفر تک کی روایتیں۔ واحد - نثر اور نثریات۔<br>علم بیان اور علم ادب کی اہم اقسام: تنقید، تفسیر، کتابت و ہجرت، تصانیف، تہذیب، تاریخ، فلسفہ، معاشرہ، لہجہ اور لہجہ۔ |
|--|

نوٹ: مندرجہ بالا نصابہ ہفت روزہ اور ٹی وی اور 10 ویں ای کی آنکھ چھان بھان (حصہ 4 اور 5) اور گیارہویں اور بارہویں جماعت کی انگلستان ماہیہ اور  
"خیال پانچ ماہیہ" (NCERT) سے ماخوذ ہے۔ سوالیہ نکتوں کا سہارا پر مشتمل ہونی چاہئے۔

## विषय: - संस्कृतम् लेवल - 3

### प्रथमो भागः

➤ एषु पाठ्यपुस्तकेषु नियोजितान् पाठ्यविन्दुन् आधारीकृत्य पठित-अपठित-गद्यांशाधारिताः बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः प्रष्टव्याः ।

1. शेमुषी प्रथमो भागः
2. शेमुषी द्वितीयो भागः ।
3. शाश्वती प्रथमो भागः
4. शाश्वती द्वितीयो भागः ।

१) एतानि सूत्राणि आधारीकृत्य संज्ञा प्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः ।

इत्संज्ञा, प्रत्याहारसंज्ञा, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, संयोगसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, उच्चारणस्थानानि, पदसंज्ञा, प्रयत्नानि ।

२) निम्नलिखित-सन्धिसूत्रानुसारं सन्धेः सन्धिविच्छेदस्य च सूत्राणि -

इको यणचि, अकः सवर्णे दीर्घः, आदगुणः, वृद्धिरेचि, तोपः शाकल्पस्य, स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झतां जशोऽन्ते, परोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, झयो होऽन्यतरस्याम्, उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य, झरो झरि सवर्णे, छे च, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ठमो ह्रस्वादचि ङमुणित्यम्, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अचोऽन्त्यादि टि, एत्येधत्पृत्सु, उपसर्गाहति धातौ, एठि पररूपम्, ओमाठोष्ठ, एठः पदान्तादति, ईद्वेदेद्विचनं प्रगृह्यम्, विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्तादप्लुते, हश्चि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽसि, रोऽसुपि, रो रि, इतोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः ।

३) समासाः - मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अनुसारं सूत्रसहितम् -

केवलसमासः, अव्ययीभावसमासः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, द्वन्द्वः, बहुव्रीहिः - एतेषां सामान्यपरिचयः, पदानां समासः, समासविग्रहश्चेति ।

### द्वितीयो भागः

१) निम्नलिखितानां शब्दरूपाणां ज्ञानं तथा विभक्ति-आधारितप्रश्नाः (सूत्रसहितम्) :-

कृष्ण, रमा, हरि, मति, पति, सखिन्, गुरु, वधू, आत्मन्, नदी, लक्ष्मी, धेनु, मातृ, पितृ, वारि, दधि, मधु, राजन्, मनस्, सर्व (त्रिषु लिङ्गेषु), तत्, एतत्, इदम् (त्रिषु लिङ्गेषु), अस्मद्, युष्मद् ।

२) निम्नलिखितानां धातूनां दशलकारेषु रूपाणि वाक्यप्रयोगक्षं :-

अ) परस्मैपदी - भू, पठ्, अस्, कृ, ज्ञा, शक्, पा, हन्, लिख्, चिन्त् ।

ब) आत्मनेपदी - एध्, सेव्, तभ्, रुच्, मुद् याच् ।

स) उभयपदी - कृ, पच्, मन् ।

- ३) निम्नप्रत्ययानां सामान्यज्ञानम् - पूर्वकृदन्त, उत्तरकृदन्त, वद्धिव, स्त्रीतिङ्गु (मध्यसिद्धान्तकौमुदी-  
अनुसारं सूत्रसहितं प्रकृति-प्रत्यय-आधारिताः प्रश्नाः):-  
क्त, क्तवत्, शत्, शानच्, उ, यत्, तव्यत्, तव्य, अनीयर्, केतिमर्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुत्, त्च्, ल्यु, णिनि, क,  
प्सुन्, वुन्, अण्, टक्, ट, खश्, खच्, ड, क्त्वा, ल्यप्, क्तिप्, तुमुन्, घञ्, क्तिन्, वसु, घाकन्, ग्स्, क्नु, इत्र,  
ट्टन्, नङ्, नन्, अच्, अप्, कि, अङ्, युच्, णमुत्, मतुप्, तरप्, तमप्, इहन्, ण्य, ठक्, ठन्, ठञ्, ट्यण्,  
तत्, य, इवत्, वत्, छ, ल्यप्, म, एण्य, मयट्, प्लञ्, डट्, तीय, उरच्, र, मिनि, तिकन्, च्चि, डाच्,  
साति, विनि, टाप्, घाप्, डीप्, डीप्, डीन्, ऊङ्, ति।
- ४) कारकप्रकरणम् - सिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं सूत्रसहितम्।

### तृतीयो भागः

- १) अधोलिखित-उन्दसाम् अलङ्काराणां च परिज्ञानम् -  
\* उन्दासि -  
अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, वसन्ततिलका, मालिनी, सग्धरा,  
शार्दूलविक्रीडितम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता।  
\* अलङ्काराः -  
अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, उपमा, अर्थान्तरन्यासः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, दृष्टान्तः, सन्देहः,  
भ्रान्तिमान्, निदर्शना।
- २) कारक-प्रत्यय-समास-आधारितवाक्यानाम् अष्टुद्धिसंशोधनम्।  
\* उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, विशेषण-विशेष्य वितोमपदं पर्यायपदश्चेति।
- ३) संस्कृतसाहित्येतिहासः -  
क) वैदिकसाहित्यम्।  
ख) लौकिकसाहित्यम्।  
क) वैदिकसाहित्यम् :-  
वेदाः - ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेदः (एतेषां सामान्यपरिचयः)।  
सूक्तानि - अग्निः, पुरुषः, हिरण्यगर्भः, इन्द्रः, भूमिः, प्रजापतिः।  
संवादसूक्तानि - यम-यमीसंवादः, पुरुरवा-उर्वशीसंवादः, शरमा-पणिसंवादः, शुनः शेषः आख्यानम्।  
पुराणानि - अग्नि, ब्रह्म, विष्णु, वायु, पद्म, भागवत, स्कन्द, भविष्य (एतेषां सामान्यपरिचयः)।  
उपनिषदः - ईशा, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, मुण्डक, माण्डूक्य, श्वेताश्वेतर  
(एतेषां सामान्यपरिचयः)।  
वेदाङ्गानि - शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, ज्योतिषः, उन्दः, निरुक्तम् (एतेषां सामान्यपरिचयः)।



ख) लौकिकसाहित्यम् एवं कवयश्च :-

रामायणम्, महाभारतम्, श्रीमद्भगवद्गीता, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, बुद्धचरितम्, सौन्दरानन्दम्, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, जानकीहरणम्, हरविजयम्, मेघदूतम्, गीतगोविन्दम्, दशकुमारचरितम्, कादम्बरी, हर्षचरितम्, शिवराजविजयम्, स्वप्नवासवदत्तम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, वेणीसंहारम्, रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानन्दम्, मातङ्गिमाधवम्, अनर्घराघवम्, वासवदत्ता, हितोपदेशः, पञ्चतन्त्रम्, बृहत्कथा, कथासरित्सागरः।

➤ आधुनिकसंस्कृतकवयः :- देवर्षिः कलानाथशास्त्री, भट्ट मथुरानाथशास्त्री, पं. पद्मशास्त्री, डॉ. प्रभाकरशास्त्री।

Part -1

ਭਾਗ ਪਹਿਲਾ > ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਰਨਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਨੌਵੀਂ ਅਤੇ ਦਸਵੀਂ

ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਫਤਾਂ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਫਤਾਂ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਸਫਿਰਾਂ ਦੇ ਗਿਆ - ਵਸਤੂ, ਕੇਦਰੀ ਡਾਕ, ਡਾਕਿ ਕਲਪਣਾ, ਕਾਫਿ ਗੁਣ, ਕਾਫਿ ਕੋਈ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ /ਵਰਤਕ ਕਰਨਾਵਾਂ ਦੇ ਗਿਆ - ਵਸਤੂ, ਵਿਗਿਲ -ਵਿਚਾਰ, ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ, ਕੱਚ ਬੋਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਸਾਹਿਤਕ ਕੰਗ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਕੰਗ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਰਾਈਆਂ ਦੇ ਗਿਆ - ਵਸਤੂ, ਕਰਾਂਕੀ ਵਿਚਲੀ ਸੰਬੰਧਣਾ, ਉਦੇਬ, ਮੁਪਤ ਸਿਖਿਆ, ਡਾਕਾ ਚੋਲੀ, ਪਾਠਕ ਵਿਦਿਅਕੀ ਦੇ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪਏ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕਾਂਗੀਆਂ ਦੇ ਗਿਆ ਵਸਤੂ, ਖਤਰ ਚਿਤਰਣ, ਉਦੇਬ, ਨਾਟ ਚੋਲੀ, ਕੰਗ ਮੰਚ, ਅਜੇਬੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਿਰੇ ਦੀ ਸਾਫਸਕਾਫ ਮੁਸ਼ਕਿਕਤਾ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਡਿੱਠ- ਡਿੱਠ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉਭਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧੀ ਠਾਇਕ ਦੇ ਗਿੱਠੀ ਜੀਠ, ਉਸ ਦੇ ਜੋਠਨ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਐਠਾਂ, ਉਸ ਦੇ ਸੰਬੰਧ, ਮੁਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਗਿੱਠੀ ਸੰਧ ਮੁੱਠਾ ਆਦਿ ਸੰਬੰਧੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਭਾਗ - 2

ਭਾਗ ਦੂਜਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਰਨਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਗਿਆਕਸ਼ੀ ਅਤੇ ਆਰੁਠੀ

ਕਾਫਿ ਆਰੁਠੀ (ਆਦਿ ਸੰਗ੍ਰਹਿ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਡਾਕੀ ਧਾਰਾ ,ਗੁਣੀ ਧਾਰ, ਵਾਰ ਧਾਰ, ਗਿੱਠੀ ਧਾਰ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਡਾਕੀ ਕਾਫਿ ਕੰਠ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਿਆ - ਵਸਤੂ, ਕੋਟਕੀ ਕਾਫ, ਕਾਫਿ ਗੋਲੀ, ਤਤਕਾਲੀ ਕਾਫੀ - ਗੰਮਤਾਂ, ਕਰਨਾਕਾਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਭਵ, ਚਿੰਤਨ, ਵਿਚਾਰ, ਕੋਟਕੀਆਂ-ਕੋਟਕੀਆਂ ਕਾਫਿ ਧਾਰਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰ, ਗਿੱਠੀ - ਗਿੱਠੀ ਡਾਕਾਵਾਂ ਕੋਲੀਆਂ ਦੇ ਕਾਫੀਆਂ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਗਿੱਠੀ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਾਫਿ ਆਰੁਠੀ (ਕਾਫੀ ਸੰਗ੍ਰਹਿ) ਵਿਚ ਕੋਲੀਆਂ ਕਰਾਈਆਂ ਗਿੱਠੀ ਉਭਰਦਾ ਗਿਆ - ਵਸਤੂ , ਡਾਕ -

ਮਨੋਵਿਗਿਆਨ, ਕਹਾਣੀ ਰਸ, ਮਾਤਰ, ਸਿਰਲੇਖ ਚੁਣੌਤੀ ਤੇ ਕਹਾਣੀਆਂ ਤੇ ਪ੍ਰਪਚ ਸਿਖਿਆ

ਆਦਿ ਲਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼ਤਕ ਪੁੱਛੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਕਾਵਿ-ਸ਼ੈਲੀ (ਕਾਵਿ ਸੰਕ੍ਰਮਿਤ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਆਧੁਨਿਕ ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼-ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ,  
ਕਾਵਿ ਰੂਪ। ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ, ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼ਤਕ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਆਧੁਨਿਕ ਕੀਭ ਚਰਨਾਕਾਰ ( ਵਾਚਕ ਪੁਸ਼ਤਕ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਵਾਕਤਕ ਕਰਨਾਵਾਂ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ -  
ਵਸਤੂ, ਵਿਰੋਧ ਵਿਚਾਰ, ਵਿਗਿਆਨਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਕਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼ਤਕ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ ।  
ਸ਼ਿਕਾ ਸ਼ਕਤੀ ( ਨਾਟਕ) ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਦਿਲ-ਵਸਤੂ, ਮਾਤਰ ਚਿਤਕਰਨ, ਚੁਣੌਤੀ, ਚਾਟ ਸ਼ੈਲੀ, ਰੰਗ ਮੈਚ  
ਅਜੇਕੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸੰਬੰਧਿਤ ਦਿੱਤੇ ਦੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਪ੍ਰਸੰਗਿਕਤਾ ਆਦਿ ਲਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼ਤਕ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

Part -3

**ਭਾਗ ਤੀਜਾ :- ਵਿਅੰਗਕਠ ਦੀ ਸ਼ੁਮਿਲਾ :-**

\* ਵਰਣ ਸ਼ੇਖ ( ਵਰਣ, ਲਗਾ-ਮਾਰਗ, ਲਗਾਖਰ)

\* ਲਕਣ ਸ਼ੇਖ ( ਨਾਂਦ, ਪਤਰਾਂਦ, ਦਿਰੀਬਣ, ਕਿਰਿਆ, ਕਿਰਿਆ ਦਿਲੇਬਣ, ਸੰਬੰਧਕ, ਯੋਜਕ, ਲਿੰਗ ਬਦਲੇ,  
ਦਰਨ ਬਦਲੇ, ਕਾਰਕ, ਕਾਲ, ਪਦ-ਬੰਧ)

\* ਲਕਣ ਰਚਨਾ ( ਅਲੀਪਣ, ਸਿਫ਼ੀਰਣ, ਸਮਾਜੀ ਲਕਣ )

\* ਵਾਕ-ਸ਼ੇਖ ( ਵਾਕ-ਰਚਨਾ, ਵਾਕ-ਵੰਡ, ਵਾਕ-ਵਟਾਂਦਰਾ, ਵਿਸ਼ਰਾਮ ਸਿੰਨ੍ਹ)

\* ਵਿਰੋਧੀ ਲਕਣ, ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਲਕਣ, ਸਮੁ ਅਰਥਕ ਲਕਣ।

\* ਮੁਕਾਬਲੇ ਅਤੇ ਖੋਲਣ।

\* ਅਵ ਸ਼ਿੰਟਾ ਪੈਰਾ ( ਇਕ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚੋਂ, ਇਕ ਵਾਚਕ ਵਿਚੋਂ,

\* ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਲਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼ਤਕ )

\* ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸੰਗ੍ਰਹਿਕਾਰ ਲਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸ਼

- \* विश्वकाल रूपक मंचाधिकृत पुस्तक (अध्यास पुस्तक व वैकल्पिक पुस्तकें विही)
- \* विश्वकाल : भारत, भारत, कश्मीर, कश्मीर, कश्मीर, कश्मीर, कश्मीर, कश्मीर, कश्मीर
- \* विश्वकाल : विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल
- \* विश्वकाल (अध्यास, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल, विश्वकाल)
- \* विश्वकाल रूपक मंचाधिकृत रूपक
- \* विश्वकाल मंचाधिकृत विश्वकाल मंचाधिकृत विश्वकाल मंचाधिकृत

| समाजशास्त्र |  |
|-------------|--|
| A           | <p><b>भाग-1 : मूलभूत अवधारणा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवम् विकास : पश्चिमी देशों तथा भारत में</li> <li>● समाजशास्त्र : अर्थ, परिभाषा तथा विषय वस्तु</li> <li>● समाजशास्त्र एवम् अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध</li> <li>● समाज तथा सामाजिक समूह</li> <li>● सामाजिक स्तरीकरण : जाति, वर्ग एवं वर्ण व्यवस्था</li> <li>● स्थिति एवं भूमिका</li> <li>● सामाजिक नियंत्रण</li> <li>● संस्कृति</li> <li>● समाजीकरण</li> <li>● सामाजिक संरचना</li> <li>● सामाजिक प्रक्रिया एवम् सामाजिक विचलन</li> <li>● सामाजिक परिवर्तन एवम् सामाजिक गतिशीलता</li> <li>● परिवार, विवाह एवम् नातेदारी</li> </ul> |
| B           | <p><b>भाग-2 : भारतीय समाज एवम् सामाजिक परिवर्तन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जनजाति – राष्ट्रीय विकास और जनजातीय विकास, समकालीन जनजातीय पहचान</li> <li>● पूंजीवाद, वस्तुकरण और उपभोग</li> <li>● भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण, उदारीकरण, बाजारीकरण</li> <li>● सामाजिक विषमता और बहिष्कार : सामाजिक असमानता, पूर्वाग्रह, सामाजिक भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार— अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/दिव्यांगजन, गरीबी रेखा, अस्पृश्यता, अन्य पिछड़ा वर्ग</li> </ul>  |

|   |   |
|---|---|
|   | <p>और आयोग, आदिवासी संघर्ष और आदिवासियों का विस्थापन और पुनर्वास, महिलाओं की समानता और अधिकारियों के लिए संघर्ष, अक्षम व्यक्तियों का संघर्ष</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● सांस्कृतिक विविधता और भारत एक राष्ट्रीय राज्य के रूप में, 'आत्मसातीकरणवादी' और 'एकीकरणवादी' नीतियों में अन्तर, अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र राज्य, राज्य और नागरिक समाज</li> <li>● संरचनात्मक परिवर्तन – अर्थ और अवधारणा, उपनिवेशवाद एवम् पूंजीवाद, शहरीकरण और औद्योगीकरण, भारत पर ब्रिटिश औद्योगीकरण का प्रभाव, स्वतंत्र भारत में औद्योगीकरण, स्वतंत्र भारत में शहरीकरण/नगरीकरण, महानगरीय शहर, भारत में शहरी जनसंख्या की वृद्धि दर, स्मार्ट सिटी</li> <li>● सांस्कृतिक परिवर्तन की अवधारणा – 19 वीं और 20 वीं सदी की शुरुआत में सामाजिक सुधार आंदोलन</li> <li>● संविधान और सामाजिक परिवर्तन – मौलिक अधिकार, सामाजिक न्याय, पंचायती राज, ग्राम-स्वराज्य, राजनीतिक दल और दबाव समूह</li> <li>● ग्रामीण समाज एवं औद्योगिक समाज में विकास और परिवर्तन – कृषि संरचना, भूमि सुधारों का प्रभाव, हरित क्रांति, प्रवास, अनुबंध खेती, कृषि का वैश्वीकरण, ग्रामीण विकास एवं कृषि विकास कार्यक्रम, स्वतंत्रता के पूर्व तथा पश्चात भारत में औद्योगीकरण, मेक इन इंडिया कार्यक्रम</li> <li>● जनसम्पर्क साधन/मास मीडिया और जनसंचार– आधुनिक मास मीडिया की शुरुआत, ब्रिटिश शासन एवं स्वतंत्र भारत में मास मीडिया, प्रिंट और सोशल मीडिया</li> <li>● सामाजिक आंदोलन– अवधारणा, विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक आंदोलन, पारिस्थितिकी आंदोलन, किसान आंदोलन, श्रमिक आंदोलन, जाति आधारित आंदोलन, पिछड़ा वर्ग जाति आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, महिला आंदोलन, गैर सरकारी संगठन</li> </ul> |
| C | <p><b>भाग-3 : समाजशास्त्रीय विचार/सामाजिक अनुसंधान</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● कार्ल मार्क्स, एमिल दुर्खीम, मैक्स वेबर : जीवन परिचय एवम् सिद्धांत</li> <li>● जी.एस. घुर्ये, डी.पी. मुखर्जी, ए.आर. देसाई, एम.एन.श्रीनिवास– जीवन परिचय एवम् सिद्धांत</li> <li>● सामाजिक अनुसंधान– अर्थ और परिभाषा, अनुसंधान के प्रमुख चरण, अनुसंधान के प्रकार, डेटा और डेटा के प्रकार, तथ्य प्राप्त करने की प्रमुख विधियाँ एवम् सिद्धांत</li> <li>● जनसांख्यिकी– जनसांख्यिकी के सिद्धांत और अवधारणाएँ, जन्म दर, मृत्यु दर, प्राकृतिक वृद्धि, प्रजनन दर, शिशु मृत्यु दर, जीवन प्रत्याशा, लिंग अनुपात, आयु संरचना, निर्भरता या पराश्रितता अनुपात, जनसांख्यिकीय लाभांश, साक्षरता दर आदि। भारतीय जनसंख्या का आकार और वृद्धि– 1901 से 2011, महामारी पैन्डेमिक और एपिडेमिक, भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना, ग्रामीण-शहरी संपर्क और विभिन्नताएँ, भारत की जनसंख्या नीति</li> <li>● सामाजिक पारिस्थितिकी– सामाजिक पर्यावरण, पर्यावरण और समाज के</li> </ul>   |

|   |
|---|
| <p>बीच सहभागिता, प्रमुख पर्यावरणीय समस्या और जोखिम, प्राकृतिक और मानव निर्मित पर्यावरण आपदाएँ, सतत् विकास</p> <p>बाजार और अर्थव्यवस्था पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य – एडम स्मिथ – बाजार अवधारणा, साप्ताहिक जनजातीय बाजार, जाति आधारित बाजार, जजमानी व्यवस्था, पारंपरिक व्यापारिक समुदाय, आभासी बाजार</p> |
|---|

| कम्प्यूटर विज्ञान |  |
|-------------------|--|
| A                 | <p>कम्प्यूटर सिस्टम: इतिहास, पीढ़ी, विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ, कम्प्यूटर सिस्टम के अनुप्रयोग और प्रकार सीपीयू, एल्यू और सीयू, इनपुट/आउटपुट डिवाइस।<br/>मेमोरी: मेमोरी की इकाइयाँ, मेमोरी के प्रकार।<br/>प्रोग्रामिंग भाषा का वर्गीकरण: उच्च स्तरीय भाषा, मशीन स्तरीय भाषा।<br/>माइक्रोप्रोसेसर का इतिहास, वास्तुकला और विशेषताएँ।<br/>एन्कोडिंग योजनाएँ और संख्या प्रणाली: ASCII, यूनिकोड, संख्या प्रणाली और रूपांतरण।<br/>कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर:- सिस्टम सॉफ्टवेयर (ऑपरेटिंग सिस्टम: इसकी आवश्यकता और कार्य, कंपाइलर, इंटरप्रेटर, असेंबलर), एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, यूटिलिटी सॉफ्टवेयर, डिवाइस ड्राइवर, एमएस विंडो: डेस्कटॉप, टास्कबार, आइकन, पीसी, रीसायकल बिन, फाइल एक्सप्लोरर, एज ब्राउज़र, कट, कॉपी, पेस्ट, थीम और पृष्ठभूमि।<br/>वर्ड प्रोसेसर (एमएस वर्ड): घटक, फॉर्मेटिंग, संरेखण, इंडेंट, बॉर्डर और शेडिंग, प्रतीक, आकार, क्लिपआर्ट, वर्ड आर्ट, हेडर आर फुटर, टेबल्स, पेज सेटअप, प्रिंटिंग।<br/>स्प्रेडशीट (एमएस एक्सेल: घटक, कार्यपुस्तिका, वर्कशीट, फॉर्मेटिंग, सेल पता, सेल पॉइंटर, सक्रिय सेल, कोशिकाओं की श्रेणी, पाठ, सूत्र, दिनांक/समय, चार्ट, चार्ट के प्रकार, चार्ट के घटक, एमएस एक्सेल में चार्ट बनाना, मुद्रणवर्कशीट/चार्ट, कार्य: योग(), औसत(), अधिकतम(), न्यूनतम(), गणना()<br/>प्रजेंटेशन सॉफ्टवेयर (MS पावर-प्वाइंट): घटक, स्लाइड के तत्व, प्रेजेंटेशन बनाना और सेव करना, स्लाइड लेआउट, स्लाइड व्यू, फॉर्मेटिंग, क्लिपआर्ट, चित्र, आकृतियाँ, शीर्षलेख/पाद लेख और स्लाइड संख्याएँ। एनिमेशन योजनाएँ, ध्वनि प्रभाव, स्लाइड शो।</p> |
| B                 | <p>समस्या समाधान और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग (एसडीएलसी और परीक्षण):<br/>समस्या समाधान चक्र: विश्लेषण, डिजाइन, कोडिंग कार्यान्वयन और परीक्षण<br/>एल्गोरिदम: एल्गोरिदम की आवश्यकता, फ्लो चार्ट का उपयोग करके डिजाइन एल्गोरिदम। प्रोग्रामिंग:<br/>प्रोग्रामिंग की अवधारणा और आवश्यकता।<br/>प्रोग्राम संरचनाएँ: अनुक्रम, चयन और पुनरावृत्ति।<br/>एसडीएलसी में प्रमुख चरण-आवश्यकता एकत्रीकरण और विश्लेषण (सर्वेक्षण), जांच और तथ्य रिकॉर्डिंग<br/>(व्यवहार्यता अध्ययन), सॉफ्टवेयर डिजाइन, विकास (कोडिंग), परीक्षण, कार्यान्वयन, रखरखाव।<br/>परीक्षण-ब्लैक बॉक्स और व्हाइट बॉक्स परीक्षण, परीक्षण के स्तर-इकाई परीक्षण, एकीकरण परीक्षण, सिस्टम परीक्षण और स्वीकृति परीक्षण।<br/>पायथन के साथ शुरुआत करना: पायथन की विशेषताएँ, इंटरैक्टिव और स्क्रिप्ट</p>   |

|   |   |
|---|---|
|   | <p>मोड में पायथन इंटरप्रेटर के साथ काम करना, प्रोग्राम की संरचना, पहचानकर्ता, कीवर्ड, स्थिरांक, चर, ऑपरेटरों के प्रकार, ऑपरेटरों की प्राथमिकता, डेटा प्रकार, कथन, अभिव्यक्ति, मूल्यांकन और टिप्पणियां, इनपुट और आउटपुट स्टेटमेंट, डेटा प्रकार रूपांतरण, डिबगिंग।</p> <p>नियंत्रण संरचनाएँ: अनुक्रम, चयन (निर्णय) और पुनरावृत्ति। फंक्शन की आवश्यकता, उपयोगकर्ता परिभाषित फंक्शन, अंतर्निहित फंक्शन।</p> <p>स्ट्रिंग्स: स्ट्रिंग्स, स्ट्रिंग ऑपरेशंस को प्रारंभ करना और उन तक पहुंचना।</p> <p>सूची: सूची संचालन</p> <p>टुपल्स : टुपल्स पर तत्वों का निर्माण, आरंभीकरण, उन तक पहुंच, संचालन।</p> <p>शब्दकोश : कुंजी-मूल्य जोड़ी की अवधारण, परिवर्तनशीलता, निर्माण, आरंभीकरण, शब्दकोश, संचालन।</p> <p>उभरते रूझान, साइबर, साइबर सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा का प्रसार, राबोटिक्स, बिग डेटा, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेंसर, स्मार्ट सिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, ग्रिड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, 5जी नेटवर्क, ई-व्यापार।</p> <p>साइबर सुरक्षा : कंप्यूटर वायरस, मेलवेयर, एडवेयर, वर्म्स, ट्रोजन, रैनसम वेयर, स्पाईवेयर, हैकर्स और क्रैकर्स, सुरक्षा उपाय, पहचान सुरक्षा, पासवर्ड का उचित उपयोग, सूचना की गोपनीयता।</p> <p>डिजिटल पदचिह्न : नेट सर्फिंग के शिष्टाचार और सोशल मीडिया के माध्यम से संचार के लिए, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), साइबर अपराध और साइबर कानून, हैकिंग, फिशिंग, साइबर बदमाशी, भारतीय आईटी अधिनियम, साइबर अपराध रोकथाम।</p> <p>स्वास्थ्य पर प्रभाव, प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं जैसे आँखों पर प्रभाव, शारीरिक समस्याओं के बारे में जागरूकता।</p> <p>HTML का उपयोग करके वेब डिजाइनिंग : HTML का इतिहास, टेक्स्ट एडिटर, HTML वेब पेज की मूल संरचना, HTML दस्तावेज़ बनाना और सहेजना, वेब ब्राउज़र, कंटेनर और खाली तत्वों का उपयोग करके वेब पेज तक पहुंचना। HTML तत्व, पाठ स्वरूपण तत्व, सूचियाँ, छवियाँ, तालिकाएँ और लिंक सम्मिलित करना।</p> |
| C | <p>डेटाबेस, एमएस एक्सेस और एसक्यूएल डेटाबेस : आवश्यकता, लाभ, फाईलों की अवधारणा, फील्ड और रिकार्ड, सामान्यीकरण की आवश्यकता, सामान्य फॉर्म।</p> <p>एमएस एक्सेस : विशेषताएं, घटक, डेटा प्रकार, एमएस एक्सेस डेटाबेस के तत्व, डेटाबेस बनाना/खोलना, प्राथमिक कुंजी, प्राथमिक कुंजी सेट करना, डेटाशीट दृश्य और डिज़ाइन दृश्य में तालिका बनाना, तालिकाओं को देखना, संपादित करना और प्रिंट करना।</p> <p>एसक्यूएल : लाभ, डेटा प्रकार, कमांड, क्लॉज, फंक्शन। संचार प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर नेटवर्क : ट्रांसमिशन मीडिया (निर्देशित और अनिर्देशित), वायर्ड/वायरलेस संचार, वाई-फाई, ब्लूटूथ, क्लाउड कंप्यूटिंग (सार्वजनिक और निजी) कंप्यूटर नेटवर्क, नेटवर्किंग और इसकी आवश्यकता, कंप्यूटर नेटवर्क के प्रकार, नेटवर्क मॉडल और उनके प्रोटोकॉल।</p>  |

|  |
|--|
| <p>इंटरनेट : इंटरनेट, इंटरनेट का इतिहास, इंटरनेट की कार्यप्रणाली, इंटरनेट आवश्यकताएँ, फ़ायरवॉल, वर्ल्ड वाइड वेब, वेब ब्राउज़र, वेब सर्वर, वेब पोर्टल, वेब साई, खोज इंजन, वेब पता/यूआरएल, वेब पेज, ईमेल की अवधारणा, ब्लॉग, समाचार समूह, ई-मेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग।</p> <p>इंटरनेट प्रोटोकॉल : टीसीपी/आईपी, एफ़टीपी, टेलनेट, एसएमटीपी, HTTP, HTTPS, POP3।</p> <p>C++ में प्रोग्रामिंग और C++ के माध्यम से डेटा संरचना : OPP अवधारणाएँ: ऑब्जेक्ट, क्लास, एनकैप्सूलेशन, डेटा छिपाना/अमूर्तन, वंशानुक्रम/पुनः प्रयोज्यता, बहुरूपता/ओवरलोडिंग। डेटा प्रकार, ऑपरेटर और अभिव्यक्ति, नियंत्रण विवरण और लूप। सारणी (1डी और 2डी) और संरचना: संरचना चर बनाना, संरचना की सारणी, कार्य करने के लिए संरचना सदस्यों को पास करना।</p> <p>C++ में क्लास और ऑब्जेक्ट, क्लास घोषणा, डेटा सदस्य और सदस्य फ़ंक्शन, निजी और सार्वजनिक सदस्य, क्लास के अंदर और बाहर परिभाषित फ़ंक्शन, नेस्टिंग सदस्य फ़ंक्शन, क्लास सदस्य फ़ंक्शन तक पहुंच, स्कोप रिज़ॉल्यूशन का उपयोग (::) ऑपरेटर।</p> <p>क्लास, फ्रेंड फ़ंक्शन, कंस्ट्रक्टर और डिस्ट्रक्टर में उपयोग किया जाने वाला ऐरे।</p> <p>वंशानुक्रम : आधार वर्ग, व्युत्पन्न वर्ग, दृश्यता मोड, वंशानुक्रम के प्रकार। डेटा संरचना (सी++ के माध्यम से) : डेटा, डेटा आइटम, डेटा संरचना, स्टैक, स्टैक पर पुश और पॉप ऑपरेशन, रैखिक कतार, रैखिक कतार में सम्मिलन और विलोपन, ऐरे सोर्टिंग।</p> <p>विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।</p> |
|--|

| वाणिज्य |  |
|---------|--|
| A       | <p><u>व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य :-</u> व्यवसाय एक परिचय, व्यावसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण, व्यावसायिक जोखिम-प्रकृति और कारण</p> <p><u>व्यावसायिक संगठन के प्रारूप :-</u> एकल स्वामित्व, सयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय, सांझेदारी संगठन, सहकारी समिति, कम्पनी संगठन, व्यावसायिक संगठन के प्रारूप का चयन</p> <p><u>निजी, सार्वजनिक और वैश्विक उद्यम:-</u> विभागीय उपक्रम, वैधानिक निमग, सरकारी कम्पनी, वैश्विक उद्यम/</p> <p>बहुराष्ट्रीय कम्पनी, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)</p> <p><u>व्यावसायिक सेवाएं:-</u> बैंकिंग, बीमा, डाक और दूरसंचार सेवाएं।</p> <p><u>व्यवसाय के उभरते हुए प्रारूप :-</u> ई-कॉमर्स, ई-बिजनेस,</p> <p><u>व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व :-</u> सामाजिक उत्तरदायित्व, व्यावसायिक नैतिकता</p> <p><u>प्रबंध की प्रकृति और महत्व :-</u> प्रबंध एक परिचय, प्रबंध की प्रकृति, प्रबंध के स्तर, प्रबंध के कार्य, समन्वय,</p> <p>प्रबंध के सिद्धान्त, टेलर द्वारा वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धान्त, फेयोल द्वारा प्रबंध के</p> |



|   |   |
|---|---|
|   | <p>सामान्य सिद्धान्त</p> <p><u>व्यावसायिक वातावरण</u> :- व्यावसायिक वातावरण की अवधारणा, व्यावसायिक वातावरण के आयाम, विमुद्गीकरण की अवधारणा</p> <p><u>नियोजन</u> :- नियोजन की अवधारणा, योजनाओं के प्रकार</p> <p><u>संगठन</u> :- संगठन एक प्रक्रिया के रूप में, संगठनात्मक संरचना, प्रत्यायोजन और विकेन्द्रीकरण</p> <p><u>नियुक्तिकरण</u> :- नियुक्तिकरण का अर्थ और महत्व, भर्ती, चयन, प्रशिक्षण और विकास</p> <p><u>निर्देशन</u> :- महत्व एवं सिद्धान्त, पर्यवेक्षण, अभिप्रेरणा, नेतृत्व, संदेशवाहन</p> <p><u>नियंत्रण</u> :- नियंत्रण की अवधारणा, नियंत्रण प्रक्रिया, नियंत्रण तकनीक</p> <p><u>व्यवसायिक वित्त</u> :- वित्तीय प्रबंध, वित्तीय निर्णय, वित्तीय नियोजन, पूंजी संरचना, अचल और कार्यशील पूंजी</p> <p><u>विपणन और विपणन मिश्रण</u> :- विपणन, विपणन मिश्रण के तत्व</p>   |
| B | <p><u>लेखांकन का परिचय</u> :- लेखांकन की अवधारणा, आधारभूत लेखांकन शब्दावली</p> <p><u>लेखांकन के सैद्धांतिक आधार</u> :- आधारभूत लेखांकन धारणाएं : GAAP, आधारभूत लेखांकन अवधारणाएं, लेखांकन की प्रणालियां, लेखांकन का आधार, लेखांकन मानक, वस्तु और सेवा कर (GST)</p> <p><u>लेनदेन का अभिलेखन (I)</u> :- व्यावसायिक लेनदेन और स्रोत प्रलेख, लेखांकन समीकरण, दोहरी प्रविष्टि प्रणाली, रोजनामचा, खाताबही</p> <p><u>लेनदेन का अभिलेखन (II)</u> :- रोकड़ बही, सहायक पुस्तकें</p> <p><u>बैंक समाधान विवरण</u> :- रोकड़ बही तथा पास बुक के अनुसार बैंक समाधान विवरण तैयार करना</p> <p><u>तलवट तथा त्रुटियों का सुधार</u>:- तलवट, त्रुटियों का सुधार</p> <p><u>मूल्यहास, प्रावधान और संचय</u> :- मूल्यहास, प्रावधान और संचय</p> <p><u>वित्तीय विवरण समायोजन सहित</u> :- वित्तीय विवरण समायोजन सहित (एकाकी व्यापार के लिए )</p> <p><u>सांझेदारी के लिए लेखांकन- आधारभूत अवधारणाएँ</u> :- सांझेदारी के मूल सिद्धान्त, सांझेदारी खातों के विशेष पहलू, सांझेदारों के पूंजी खातों का अनुरक्षण, सांझेदारों के बीच लाभ का विभाजन, पूर्व समायोजन , सांझेदार की लाभ की गारंटी</p> <p><u>सांझेदारी फर्म का पूर्णगठन - नए सांझेदार का प्रवेश</u> :- लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन, ख्याति, नए सांझेदार का प्रवेश, नया लाभ विभाजन अनुपात और त्याग अनुपात, ख्याति का उपचार, संचय, संचित लाभ और हानि का समायोजन, परिसम्पतियों और दायित्वों का पूनर्मूल्यांकन, पूंजी का समायोजन</p> <p><u>सांझेदारी फर्म का पूर्णगठन- सांझेदार की सेवानिवृति/ मृत्यु</u> :- सेवानिवृति/ मृत सांझेदार को देय राशि का निर्धारण, लाभ विभाजन अनुपात और अधिलाभ अनुपात, ख्याति का उपचार, संचय, संचित लाभ और हानि का समायोजन, परिसम्पतियों और दायित्वों का पूनर्मूल्यांकन, पूंजी का समायोजन, सांझेदार की मृत्यु</p> <p><u>सांझेदारी फर्म का विघटन</u>:- सांझेदारी फर्म और सांझेदारी का विघटन, खातों का निपटान और लेखांकन व्यवहार</p> |
| C | <p><u>कम्पनी की स्थापना</u>:- कम्पनी की स्थापना के चरण, कम्पनी की स्थापना में प्रयुक्त दस्तावेज</p>   |

|  |
|--|
| <p><u>व्यवसायिक वित्त के स्रोत</u> :- अवधारणा, स्वामित्व कोष और ऋण कोष</p> <p><u>अंश पूंजी का लेखांकन</u> :- अंश पूंजी का अर्थ, प्रकृति, प्रकार, अंशों की प्रकृति और प्रकार, अंशों को जारी करने तथा जब्ती का लेखांकन</p> <p><u>ऋणपत्रों का निर्गमन</u> :- ऋणपत्रों का अर्थ, प्रकार, ऋणपत्रों का निर्गमन (उपचार), ऋणपत्र निर्गमन करने की शर्तें, ऋणपत्र पर ब्याज, ऋणपत्र निर्गमन पर छूट/हानि का अभिलेखन</p> <p><u>कम्पनी के वित्तीय विवरण</u> :- वित्तीय विवरण के प्रकार</p> <p><u>लेखांकन अनुपात</u> :- लेखांकन अनुपात के प्रकार, अर्थ, उद्देश्य, लाभ और सीमाएं</p> <p><u>रोकड़ प्रवाह विवरण</u> :- रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करने हेतु क्रिया-कलापों का वर्गीकरण, AS3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना</p> <p><u>कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का अवलोकन</u> :- परिचय, लेखांकन में प्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की विशेषताएं, CAS की संरचना, सॉफ्टवेयर पैकेज : सामान्य, विशिष्ट, अनुरूपित</p> <p><u>इलैक्ट्रॉनिक्स स्रैडसीट के लेखांकन का अनुप्रयोग</u> :- इलैक्ट्रॉनिक्स स्रैडसीट की अवधारणा और विशेषताएं, लेखांकन जानकारी उत्पन्न करने में अनुप्रयोग- बैंक समाधान विवरण, सम्पत्ति लेखांकन, ऋण, ऋण का पूनर्भूगतान, अनुपात विश्लेषण</p> <p><u>डाटा प्रतिनिधित्व</u> :- ग्राफ, चार्ट और आरेख</p> <p><u>कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली</u> :- CAS की स्थापना के चरण, खाता शीर्षों का पदानुक्रम और सहिताक्रम, खातों का निर्माण, डाटा प्रविष्टि, मान्यकरण और सत्यापन, प्रविष्टियों को समायोजित करना, बैलेंस शीट तैयार करना, प्रविष्टियों को बन्द करने खोलने के साथ लाभ हानि खाता, सिस्टम की आवश्यकता और सुरक्षा विशेषताएं</p> <p><u>एमएसएमईडी और व्यवसायिक उद्यमिता</u> :- एमएसएमईडी अधिनियम 2006 के अनुसार - लघु उद्यम का अर्थ, उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार का अर्थ और प्रकार</p> <p><u>आंतरिक व्यापार</u> :- थोक व्यापार, खुदरा व्यापार, वस्तु और सेवा कर (GST)</p> <p><u>अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार</u> :- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार-एक परिचय, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान और समझौता</p> <p><u>उपभोक्ता संरक्षण</u> :- उपभोक्ता संरक्षण का परिचय और महत्व, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 (2019 में संशोधन)</p> <p>विषय से संबंधी शिक्षाशास्त्र</p> |
|--|

| भूगोल |   |
|-------|---|
| A     | <p>भारत का भूगोल-</p> <p>भारत-आकार, अवस्थिति और पड़ोसी देश, प्राकृतिक संरचना और भौतिक विभाजन, जलनिकास, जलवायु और मानसून, प्राकृतिक वनस्पति और जीव जन्तु, प्राकृतिक आपदाएँ और संकट, जल संसाधन, भूमि संसाधन और कृषि, खनिज और ऊर्जा संसाधन, विनिर्माण उद्योग, जनसंख्या-वितरण, घनत्व, वृद्धि, संघटन, मानव आवास-प्रकार, प्रतिरूप और वितरण, परिवहन और संचार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, भारत में आपदाएँ और संकट, योजना और सतत विकास भारतीय संदर्भ में चयनित</p> |

|   |  |
|---|--|
|   | मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।  |
| B | भौतिक भूगोल—<br>भूगोल एक विषय के रूप में, इसका विकास और कार्यक्षेत्र, सौर मण्डल, पृथ्वी की गतियां, पृथ्वी की उत्पत्ति और विकास, महासागर और महाद्वीपों की उत्पत्ति और वितरण, पृथ्वी की आन्तरिक संरचना और संघटन, भू-आकृतिक प्रक्रियाएं स्थलरूप और उनका विकास, वायुमण्डल की संरचना और संघटन, सौर विकिरण, ताप-संतुलन और तापमान, वायुमण्डलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली, वायुमण्डल में जल, विश्व की जलवायु और जलवायु परिवर्तन, समुद्री जल और उसकी गति, जैव विविधता और संरक्षण, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र। |
| C | मानव भूगोल:—<br>मानव भूगोल: अर्थ, सिद्धान्त, प्रकृति और कार्यक्षेत्र, मानव विकास, आर्थिक क्रियाएं—प्राथमिक, द्वितीयक तृतीयक और चतुर्थक क्रियाएं, विश्व जनसंख्या—वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन, परिवहन और संचार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।  |

| राजनीतिक विज्ञान |  |
|------------------|--|
| A                | राजनीतिक सिद्धान्त :—<br>प्रकृति, दायरा और महत्व, राजनीतिक सिद्धान्त गिरावट और पुनर्गठन, राज्य-तत्त्व और विभिन्न मूल सिद्धान्त, प्रकृति कार्य, समप्रभूता, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, नागरिकता, राष्ट्रवाद, धर्मनिर्पेक्षता, शान्ति, विकास की अवधारणा, सविधानवाद, उपभोक्ता के अधिकार, नारीवाद<br>सरकार के रूप :—<br>लोकतंत्र, तानाशाही, संसदात्मक और अध्यक्षतात्मक (ब्रिटेन, भारत और अमेरिका), एकात्मक, संघीय (ब्रिटेन, भारत और अमेरिका)<br>लोकतंत्र :—<br>विभिन्न अवधारणा, विभिन्न प्रकार, लोकतंत्र के विभिन्न सिद्धान्त, पद्धति और प्रतिनिधित्व, लोकतंत्र के लिए संघर्ष विभिन्न आंदोलन, लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियां, असमानता, निर्धनता, आर्थिक प्रगति और विकास, अनपढ़ता, भाषावाद और क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिकता और जातिवाद, अलगाववाद, राजनीतिक शोषण, राजनीतिक एकीकरण, लिंग समस्याएं, धर्म समस्याएं |
| B                | भारतीय सविधान:—<br>सविधानिक विकास, सविधान की निर्माण प्रक्रिया, स्रोत, विशेषताएं, प्रस्तावना, राजनीतिक दर्शन, नागरिकता, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, संघ कार्यकारी राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद, संघीय विधायिका, मंत्री परिषद की संरचना, प्रक्रिया, संघ विधायिका संरचना और कानून निर्माण प्रक्रिया, समितियां, सविधान संशोधन प्रक्रिया, सविधान का राजनीतिक और आर्थिक दर्शन, राज्य विधानसभा<br>भारतीय न्याय पालिका :—<br>सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनः निरीक्षण, जनहित याचिका, सूचना  |

|   |   |
|---|---|
|   | <p>का अधिकार, संघवाद, संघ और कार्य प्रणाली व सम्बन्ध, नीति आयोग, 73 वां संशोधन पंचायतीराज अधिनियम, 74 वां संशोधन शहरी शासन अधिनियम चुनाव आयोग, स्थानीय सरकार, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव सुधार, दलबदल की राजनीति, भारत में पार्टी प्रणाली, राष्ट्रीय और प्रान्तीय सरकार, दबाव समूह, हित समूह, गठबंधन सरकार, आरक्षण की राजनीति</p>   |
| C | <p><u>अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध और राजनीति :-</u><br/> अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का मूल्यांकन और विभिन्न आयाम, राष्ट्र शक्ति, राष्ट्र हित, शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा, विश्व सरकार, नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली, विश्व व्यापार संगठन</p> <p><u>सयुक्त राष्ट्र संघ :-</u><br/> अंग और मूल्यांकन, सयुक्त राष्ट्र संघ की विशेष शाखाएं, सुरक्षा परिषद की भूमिकाएं, सयुक्त राष्ट्र संघ के सचिव की भूमिका, सयुक्त राष्ट्र संघ में जनतान्त्रीकरण, राष्ट्र संघ और एक ध्रुवीय विश्व, सयुक्त राष्ट्र संघ और समकालिन विश्व में सुरक्षा, सयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार,</p> <p><u>भारत की विदेश नीति :-</u><br/> मूल सिद्धान्त, भारत और पड़ोसी देश (पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और चीन), भारत और सयुक्त राष्ट्र संघ के सम्बन्ध, भारत अमेरिका सम्बन्ध, भारत रूस सम्बन्ध, शीत युद्ध का दौर, शीत युद्ध और पूर्व शीत युद्ध, गुटनिर्पेक्षता और उसका महत्व, दो ध्रुवीयता का अन्त, नई विश्व व्यवस्था, यूरोपियन यूनियन, दक्षिण एशिया क्षेत्रिय सहयोग संगठन (सार्क), दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का समूह (आसियान), विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, G20 में भारत की भूमिका, समूह 20, संघाई सहयोग संगठन (ब्रिक्स ब्राजिल, रूस, भारत और चीन), भारत की सुरक्षा रणनीति, भारत की परमाणु नीति, निरस्त्रीकरण, वैश्वीकरण, पर्यावरण, अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र</p> |

| इतिहास |   |
|--------|---|
| A      | <p><u>प्राचीन भारत:</u><br/> प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ आखेटक-संग्रहक से नव पाषाण क्रान्ति। हडप्पा सभ्यता पुरास्थल एवं प्रमुख विशेषताएँ इत्यादि। धार्मिक प्रवृत्तियाँ वैदिक, बौद्ध एवं जैन आधारभूत तथ्य एवं तुलना। महाजनपद काल राजनीति एवं अर्थव्यवस्था, मौर्य साम्राज्य प्रशासन एवं नीतियाँ। विदेशी आक्रमण एवं उनको भारतीय संस्कृति में समावेश। उत्तर मौर्य-कालीन राज्य एवं भारत में राजनैतिक विकास। दक्षिणी राज्य चालुक्य, पल्लव एवं चोल। प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य व्यापार एवं मुख्य व्यापारिक मार्ग, शहरीकरण। गुप्त एवं वर्धन-साम्राज्य सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन, अर्थव्यवस्था, प्रशासन इत्यादि। विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रसार। कला एवं स्थापत्य प्राचीन काल से उत्तर गुप्त काल तक।</p> |
| B      | <p><u>मध्यकालीन भारत:</u><br/> मध्यकालीन भारत के स्रोत (700 ई० से 1750 ई०) पूर्व मध्यकाल में शासक एवं राजवंश (700ई० से 1200ई०) त्रिपक्षीय संघर्ष पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट, राजा दाहिर और अनंगपाल, सुहलदेव एवं पृथ्वीराज चौहान। दिल्ली सल्तनत एवं मुगल</p>   |

|   |   |
|---|---|
|   | <p>प्रशासन एवं नीतियाँ, विजयनगर— साम्राज्य, छत्रपति—शिवाजी एवं मराठा, मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य, भाषाएँ एवं साहित्य इत्यादि। सामाजिक—धार्मिक आन्दोलन (भक्ति, सूफी, सिख गुरु परम्परा, नयनार, अलवार इत्यादि) व्यापार एवं वाणिज्य, कला एवं स्थापत्य, शहरी केन्द्र, मध्यकालीन भारत के दौरान कृषि प्रधान समाज।</p>  |
| C | <p><u>आधुनिक भारत:</u><br/> आधुनिक भारत के स्रोत, अठारहवीं शताब्दी में भारत, यूरोपियन कंपनी और बंगाल व अन्य भारतीय राज्यों में उनका संघर्ष। भू—राजस्व व्यवस्था में परिवर्तन एवं आरंभिक भारतीय प्रतिरोध। 1857 की क्रान्ति कारण, घटनाएँ, स्वरूप एवं परिणाम। अठारहवीं शताब्दी में भारतीय पुर्नजागरण महिला एवं निम्न जाति—मुक्ति। ब्रिटिश शिक्षा नीति, उपनिवेशीकरण और स्वदेशी वस्त्र उद्योग पर इसका प्रभाव, औद्योगिकीकरण का उदय। औपनिवेशिक काल के दौरान शहरीकरण एवं स्थापत्य। राष्ट्रवाद का उदय, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1885—1947), स्वतंत्रता एवं विभाजन में गांधी जी, नेता जी एवं आजाद हिन्द फौज की भूमिका। भारतीय संविधान का निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में हरियाणा की भूमिका। भारतीय स्वतंत्रता के 50 वर्ष।</p> |
| D | <p><u>विश्व इतिहास:</u><br/> मानव विकास का इतिहास: होमो—सेपियंस का उदगम, प्रागैतिहासिक मानव इतिहास, औजार इत्यादि। मेसोपोटामिया, मिश्र, यूनान और रोमन सभ्यताएँ। इस्लाम का उदय: खलीफा, धर्मयुद्ध और कन्फ्युशियसवाद, यहूदि और पारसी दर्शन। चंगेज खॉ और मंगोल साम्राज्य। मध्यकाल के दौरान यूरोप में सामंतवाद। यूरोप के सामाजिक व राजनीतिक जीवन में चर्च की भूमिका। यूरोपियन पुर्नजागरण मध्यकालीन यूरोप में शहरी केन्द्रों का विकास। माया सभ्यता और इंका सभ्यता। सत्रहवीं और उन्नसवीं शताब्दी के दौरान यूरोप में राष्ट्रवाद। इण्डो—चीन में राष्ट्रवाद। उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, जापान और चीन में आधुनिकीकरण यूरोपियन उपनिवेश से साम्यवादी राज्य तक।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p>                               |

| अर्थशास्त्र |   |
|-------------|---|
| A           | <p><u>अर्थशास्त्र</u> :- अर्थ, परिभाषाएँ, क्षेत्र, आर्थिक समस्याएँ, उत्पादन संभावना तक</p> <p><u>आंकड़ा संकलन</u> :- आंकड़ों के स्रोत, आंकड़ें संकलन की विधियाँ, राष्ट्रीय पतिदर्श सर्वेक्षण संस्थान (एन. एस. एस. ओ.) भारत की जनगणना</p> <p><u>आंकड़ा प्रस्तुतीकरण</u> :- ज्यामितिय विधियां (दण्ड आरेख तथा वृत्तचित्र), आवृत्ति रेखाचित्र (आयतचित्र, बहुभुज, ओजाईव वक्र, तोरण वक्र), अंकगणित रेखा ग्राफ (समय श्रृंखला ग्राफ)</p> <p><u>केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप</u> :- समांतर माध्य (साधारण एवं भारित), हरात्मक माध्य, ज्यामितिय माध्य, माध्यिका, बहुलक, दशमक, चतुर्थक, शतमक</p> <p><u>परीक्षेपण के माप</u> :- परास, चतुर्थक, विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन, सापेक्ष</p> |

|   |  |
|---|--|
|   | <p>परिक्षेपण के माप</p> <p><u>सहसंबंध</u> :- प्रकीर्ण आरेख, कार्ल पियरसन (कार्ल पियर्सन विधि), स्पीयरमैन श्रेणी सह संबंध विधि, समवर्ती विचलन विधि</p> <p><u>सूचकांक</u> :- अर्थ, सूचकांक के प्रकार, सूचकांक के प्रयोग, उपभोक्ता कोमत सूचकांक, थोक कीमत सूचकांक, ए.आई.सी.पी.आई.एम.— विभिन्न अखिल भारतीय उपभोक्ता कीमत सूचकांक, समय उत्क्रमण परीक्षण (टाईप रिवर्सल टेस्ट) तथा कारक उत्क्रमण परिक्षण (फ्रैक्चर रिवर्सल टेस्ट), आधार वर्ष स्थानान्तरण</p> <p><u>स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थ व्यवस्था</u><br/>स्वतंत्रता पूर्व तथा स्वतंत्रता उपरान्त भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ ।</p> <p><u>आर्थिक नियोजन</u> :- अर्थ, योजना आयोग, भारतीय आर्थिक नियोजन की विशेषताएँ, पंचवर्षीय योजनाएँ, पंचवार्षीय योजनाओं की सफलता तथा असफलताएँ, हरित क्रान्ति, नीति आयोग</p> <p><u>नए आर्थिक सुधार</u> :- नई आर्थिक नीति—1991, एल. पी. जी. (उदारवाद, नीतिकरण तथा वैश्वीकरण)</p>  |
| B | <p><u>निर्धनता</u> :- निर्धनता के प्रकार, भारत में निर्धनता का संख्यात्मक विश्लेषण, निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम (योजनाएँ)</p> <p><u>ग्रामीण विकास</u> :- ग्रामीण विकास हेतु विभिन्न योजनाएँ तथा कार्यक्रम, कृषि साख, सहकारी बैंक, कृषि विपणन, नाबार्ड</p> <p><u>रोजगार</u> :- अर्थ, बेरोजगारी के प्रकार, रोजगार संवर्धन योजनाएँ</p> <p><u>अवसंरचना</u> :- उर्जा, परिवहन तथा संचार, सिचाई, स्वास्थ्य, वित्तीय संस्थाएँ</p> <p><u>धारणीय विकास (सतत् विकास)</u> :- अर्थ, धारणीय विकास का माप, विकास में पर्यावरण की भूमिका, पर्यावरण प्रदूषण</p> <p><u>(जी. डी. पी.) एकल घरेलु उत्पाद</u> :- राष्ट्रीय आय की अवधारणा, मानव विकास सूचकांक, एच. पी. आई. सूचकांक (मानव गरीबी सूचकांक), जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक (PQLI)</p> <p><u>व्यष्टि अर्थशास्त्र</u> :- परिभाषाएँ, प्रकृति तथा क्षेत्र, सीमितताएँ</p> <p><u>आर्थिक समस्याएँ (केन्द्रीय समस्याएँ)</u> :- अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ, उत्पादन संभावना वक्र तथा इसके अनुप्रयोग, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था, मिश्रित अर्थव्यवस्था, समाजवादी अर्थव्यवस्था, अवसर लागत</p> <p><u>उपभोक्ता व्यवहार</u> :- उपयोगिता विश्लेषण— गणनावाचक तथा क्रमवाचक, कीमत रेखा (बजट रेखा), तटस्था वक्र तथा इसकी विशेषताएँ, तटस्था वक्र के अनुप्रयोग, उपभोक्ता संतुलन, प्रतिस्थापन सीमांत दर (MRS)</p> |

|   |  |
|---|--|
|   | <p><u>माँग विश्लेषण</u> :- माँग का नियम, सामान्य निम्नकोटि तथा गिफफन वस्तुएँ, निर्धारक तत्व, माँग के अपवाद, कोमत प्रभाव, आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव, हिकल तथा स्लटस्की के सिद्धान्त, प्रकट वरीयता सिद्धान्त</p> <p><u>माँग की लोच</u> :- माँग की लोच की श्रेणियाँ, प्रकार तथा माप, माँग की कीमत लोच तथा माँग की आय लोच का महत्व</p> <p><u>उत्पादन फलन</u> :- मूल अवधारणाएँ, पैमाने के प्रतिफल के नियम, कारक के प्रतिफल के नियम, पैमाने की बचतें एवं हानियाँ, तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर</p> <p><u>लागत</u> :- लागत के परंपरावादी तथा आधुनिक सिद्धान्त, लागत की अवधारणाएँ, अल्पकाल तथा दीर्घकाल लागतें, विभिन्न लागत वक्र के मध्य परस्पर संबंध</p>  |
| C | <p><u>राजस्व</u> :- राजस्व की अवधारणाएँ एवं उनके मध्य अतर्संबंध ।</p> <p><u>बजार</u> :- पूर्व प्रतियोगिता, फर्म तथा उद्योग का संतुलन, पूर्ति वक्र, बाजार कीमत तथा सामान्य कीमत, नियंत्रण मूल्य तथा समर्थन मूल्य, खाद्य-उपलब्धता के गिरावट सिद्धान्त</p> <p><u>एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतियोगिता तथा अल्पाधिकार</u> :- विशेषताएँ अल्पाधिकार तथा अधिकार के विभिन्न मॉडल के मध्य तुलना</p> <p><u>समष्टि अर्थशास्त्र</u> :- प्रकृति, क्षेत्र तथा सीमितताएँ, स्टॉक तथा प्रवाह आय का चक्रीय प्रवाह, वास्तविक तथा मौद्रिक प्रवाह, दो, तीन तथा चार क्षेत्रीय मॉडल रिसाव तथा समावेशन</p> <p><u>राष्ट्रीय आय</u> :- राष्ट्रीय आय संबन्धित समुच्चय, आय विधि, उत्पाद विधि, व्यय विधि, राष्ट्रीय आय लेखांकन, मौद्रिक राष्ट्रीय आय, वास्तविक सकल घरेलु उत्पाद, सकल राष्ट्रीय उत्पाद अपस्कायक</p> <p><u>मुद्रा</u> :- मुद्रा का अर्थ एवं परिभाषाएँ, निकट मुद्रा अवधारणा, मुद्रा के कार्य, मुद्रा पूर्ति के निर्धारित तत्व, भारतीय रिजर्व बैंक तथा मौद्रिक मुद्रा पूर्ति के नियंत्रण में बैंक की भूमिका, केन्द्रीय बैंक के एकल वाणिज्यिक बैंक के कार्य, साख निर्माण</p> <p><u>उत्पादन एवं रोजगार का निर्धारण</u> :- समग्र माँग तथा समग्र पूर्ति विश्लेषण, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति, औसत उपभोग प्रवृत्ति, औसत बचत प्रवृत्ति, सोमान्त वचत प्रवृत्ति, पूंजी की सीमान्त कुशलता, पूर्ति कीमत, अनुमानित आय, रोजगार का परंपरावादी तथा केंजीमन सिद्धान्त, उपभोग परिकल्पनाएँ</p> <p><u>निवेश गुणक</u> :- अर्थ, सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति तथा गुणक, गुणक के आगामी तथा प्रतिगामी क्रिया विधि, स्थैतिक एवं गत्यात्मक गुणक</p> <p><u>न्यून एवं अधिमाँग</u> :- मुद्रा सांकेतिक अन्तराल, न्यून एवं अधिमाँग की समस्या को नियंत्रित करने के उपाय, मौद्रिक नीति की भूमिका, राजकोषीय नीति तथा विदेशी व्यापार नीति</p> |

|  |  |
|--|--|
|  | <p><u>सरकारी बजट</u> :- बजट का अर्थ, उद्देश्य एवं सरंचना, बजट प्राप्तियाँ, कर एवं करेतर (गैर कर) प्राप्तियाँ, बजट व्यय, बजट घाटा- अर्थ, प्रकार तथा माप, घाटे की वित्त व्यवस्था, संतुलित बजट</p> <p><u>विदेशी विनियम दर</u> :- अर्थ, प्रकार, विनियम दर, सिद्धान्त, भुगतान संतुलन, सरंचना एवं घटक, भुगतान संतुलन में असंतुलन, प्रतिकूल भुगतान, संतुलन को ठीक करने के उपाय, नियोजन काल में व्यापार संतुलन, भुगतान संतुलन प्रवृत्तियाँ</p> |
|--|--|

| गणित |   |
|------|---|
| A    | <p>अंकगणित, बीजगणित और त्रिकोणमिति: वास्तविक संख्या प्रणाली और उसका विश्लेषण, समांतर श्रेणी, बहुपद, दो चरों वाले रैखिक समीकरण, द्विघात समीकरण, त्रिकोणमिति का परिचय और ऊर्चाई और दूरियां खोजने के लिए उसका अनुप्रयोग।</p> <p>ज्यामिति और क्षेत्रमिति: यूक्लिड की ज्यामिति, रेखाएं और कोण, त्रिभुजों की संवर्गसमता और समरूपता, चतुर्भुज, वृत्त, हीरोन का सूत्र, वृत्तों से संबंधित क्षेत्रफल, ठोसों के संयोजन का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन।</p> <p>सांख्यिकी और प्रायिकता: दंड आरेख, आयतचित्र, बारंबारता बहुभुज, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप: माध्य, माध्यक, बहुलक और प्रकीर्णन के माप: वर्गीकृत तथा अवर्गीकृत आंकड़ों के लिए सीमा, माध्य विचलन, प्रसरण तथा मानक विचलन, प्रायिकता का सैद्धान्तिक (अभिगृहीतीय) दृष्टिकोण, सप्रतिबंध प्रायिकता, प्रायिकता गुणन नियम, स्वतंत्र घटनाएँ, बेज-प्रमेय, संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय</p> |
| B    | <p>सम्मिश्र संख्याएँ और द्विघात समीकरण, आर्गंड तल, रैखिक असमिकाएँ, रैखिक प्रोग्रामन समस्या और उसका गणितीय सूत्रीकरण, क्रमचय और संचय, द्विपद प्रमेय, पास्कल त्रिभुज, अनुक्रम तथा श्रेणी (गुणोत्तर श्रेणी) समांतर माध्य तथा गुणोत्तर माध्य के बीच संबंध, आव्यूह तथा उसके प्रकार, आव्यूहों पर संक्रियाएँ, आव्यूह का परिवर्त, सममित तथा विषय सममित आव्यूह, व्युत्क्रमणीय आव्यूह, एक, दो व तीन कोटि के आव्यूह का सारणिक, सारणिक द्वारा त्रिभुज का क्षेत्रफल, उपसारणिक और सहखंड,</p> <p>आव्यूह के सहखंडन और व्युत्क्रम, आव्यूहों के व्युत्क्रम द्वारा रैखिक समीकरणों के निकाय का हल।</p>  |
| C    | <p>गणना : सीमा का सहजानुभूत बोध, बहुपद फलन, परिमेय फलन, त्रिकोणमितीय, घातीय और लघुगणकीय फलनों की सीमाएँ, सांतत्य और अवकलनीयता की परिभाषा, संतत तथा अवकलनीय फलनों का बीजगणित, अवकलनीयता की परिभाषा, बहुपद फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों, संयुक्त फलन, अस्पष्ट फलनों, प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलनों के अवकलज, श्रंखला नियम, चरघातांकी तथा लघुगणकीय फलनों के अवकलज, लघुगणकीय अवकलन फलनों के प्राचलिक रूपों के अवकलज, द्वितीय कोटि अवकलज, राशियों की परिवर्तन की दर, अवकलज के अनुप्रयोग, वर्धमान और ह्रासमान फलन, उच्चतम और निम्नतम समाकलन की</p>   |



|   |
|---|
| <p>प्रक्रिया, समाकलन की विभिन्न विधियाँ, कलन की आधारभूत प्रमेय, प्रतिस्थापन द्वारा निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात करना, निश्चित समाकलनों के गुणधर्म, समाकलन के अनुप्रयोग, साधारण वक्रों के अंतर्गत क्षेत्रफल।</p> <p>सदिश तथा निर्देशांक ज्यामिति – द्वि-विमीय तथा त्रि-विमीय निर्देशांक ज्यामिति, सरल रेखाएँ, शंकु के परिच्छेद (वृत्त, दीर्घ वृत्त, परवलय और अतिपरवलय, एक बिन्दु, एक सरल रेखा तथा प्रतिच्छेदी रेखाओं का एक युग्म, शंकु परिच्छेद अपभ्रष्ट के रूप में), त्रिविमीय अंतरिक्ष में निर्देशांक तथा निर्देशांक तल, दो बिन्दुओं के बीच की दूरी, सदिश की परिभाषा, स्थिति सदिश, दिक् कोसाइन। सदिश के प्रकार, सदिशों का योगफल, एक अदिश से सदिश का गुणन, एक सदिश के घटक, दो बिन्दुओं को मिलाने वाला सदिश, विभाजन सूत्र, दो सदिशों का अदिश गुणनफल, रेखा के दिक् कोसाइन तथा दिक् अनुपात, अंतरिक्ष में रेखा का समीकरण, दो रेखाओं के मध्य कोण, दो रेखाओं के मध्य न्यूनतम दूरी। विषय संबंधी शिक्षा शास्त्र।</p> |
|---|

| मनोविज्ञान |   |
|------------|---|
| A          | <p>मन एवं व्यवहार की समझ; मनोविज्ञान विद्या शाखा की प्रसिद्ध धारणाएँ; मनोविज्ञान का उद्भव; भारत में मनोविज्ञान का विकास; मनोविज्ञान की शाखाएँ; मनोविज्ञान एवं अन्य विद्या शाखाएँ; दैनंदिन जीवन में मनोविज्ञान।</p> <p>मनोविज्ञान में जांच की विधियाँ; मनोवैज्ञानिक जांच के लक्ष्य; मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण; अनुसंधान के वैकल्पिक प्रतिमान; मनोवैज्ञानिक प्रदत्त का स्वरूप; मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियाँ— प्रेक्षण विधि, प्रायोगिक विधि, सहसंबंधात्मक अनुसंधान, सर्वेक्षण अनुसंधान, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, व्यक्ति अध्ययन, प्रदत्त विश्लेषण; परिमाणात्मक विधि, गुणात्मक विधि, मनोवैज्ञानिक जांच की सीमाएँ; नैतिक मुद्दे।</p> <p>संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ— जगत का ज्ञान; उद्दीपक का स्वरूप एवं विविधता; संवेदन प्रकारताएँ; ज्ञानेंद्रियों की प्रकार्यात्मक सीमाएँ; अवधानिक प्रक्रियाएँ— चयनात्मक अवधान, संधृत अवधान, प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएँ; प्रत्यक्षण के प्रक्रमण उपागम; प्रत्यक्षणकर्ता, प्रात्यक्षिक संगठन के सिद्धांत— स्थान, गहनता तथा दूरी प्रत्यक्षण: एक नेत्री संकेत एवं द्विनेत्री संकेत, प्रात्यक्षिक स्थैर्य; भ्रम; प्रत्यक्षण पर सामाजिक—सांस्कृतिक प्रभाव।</p> <p>अधिगम:— अधिगम का स्वरूप; अधिगम के प्रतिमान; प्राचीन अनुबंधन: प्राचीन अनुबंधन के निर्धारक, क्रिया प्रसूत/नैमित्तिक अनुबंधन; क्रिया प्रसूत अनुबंधन के निर्धारक, प्रमुख अधिगम प्रक्रियाएँ— प्रेक्षणात्मक अधिगम; संज्ञानात्मक अधिगम; वाचिक अधिगम; कौशल अधिगम; अधिगम को सुगम बनाने वाले कारक; अधिगम अशक्तताएँ।</p> <p>मानव स्मृति:— स्मृति का स्वरूप; सूचना प्रक्रमण उपागम: अवस्था मॉडल; स्मृति तंत्र: संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृतियाँ; प्रक्रमण स्तर; दीर्घकालिक स्मृति के प्रकार— प्रक्रिया मूलक एवं घोषणात्मक, घटनापरक एवं आर्थी स्मृति, विस्मरण के स्वरूप एवं कारण: चिन्ह हास, अवरोध एवं पुनरुद्धार की असफलता के कारण</p> |

|   |   |
|---|---|
|   | <p>विस्मरण, स्मृति वृद्धि: प्रतिमाओं के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत, संगठन के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत।</p>  |
| B | <p>मानव विकास:- विकास का अर्थ; विकास का जीवन पर्यंत परिप्रेक्ष्य; विकास को प्रभावित करने वाले कारक; विकास का संदर्भ; विकासात्मक अवस्थाओं की समग्र दृष्टि- प्रसवपूर्व अवस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था की चुनौतियां, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था।</p> <p>चिंतन:- चिंतन का स्वरूप; चिंतन के आधारभूत तत्व; चिंतन की प्रक्रिया; समस्या समाधान; तर्कना; निर्णयन; सृजनात्मक चिंतन का स्वरूप एवं प्रक्रिया- सृजनात्मक चिंतन का स्वरूप, सृजनात्मक चिंतन की प्रक्रिया, विचार एवं भाषा- भाषा एवं भाषा के उपयोग का विकास।</p> <p>अभिप्रेरणा एवं संवेग:- अभिप्रेरणा का स्वरूप; अभिप्रेरणा के प्रकार- जैविक अभिप्रेरक, मनोसामाजिक अभिप्रेरक, मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम; संवेगों का स्वरूप; संवेगों की अभिव्यक्ति: संस्कृति एवं संवेगात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगों का नामकरण, निषेधात्मक संवेगों का प्रबंधन; विध्यात्मक संवेगों में वृद्धि।</p> <p>आत्म एवम् व्यक्तित्व- आत्म का संप्रत्यय; आत्म के संज्ञानात्मक एवम् व्यवहारात्मक पक्ष; संस्कृति एवम् आत्म; व्यक्तित्व का संप्रत्यय; व्यक्तित्व के अध्ययन के प्रमुख उपागम: प्रारूप उपागम, विशेषक उपागम, मनोगतिक उपागम, व्यवहारवादी उपागम, सांस्कृतिक उपागम, मानवतावादी उपागम; व्यक्तित्व का मूल्यांकन: आत्म-प्रतिवेदन माप, प्रक्षेपी तकनीक, व्यवहारपरक विश्लेषण।</p> <p>दबाव- दबाव का मनोवैज्ञानिक प्रकार्य एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव- दबाव एवं स्वास्थ्य, सामान्यानुकूलन सिद्धांत, दबाव तथा प्रतिरक्षकतंत्र, जीवनशैली; दबाव का सामना करना- दबाव प्रबंधन तकनीक; सकारात्मक स्वास्थ्य तथा कुशल क्षेम का उन्नयन- जीवन कौशल, सकारात्मक स्वास्थ्य।</p> |
| C | <p>मानव प्रकार्यों में व्यक्तिगत भिन्नताएं- बुद्धि, बुद्धि के सिद्धांत- बुद्धि का एक कारक सिद्धांत, बुद्धि का द्वि-कारक सिद्धान्त, प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का सिद्धांत, बुद्धि संरचना मॉडल, बहु-बुद्धि का सिद्धांत, बुद्धि का त्रिचापीय सिद्धांत, बुद्धि का पास मॉडल; बुद्धि में व्यक्तिगत भिन्नताएं; संस्कृति तथा बुद्धि; सांवेगिक बुद्धि; विशिष्ट योग्यताएं- अभिक्षमता स्वरूप एवं मापन; सृजनात्मकता।</p> <p>मनोवैज्ञानिक विकार- अपसामान्यता तथा मनोवैज्ञानिक विकार के संप्रत्यय; ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मनोवैज्ञानिक विकारों का वर्गीकरण; अपसामान्य व्यवहार के अंतर्निहित कारक; प्रमुख मनोवैज्ञानिक विकार- दुर्श्चिता विकार- सामान्यकृत दुर्श्चिता विकार, आतंक विकार, दुर्भीति, मनोग्रस्ता-बाध्यता विकार, अभिघातज उत्तर दबाव विकार, कायरूप विकार, पीड़ा विकार, काय-आलंबिता विकार, परिवर्तन विकार, स्वकाय-दुर्श्चिता विकार, विच्छेद विकार, भावदशा विकार, मनोविदलन विकार, व्यवहारात्मक एवं विकासात्मक विकार, द्रव्य सेवन संबंध विकार।</p> <p>चिकित्सा उपागम- मनश्चिकित्सा की प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिकित्सात्मक संबंध, चिकित्सा के प्रकार- व्यवहार चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, मानवतावादी अस्तित्वपरक चिकित्सा, वैकल्पिक चिकित्सा, मानसिक रोगियों का पुनः स्थापन।</p>   |

|   |
|---|
| <p>अभिवृत्ति एवं सामाजिक संज्ञान— सामाजिक व्यवहार, अभिवृत्ति की प्रकृति एवं घटक, अभिवृत्ति निर्माण, अभिवृत्ति परिवर्तन, अभिवृत्ति व्यवहार संबंध, पूर्वाग्रह एवं भेदभाव, पूर्वाग्रह नियंत्रण की युक्तियां।</p> <p>सामाजिक प्रभाव एवं समूह प्रक्रम— समूह की प्रकृति एवं इसका निर्माण; समूह के प्रकार; व्यक्ति के व्यवहार पर समूह प्रभाव: सामाजिक अधिगम; सामाजिक स्वैराचार; समूह ध्रुवीकरण;</p> <p>शिक्षा शास्त्र से सम्बन्धित विषय।</p> |
|---|

| गृह विज्ञान |  |
|-------------|--|
| A           | <p>आहार, उसके कार्य, पोषण, पोषक तत्व, स्वास्थ्य, पोषण स्तर, कुपोषण, आहार एवं व्यक्तिगत स्वच्छता व साफ-सफाई, संतुलित आहार, खाद्य वर्ग, आहार आयोजन, नैदानिक पोषण एवं आहारिकी, जनपोषण तथा स्वास्थ्य, परिवार, समूह व समुदाय के स्वास्थ्य मानकों का ज्ञान, जीवन-चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में पोषण एवं जन कल्याण, जनपोषण तथा स्वास्थ्य, भारत के प्रमुख पोषण संबंधी कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी, खाद्य-संरक्षण, खाद्य की गुणवत्ता एवं सुरक्षा, भारत में खाद्य मानक नियमन, शोध और व्यापार से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और समझौते, खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियां।</p>  |
| B           | <p>वृद्धि व विकास की अवधारणा, वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सिद्धान्त, खेल, जीवन चक्र को विभिन्न अवस्थाएँ, आयु विशेष से सम्बन्धित विकास के मानक (जन्म से 3 साल) – क्रियात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक, ज्ञानात्मक, भाषात्मक, स्वयं को समझना— किशोरावस्था, शैशवावस्था प्रारम्भिक बाल्यावस्था— देखभाल एवं शिक्षा, बच्चों, युवाओं तथा वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थाओं और कार्यक्रमों का प्रबंधन, युवा एवं वृद्धजन, परिवार-प्रकार, कार्य एवं व्यक्ति के समग्र विकास में इसका महत्व, पारिवारिक संसाधन-प्रकार एवं विशेषताएँ—समय प्रबंधन, ऊर्जा-प्रबंधन, धन-प्रबंधन, कार्य-सरलीकरण, कूड़ा-कचरा निस्तारण, आतिथ्य प्रबंधन, उपभोक्ता शिक्षा एवं संरक्षण, सुरक्षा के उपाय एवं आपातकालीन स्थितियों में प्रबंधन, प्राथमिक सुरक्षा।</p> |
| C           | <p>तन्तु- वर्गीकरण एवं विभिन्न तन्तुओं की विशेषताएँ, कपड़ा विनिर्माण की विधियाँ, सूत प्रसंस्करण, वस्त्र हमारे आस-पास, भारत के वस्त्र परंपराएँ, परिधान-कार्य, महत्त्व व विभिन्न आयुवर्ग के लिए परिधानों का चुनाव, घर एवं संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल एवं रख-रखाव, दाग-धब्बे छुड़ाने की प्रक्रिया, कपड़े व परिधान के डिजाईन, फैशन डिजाईन व व्यापार, गृह-विज्ञान की संकल्पना व मूल अवधारणा, गृह-विज्ञान का कार्यक्षेत्र व सम्भावनाएँ एवं गृह-विज्ञान ने नए उभरते विकल्प, संचार-माध्यम एवं प्रौद्योगिकी, कार्य, आजीविका व जीविका, उद्यमी व उद्यमिता, विकास संचार तथा पत्रकारिता, सूचना एवं संचार-प्रौद्योगिकी, कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षा शास्त्र।</p>   |

| ललित कला |  |
|----------|--|
| A        | कला का परिचय, कला के सिद्धान्त, कला के षडंग, संस्कृति में कला का महत्व।  |
| B        | कला के पारम्परिक तथा आधुनिक तकनीक, कला की प्रक्रियाएँ (चित्रकला, मूर्तिकला, (प्रयुक्त कला) applied art, Mural (भित्ती चित्रण) तथा Multimedia बहुमाध्यमिक कला) परिप्रेक्ष्य, भारतीय लोक कला।            |
| C        | भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तथा इसका विकास, भारतीय कला का इतिहास तथा प्रागैतिहासिक काल से समकालीन काल तक applied art (प्रयुक्त कला), वास्तुकला तथा ग्राफिक समेत सबका विकास। शिक्षाशास्त्र से सम्बन्धित विषय। |

## Music

- A) परिभाषाएँ:— ध्वनि, नाद (आहत नाद, अनाहत नाद), मींड, कण, मुर्की, खटका, आलाप, तान, वादीस्वर, सम्वादी स्वर, अनुवादी स्वर, विवादी स्वर, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह, पकड़ स्थाई, अन्तरा, सम, ताली, खाली, विभाग, आवर्तन न्यास, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर, लय, ताल।
- उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति:— उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानताएँ वा विभिन्नताएँ, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में स्वर और ताल में विभिन्नताएँ, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति के आविष्कारक कौन थे, दोनों पद्धतियों की गायन शैलियों के नाम।
- जीवन परिचय:— पं० जसराज, किशोरी आमोनकर, पं० विष्णु दिगम्बर प्लुस्कर, पं० शारंगदेव, ओमकार नाथ ठाकुर, बड़े गुलाम अली खॉं, लता मंगेशकर, तानसेन, सदारंग—अदारंग, बैजूबावरा, सभी संगीतकारों का संगीत जगत में योगदान सहित सम्पूर्ण परिचय।
- ग्राम:— ग्राम का शाब्दिक अर्थ एवं परिभाषा, ग्राम के प्रकार (षड्ज ग्राम, मध्यम ग्राम, गन्धार ग्राम), मुर्चना का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा, मुर्चना के लक्षण, मुर्चना और आरोह में अन्तर, मुर्चना के प्रकार, षड्ज, मध्यम और गन्धार ग्राम की मुर्चनाओं के नाम।
- रागों का समय सिद्धान्त:— कोमल रे ध वाले रागों का समय निर्धारण अथवा सन्धि प्रकाश(राग), शुद्ध रे ध वाले राग का समय निर्धारण, कोमल गु नी वाले राग का समय निर्धारण, मध्यम के प्रयोग से समय निर्धारण (अर्धदर्शक स्वर का नियम), वादी—सम्वादी से समय निर्धारण, पूवांग और उतरांग प्रबल राग, ऋतुओं के अनुसार समय निर्धारण।
- थाट—राग गायक तथा वाग्गेयकार:— थाट की परिभाषा, उनके नाम, थाट के नियम, 10 थाटों में लगने वाले स्वर, राग की परिभाषा व नियम, राग और थाट में अन्तर, गायकों के गुण और अवगुण, वाग्गेयकार की परिभाषा तथा विशेषताएँ।
- निम्नलिखित रागों का पूर्ण शास्त्रीय परिचय:—भूपाली, भैरव, भैरवी, यमन, भीमप्लासी, वृन्दावनी साँरग, खमाज, आसावरी, जौनपुरी, यमन, देश, बिहाग। उपरोक्त रागों में थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी—सम्वादी स्वर प्रकृति, समप्रकृति राग, आरोह, अवरोह, पकड़ के स्वर तथा विशेषताएँ।
- तानपुरा का परिचय:— तानपुरे का अर्थ, तानपुरे की बनावट और तानपुरे के अंगों के नाम, तानपुरे की तारों को किन—2 सुरों में मिलाया जा सकता है, तानपुरे को किस तरह से बैठकर बजाया जा सकता है।
- संगीत ग्रंथ:—नाट्यशास्त्र, संगीतरत्नाकर और संगीत परिजात ग्रन्थ में कितने अध्याय संगीत से सम्बन्धित हैं, तीनों ग्रन्थों की संगीत सम्बन्धी विषय सामग्री, किस काल में लिखे गए थे, इन ग्रन्थों को किन ग्रन्थकारों ने लिखा।
- शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग:— शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रागों की परिभाषा, शुद्ध रागों के नाम लिखिए, छायालग रागों के नाम बताइये, संकीर्ण रागों के नामों का उल्लेख करिये, शुद्ध छायालग संकीर्ण राग वर्गीकरण किस काल में प्रचलित था।
- ताल:— तीनताल, एकताल, चौताल, रूपक ताल, झपताल, धमारताल, दादरा, कहरवा, उपरोक्त सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, उपरोक्त ताले किन गायन शैलियों के साथ बजाई जाती है, उपरोक्त तालों की थाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में लिखना।
- संगीत का इतिहास:— वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक, मध्यकाल से आधुनिक काल तक संगीत का इतिहास, आधुनिक काल में संगीत के क्षेत्र में सम्भावनाएँ।

|    |  |
|----|--|
| B) | <p>गतः—गत की परिभाषा, गत के प्रकार, गत की विशेषताएँ।<br/> झालाः— झाला की परिभाषा और विशेषताएँ, झाला की लय।<br/> तानः— तान की परिभाषा, तान के प्रकार।<br/> लक्षणगीतः—लक्षणगीत की परिभाषा तथा विशेषताएँ एवं भाग, वादकों के गुणों का वर्णन किजिए, वादकों के अवगुणों का वर्णन कीजिए, भविष्य में संगीत क्षेत्र में सम्भावनाएँ, मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग क्यों कहा गया, निखिल बैनर्जी और देबू चौधरी का जीवन परिचय तथा संगीत जगत में योगदान, विलायत खाँ का जीवन परिचय तथा संगीत जगत में योगदान, सितार की बनावट तथा इनके अंगों का नाम लिखते हुए सितार को सुर में मिलाने का ज्ञान।<br/> ध्वनिः—ध्वनि की विशेषता, तारता, तीव्रता, गुण।<br/> संगीतः— संगीत की परिभाषा(गायन,वादन,नृत्य), संगीत के प्रकार(शास्त्रीय संगीत, अर्ध शास्त्रीय संगीत), शास्त्रीय संगीत की गायन शैलियों के नाम, अर्धशास्त्रीय संगीत की गायन शैलियों के नाम, रविशंकर जी का जीवन परिचय और इनका संगीत के क्षेत्र में योगदान, अन्नपूर्णा देवी जी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान के बारे में लिखिए, राष्ट्रीय गान कब और किसने लिखा, उत्तर भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति व इसका महत्त्व, 'वैष्णव जन को पीर पराई' भजन किसने लिखा, संगीतकार की परिभाषा तथा विशेषताएँ।</p>   |
| C) | <p>परिभाषाएंः—उठान, पेशकार, चक्करदार जरब, काल, क्रिया, अंग, रेला, आमद, मोहरा, तिहाई, टुकड़ा कायदा, तिहाई, परन, जाति।<br/> तबले का दिल्ली घरानाः—तबले के दिल्ली घराने का उद्गम संस्थापक तथा प्रतिनिधित्व, शिष्य परम्परा, दिल्ली घराने की वादन विशेषताएँ।<br/> वाद्यों का वर्गीकरणः—वाद्यों की परिभाषा तथा वर्गीकरण, तत वाद्य, धन वाद्य, सुषिरवाद्यों, अवनद्य वाद्यों की विशेषता, तत, धन, अवनद्य, सुषिर वाद्यों के नाम।<br/> लयः— लय की परिभाषा, लय के प्रकार,तराना, ध्रुवपद, विलम्बित ख्याल, द्रुत ख्याल कौन—2 सी लय में गाए—बजाए जाते हैं।<br/> तालः— ताल की परिभाषा, ताल के 10 प्राणों का विस्तृत अध्ययन।<br/> जीवन परिचयः— जाकिर हुसैन, अल्ला रक्खा खाँ, किशन महाराज, उस्ताद अहमद जान थिरकवा।<br/> पखावजः—पखावज की संरचना और सुर में मिलाने का ज्ञान।<br/> तालों का तुलनात्मक अध्ययनः—चारताल—एकताल, झपताल—सूलताल, तीनताल—तिलवाडा ताल।<br/> तबलाः— तबले का उद्भव, तबला मिलाने की विधि, तबले के विभिन्न अंग व बोलों की जानकारी।<br/> लयकारियाँः—लयकारी की परिभाषा, लयकारी के प्रकार(दुगुन,तिगुन,चौगुन, आड, बिआड़, कुआड लयकारियों में कितनी मात्राओं का प्रयोग किया जाता है।<br/> ताल की पहचानः—तीलताल, झपताल,चारताल, धमार, एकताल, रुपक ताल में दिए गए बोल समूह से ताल को पहचानना, किसी भी एक ताल में तिहाई और परन लिखने की क्षमता।<br/> वाद्यों की जानकारीः— सरोद, वायलिन, दिलरुबा, इसराज, बाँसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी आदि वाद्यों की बनावट का अध्ययन।<br/> चक्करदार टुकड़ा और चक्करदार परन में अन्तर, नाट्यशास्त्र में वर्णित आंकिक, ऊर्ध्वक तथा आलिग्य अवनद्य वाद्यों का ज्ञान, दक्षिणी भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन, कुदरुँ सिंह (पखावज घराना) का जीवन परिचय, तथा संगीत जगत में योगदान, अन्तर बताईयेः—</p> |

|   |
|---|
| <p>ताली-खाली, दुगुन-दो आर्वतन, तिगुन-तिहाई, लय-लयकारी, तबला के विभिन्न घरानों का संक्षिप्त वर्णन एवं शिष्य परम्परा, पखावज के विभिन्न घरानों का संक्षिप्त वर्णन एवं शिष्य परम्परा।</p> <p>विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।</p> |
|---|

नोट:- एचटीईटी स्तर-III (पोजीटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर स्नातकोत्तर स्तर के मानक तक होगा।

विषय:- लेवल-III (पोजीटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।

Sample Questions

**CHILD DEVELOPMENT AND PEDAGOGY**

1. Due to an extended winter break, the school management arranges for classes during holidays, What will be your reaction as a teacher?
  - (i) Protest and not take classes.
  - (ii) Request reconsideration of decision.
  - (iii) Tell students to prepare on their own.
  - (iv) Accept it as your responsibility.
  
2. In your class you find that some student cannot understand a topic because of the wide gap in their previous knowledge. what would you do?
  - (i) Arrange extra classes to help them.
  - (ii) Ask the parents to arrange help at home
  - (iii) Continue with your classes.
  - (iv) Seek principle's help

**LANGUAGE (हिन्दी)**

3. शब्द की सही वर्तनी कौन सी है?
  - (i) आशीवाद
  - (ii) आशीर्वाद
  - (iii) आसीरवाद
  - (iv) आशिर्वाद

**LANGUAGE(ENGLISH)**

4. If you reach the school late, your Principal \_\_\_\_\_ angry
  - (i) will be
  - (ii) was being
  - (iii) has been
  - (iv) is being

**GENERAL STUDIES (QUANTITATIVE APTITUDE)**

5. If a half Kg of tomato costs 60 paisa then how many paisa does 200 gm tomato cost?
  - (i) 30 paisa
  - (ii) 24 paisa
  - (iii) 12 paisa
  - (iv) 18 paisa



### GENERAL STUDIES (REASONING ABILITY)

6. A man is facing west. He turns  $45^\circ$  in the clockwise direction and then  $180^\circ$  to his left and then  $270^\circ$  in the anticlockwise direction. Which direction he is facing now?
- (i) South-west
  - (ii) North- east
  - (iii) West
  - (iv) South

### GENERAL STUDIES (HARYANA G.K AND AWARENESS)

7. In which of the following location a National park is situated?
- (i) Sultanpur
  - (ii) Bhindawas
  - (iii) Nahar
  - (iv) AbubShahar

### MATHEMATICS

8. The place value of zero in 1341.01 is-----.
- (i) Hundreds
  - (ii) Tens
  - (iii) Units
  - (iv) Tenths
9. Which of the following numbers is divisible by 2, 4, 6 and 8.
- (i) 534800
  - (ii) 543888
  - (iii) 534810
  - (iv) 542316

### ENVIRONMENT STUDIES

10. The taste buds for bitter taste are present at the-
- (i) centre of tongue
  - (ii) tip of tongue.
  - (iii) edges of tongue.
  - (iv) back of tongue
11. Which part of the plant evaporates water?
- (i) Stomata.
  - (ii) Fruit.
  - (iii) Branch.
  - (iv) Root.

**Level-2 (TGT) For Teachers Class VI to VIII**

**CHILD DEVELOPMENT AND PEDAGOGY**

1. Raja, a Student of your class, is very tense due to the acne on his face. What will you do?
  - (i) Ignore him.
  - (ii) Tell him that it is normal and is due to hormonal changes.
  - (iii) Tell him to go to a doctor as it is a medical problem.
  - (iv) Scold and tell him not to waste time on these issues.
  
2. Twelve year old Radhika has begun to imitate the style of talking of her teacher. This form of behaviour is known as-
  - (i) Compensation
  - (ii) transference
  - (iii) sublimation
  - (iv) egocentrism

**LANGUAGE (हिन्दी)**

3. नीचे लिखे वाक्यों में से कौन-सा वाक्य सही है ?
  - (i) आप एक गिलास गरम दूध पी लीजिए।
  - (ii) आप गरम दूध का एक गिलास पीजिए।
  - (iii) आप एक गिलास गरम दूध पी लें।
  - (iv) आप एक गिलास पीजिए गरम दूध।

**LANGUAGE (ENGLISH)**

4. Select the word the correct spelling to fill in the blanks in the given sentence :  
I ..... a letter from my grandfather.
  - (i) recieved
  - (ii) received
  - (iii) resieved
  - (iv) recived

**QUANTATIVE APTITUDE**

5. In a group of 20 adults, there are 8 female, 9 literate persons out of which 6 are literate female. Find the number of male illiterate in the group.
  - (1) 4
  - (2) 8
  - (3) 12
  - (4) 9

## REASONING ABILITY

6. In a code language, if pen means pencil, pencil means eraser, eraser means paper, paper means book, book means table, table means chair and chair means desk, then on which of the following do we sit? (according to that code language)

- (i) Table      (ii) Paper  
(iii) Desk      (iv) Book

## HARYANA G.K. AND AWARENESS

7. Where the Haryana Vishwakarma Skill University is situated?

- (1) Dudhaura      (2) Ballabgarh  
(3) Sunaria      (4) Loharu

## SUBJECT SPECIFIC

हिन्दो

8. 'चल रहा मनुष्य है  
अश्रु,स्वेद,रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ  
अग्निपथ! अग्निपथ!  
प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने शअग्निपथ किस्के प्रतीक स्वरूप प्रयोग किया है?

- अ. राजनीतिक जीवन की विसंगतियाँ  
ब. सामाजिक विसंगतियाँ के प्रति  
स. धार्मिक रूढ़ियों से उपजे द्वन्द्व के प्रति  
द. संघर्षमय जीवन के प्रति

## ENGLISH

9. Identify the figure of speech in :

I must be cruel, only to be kind –

- (a) Epigram  
(b) Paradox  
(c) Metaphor  
(d) Synecdoche

## PUNJABI

10. ਹਰਮੁਖੀਆਂ ਨਾਮ ਨੂੰ ਸਮਝਾਓ 'ਨਿਰਮਲ' ਕਿੱਤਰੇ ਸੂਰ ਨਾਮ ਨੂੰ ਦੀ ਖੇਰ ਕੇਰ ਗਏਆਰ ਸੀਤਾ ਕਿੱਤਰੇ ਹੈ

- (1) ਖਿੱਤਰੇ
- (2) ਚੋਖਰੇ
- (3) ਚਿੱਤਰੇ
- (4) ਚਿੱਤਰੇ

## SANSKRIT

11. ਏਥੁ ਨਿਕਲਪੇਥੁ ਕ: ਵਿਕਲਪ: ਸਮਯਕ੍ ਨਾਸਿਤਿ—

- (1) ਬੁਢਚਰਿਤੇ ਅ਷ਟਾਵਿੰਸ਼ਤਿ ਸਰਗਾ: ਸਨ੍ਤਿ।
- (2) ਸਰ੍ਵੋਪਨਿ਷ਦੋ ਗਾਵੋ ਦੋਗ੍ਧਾ ਗੋਪਾਲਨਨ੍ਦਨ: – ਏਤਕਥਨੰ  
ਸ਼੍ਰੀਮਦ੍ਭਗਵਦ੍ਗੀਤਾਮੁਦਿਸ਼ਯ ਕਥਿਤਮ੍।
- (3) ਸਹਸਾਵਿਦਥੀਤ ਨ ਕ੍ਰਿਯਾਮਵਿਵੇਕ: ਪਰਮਾਪਦਾਂ ਪਦਮ—ਸੂਕ੍ਤਿ ਕਾਲਿਦਾਸੇਨੋਕ੍ਤਮ੍।
- (4) ਕਾਲਿਦਾਸਸਯ ਕਾਵਯਸ਼ੈਲੀ 'ਵੈਦਰ੍ਥੀ' ਵਰ੍ਤਤੇ।

## URDU

12.

سوال : کجے جڑاں ہر ایک سے ایک ہے۔  
سوال : وہی کے آٹھویں اور آٹھویں کو لکھو :  
(1) خرابی میں نکالی اور ہلوی  
(2) سیریا قرطی اور ہلوی  
(3) پیرا تیس اور ہلوی  
(4) شاہد احمد اور ہلوی

## HOME SCIENCE

13. Anorexia Nervosa is:

- a) Nervous Disorder
- b) Eating Disorder
- c) Hormonal Disorder
- d) Anemia

## PHYSICAL EDUCATION

14. Isotonic Exercises are related to :

- i) Speed
- ii) Strength
- iii) Endurance
- iv) Flexibility

## ART

15. Identify the primary colour in given below :

- a) Red
- b) Orange
- c) Pink
- d) Green

16. Ajanta Caves are situated in :

- a) Karnataka
- b) Madhya Pradesh
- c) Maharashtra
- d) Chattisgarh

## MUSIC

17. Essential elements for 'Naad' are :

- 1) Air, Water
- 2) Fire, Air
- 3) Water, Fire
- 4) Water, Vacuum

## MATHEMATICS

18. The population of a village is 3600.  $\frac{5}{9}$  of them are males and the rest are females. 40% of the males are married. Find the percentage of the females who are married.

- (i) 40%
- (ii) 80%
- (iii) 60%
- (iv) 50%

## SCIENCE

19. Which of the following bio molecule does not contain acid.

- (i) DNA
- (ii) Carbohydrate
- (iii) Protein
- (iv) Fat

## SOCIAL SCIENCE

20. "Bi-Cameralism" is a feature of:

- (i) Executive
- (ii) Election Commission
- (iii) Legislature
- (iv) Judiciary

## **Level-3 (PGT) For Post Graduate Teachers Class IX to XII**

### **CHILD DEVELOPMENT AND PEDAGOGY**

1. According to modern concept of teaching, teacher should play mainly the role of a-
  - (i) Philosopher
  - (ii) Friend
  - (iii) Facilitator
  - (iv) Instructor
  
2. Characteristic of creativity is Originality is :
  - (i) Originality
  - (ii) Fluency
  - (iii) Flexibility
  - (iv) All of these

### **LANGUAGE (हिन्दी)**

3. अधोलिखित शब्द के लिए वाक्यांश चुनिए 'निशीथ':

- (i) संध्या का समय
- (ii) प्रातः काल का समय
- (iii) अर्द्धरात्री का समय
- (iv) प्रदोष का समय

### **LANGUAGE (ENGLISH)**

4. Dowry, though ..... by law, has grown to monstrous..... after four decades of legislation.
  - (i) Abolished, Practice
  - (ii) Prohibited, Proportions
  - (iii) Affected, Evil
  - (iv) Rebuked, Image

### **GENERAL STUDIES (QUANTITATIVE APTITUDE)**

5. Neeraj's age after 20 years will be 3 times his age 20 years back. Find out the present age of neeraj ?
  - (i) 30 years
  - (ii) 35 years
  - (iii) 40 years
  - (iv) 45 years

## GENERAL STUDIES (REASONING ABILITY)

6. In a queue of 27 persons, Ramesh is the 12<sup>th</sup> person from the front end and Jack is the 8<sup>th</sup> person from the rear end, while Seema is exactly between Ramesh and Jack. How many persons are ahead of Seema?

- (i) 14
- (ii) 15
- (iii) 13
- (iv) 17

## GENERAL STUDIES (HARYANA G.K AND AWARENESS)

7. As per the census 2011, the decadal Growth Rate of Population in Haryana, was..... :

- (i) 19.9 %
- (ii) 28.43 %
- (iii) 17.64 %
- (iv) 21-15 %

## SUBJECT SPECIFIC

### HINDI

8. वर्णों के आधार पर जो छन्द बनते हैं, वे कहलाते हैं :

- (i) वार्षिक छन्द
- (ii) मात्रिक छन्द
- (iii) मुक्तक छन्द
- (iv) कार्मिक छन्द

### ENGLISH

9. Who is one of the 'University Wits'?

- (i) Christopher Marlowe
- (ii) Ben Jonson
- (iii) John Webster
- (iv) George Chapman

### SANSKRIT

10. एतेषु विकल्पेषु कस्मिन् विकल्पे प्रदत्तस्य कथनस्य सङ्घतिः न वर्तते—

- (1) यथा दृष्टं यथाश्रुतं तथा वाङ्मनश्चेति –सत्यस्य परिभाषा
- (2) महियांसः प्रकृत्या मितभाषिणः – भवभूतिनोक्तम्
- (3) यदि यथा वदति क्षितिपस्तथा –द्रुतविलम्बित
- (4) श्रृंगारवीर – शान्तानामैकोऽङ्गी रस इष्यते महाकाव्यस्य लक्षणम्

## HISTORY

11. Which of the following is not a characteristic tool of the Neolithic Age :
- (i) Celts or Polished Axe
  - (ii) Handaxe
  - (iii) Ring Stone
  - (iv) Saddle Quern

## GEOGRAPHY

12. The word 'Geography' was first used by :
- (i) Ptolemy
  - (ii) Eratosthenes
  - (iii) Aristotle
  - (iv) Herodotus

## HOME SCIENCE

13. Chemical substance in foods are called :
- (i) Fatty acids
  - (ii) Nutrients
  - (iii) Proteins
  - (iv) All of these

## SOCIOLOGY

14. The book 'Poverty of Philosophy' was written by :
- (i) K.R. Popper
  - (ii) M. Ginsberg
  - (iii) Karl Marx
  - (iv) Max Weber

## PSYCHOLOGY

15. Who established the first experimental laboratory of Psychology Germany?
- (i) William James
  - (ii) Wilhelm Wundt
  - (iii) Johnn Watson
  - (iv) Ivan Pavlov

## PHYSICAL EDUCATION

16. From whom do we get immunity?
- (i) Brother
  - (ii) Sister
  - (iii) Mother
  - (iv) Father



## COMMERCE

17. The main objectives of Book- Keeping are :
- (i) Complete Recording of Transactions
  - (ii) Ascertainment of financial Effect on the Business
  - (iii) Analysis and Interpretation of data
  - (iv) (1) and (2) both

## PHYSICS

18. The current gain for a transistor in common emitter configuration is 59. If the emitter current is 6.0 mA, the collector current will be ?
- (i) 0.1 mA
  - (ii) 5.9 mA
  - (iii) 6.1 mA
  - (iv) 6.0 mA

## CHEMISTRY

19. Number of atoms present in 224 dm<sup>3</sup> of oxygen gas is :
- (i)  $6.0 \times 10^{23}$
  - (ii)  $1.2 \times 10^{23}$
  - (iii)  $5.0 \times 12^{24}$
  - (iv)  $1.2 \times 10^{25}$

## POLITICAL SCIENCE

20. Jawaharlal Nehru considered the following as the suitable pattern of economy for India
- (i) Capital economy
  - (ii) Socialist economy
  - (iii) Mixed economy
  - (iv) Liberal economy

## ECONOMICS

21. The term 'Economics' is derived from which Language?
- (i) Latin
  - (ii) Greek
  - (iii) German
  - (iv) French

## MUSIC

22. Tansen was expert of which Gan-Shaille?

- (i) Prabandha gan
- (ii) Tappa gan
- (iii) Dhrupad gan
- (iv) Thumari gan

## COMPUTER SCIENCE

23. .... Function gives the total number of rows in a table :

- (i) Variance
- (ii) Max
- (iii) Sum
- (iv) Count

## BIOLOGY

24. Deficiency of copper in the body causes :

- (i) Pallagra
- (ii) Anemia and damage to CNS
- (iii) Influenza
- (iv) Xeroplasma

## MATHEMATICS

25. If  $n(A) = 3$ ,  $n(B) = 6$ , then minimum and maximum values of  $n(A \cup B)$  are :

- (i) 3,9
- (ii) 6,9
- (iii) 3,6
- (iv) 0,9

## FINE ARTS

26. Seals found in Indus Valley Civilization are mostly

- (i) Round
- (ii) Square
- (iii) Rectangle
- (iv) Triangle

OMR ANSWER SHEET 2018

LEVEL - 1

1. अपनी उत्तर की सफलता के लिए आपको सही रूप में उत्तर देने से सावधान रहना होगा।
2. अपनी उत्तर की सफलता के लिए आपको सही रूप में उत्तर देने से सावधान रहना होगा।

NAME OF CANDIDATE \_\_\_\_\_

FATHER'S NAME \_\_\_\_\_

SECTION'S NAME \_\_\_\_\_

| ROLL NUMBER           |                       |                       |                       |                       |                       |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |

QUESTION BOOKLET SET

A:

B:

C:

D:

\*\*\*INSTRUCTIONS\*\*\*

1. Use only Blue/Black Ball Point Pen to enter the appropriate circle.
2. Bubble Answer the correct circle.
3. Darken ONLY ONE OPTION for each Question as shown in example below.

EXAMPLE BELOW:

CORRECT METHOD:  (1)  (2)  (3)  (4)

WRONG METHOD:  (1)  (2)  (3)  (4)

4. No change in the bubble once marked is allowed.
5. Make do not make any loop marks in the Answer Sheet.
6. Rough work must not be done on the Answer Sheet.
7. Mark your answer only in the appropriate circle against the number corresponding to the question.



अपनी उत्तर की सफलता के लिए आपको सही रूप में उत्तर देने से सावधान रहना होगा। अपनी उत्तर की सफलता के लिए आपको सही रूप में उत्तर देने से सावधान रहना होगा। Before handing over the Answer Sheet to the invigilator, the candidate should check that Roll No. has been filled in and relevant ovals have been darkened. Subject change at examination centre is not allowed.

Darken only one option for answering each question / किसी उत्तर का उत्तर देने के लिए केवल एक विकल्प विकल्प को मारना।

| Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response |
|------|----------|------|----------|------|----------|------|----------|------|----------|
| 001  | 1 2 3 4  | 031  | 1 2 3 4  | 061  | 1 2 3 4  | 091  | 1 2 3 4  | 121  | 1 2 3 4  |
| 002  | 1 2 3 4  | 032  | 1 2 3 4  | 062  | 1 2 3 4  | 092  | 1 2 3 4  | 122  | 1 2 3 4  |
| 003  | 1 2 3 4  | 033  | 1 2 3 4  | 063  | 1 2 3 4  | 093  | 1 2 3 4  | 123  | 1 2 3 4  |
| 004  | 1 2 3 4  | 034  | 1 2 3 4  | 064  | 1 2 3 4  | 094  | 1 2 3 4  | 124  | 1 2 3 4  |
| 005  | 1 2 3 4  | 035  | 1 2 3 4  | 065  | 1 2 3 4  | 095  | 1 2 3 4  | 125  | 1 2 3 4  |
| 006  | 1 2 3 4  | 036  | 1 2 3 4  | 066  | 1 2 3 4  | 096  | 1 2 3 4  | 126  | 1 2 3 4  |
| 007  | 1 2 3 4  | 037  | 1 2 3 4  | 067  | 1 2 3 4  | 097  | 1 2 3 4  | 127  | 1 2 3 4  |
| 008  | 1 2 3 4  | 038  | 1 2 3 4  | 068  | 1 2 3 4  | 098  | 1 2 3 4  | 128  | 1 2 3 4  |
| 009  | 1 2 3 4  | 039  | 1 2 3 4  | 069  | 1 2 3 4  | 099  | 1 2 3 4  | 129  | 1 2 3 4  |
| 010  | 1 2 3 4  | 040  | 1 2 3 4  | 070  | 1 2 3 4  | 100  | 1 2 3 4  | 130  | 1 2 3 4  |
| 011  | 1 2 3 4  | 041  | 1 2 3 4  | 071  | 1 2 3 4  | 101  | 1 2 3 4  | 131  | 1 2 3 4  |
| 012  | 1 2 3 4  | 042  | 1 2 3 4  | 072  | 1 2 3 4  | 102  | 1 2 3 4  | 132  | 1 2 3 4  |
| 013  | 1 2 3 4  | 043  | 1 2 3 4  | 073  | 1 2 3 4  | 103  | 1 2 3 4  | 133  | 1 2 3 4  |
| 014  | 1 2 3 4  | 044  | 1 2 3 4  | 074  | 1 2 3 4  | 104  | 1 2 3 4  | 134  | 1 2 3 4  |
| 015  | 1 2 3 4  | 045  | 1 2 3 4  | 075  | 1 2 3 4  | 105  | 1 2 3 4  | 135  | 1 2 3 4  |
| 016  | 1 2 3 4  | 046  | 1 2 3 4  | 076  | 1 2 3 4  | 106  | 1 2 3 4  | 136  | 1 2 3 4  |
| 017  | 1 2 3 4  | 047  | 1 2 3 4  | 077  | 1 2 3 4  | 107  | 1 2 3 4  | 137  | 1 2 3 4  |
| 018  | 1 2 3 4  | 048  | 1 2 3 4  | 078  | 1 2 3 4  | 108  | 1 2 3 4  | 138  | 1 2 3 4  |
| 019  | 1 2 3 4  | 049  | 1 2 3 4  | 079  | 1 2 3 4  | 109  | 1 2 3 4  | 139  | 1 2 3 4  |
| 020  | 1 2 3 4  | 050  | 1 2 3 4  | 080  | 1 2 3 4  | 110  | 1 2 3 4  | 140  | 1 2 3 4  |
| 021  | 1 2 3 4  | 051  | 1 2 3 4  | 081  | 1 2 3 4  | 111  | 1 2 3 4  | 141  | 1 2 3 4  |
| 022  | 1 2 3 4  | 052  | 1 2 3 4  | 082  | 1 2 3 4  | 112  | 1 2 3 4  | 142  | 1 2 3 4  |
| 023  | 1 2 3 4  | 053  | 1 2 3 4  | 083  | 1 2 3 4  | 113  | 1 2 3 4  | 143  | 1 2 3 4  |
| 024  | 1 2 3 4  | 054  | 1 2 3 4  | 084  | 1 2 3 4  | 114  | 1 2 3 4  | 144  | 1 2 3 4  |
| 025  | 1 2 3 4  | 055  | 1 2 3 4  | 085  | 1 2 3 4  | 115  | 1 2 3 4  | 145  | 1 2 3 4  |
| 026  | 1 2 3 4  | 056  | 1 2 3 4  | 086  | 1 2 3 4  | 116  | 1 2 3 4  | 146  | 1 2 3 4  |
| 027  | 1 2 3 4  | 057  | 1 2 3 4  | 087  | 1 2 3 4  | 117  | 1 2 3 4  | 147  | 1 2 3 4  |
| 028  | 1 2 3 4  | 058  | 1 2 3 4  | 088  | 1 2 3 4  | 118  | 1 2 3 4  | 148  | 1 2 3 4  |
| 029  | 1 2 3 4  | 059  | 1 2 3 4  | 089  | 1 2 3 4  | 119  | 1 2 3 4  | 149  | 1 2 3 4  |
| 030  | 1 2 3 4  | 060  | 1 2 3 4  | 090  | 1 2 3 4  | 120  | 1 2 3 4  | 150  | 1 2 3 4  |

SIGNATURE OF CANDIDATE

THUMB IMPRESSION  
LEFT FOR MALE  
  
RIGHT FOR FEMALE

SIGNATURE OF INVIGILATOR

# OMR ANSWER SHEET 2018

LEVEL - 2



1. अपना जवाब दिए कक्षों में उचित रूप में लिख कर भराने से बचें।
2. अपना कोड भराने में उचित सावधानी बरतें और कोडिंग के दौरान कक्ष (Area) भरें।

NAME OF CANDIDATE \_\_\_\_\_

SUBJECT \_\_\_\_\_

FATHER'S NAME \_\_\_\_\_

MOTHER'S NAME \_\_\_\_\_

| ROLL NUMBER   | QUESTION BOOKLET SET | INSTRUCTIONS*** |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
|---|----------------------|-----------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
| <table style="width: 100%; text-align: center;"> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> <tr><td>0</td><td>1</td><td>2</td><td>3</td><td>4</td><td>5</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td></tr> </table> | 0                    | 1               | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | QUESTION BOOKLET SET<br><input type="text"/><br>A <input type="radio"/><br>B <input type="radio"/><br>C <input type="radio"/><br>D <input type="radio"/> | ***INSTRUCTIONS***<br>1. Use only Blue/Black Ball Point Pen to darken the appropriate circle.<br>2. Fill in all the circles.<br>3. Darken ONLY ONE CIRCLE for each question as shown in sample below.<br><div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;"> <div style="text-align: center;">                     CORRECT METHOD<br/>  </div> <div style="text-align: center;">                     WRONG METHOD<br/>  </div> </div> 4. No change in the answer once marked is allowed.<br>5. Please do not make any stray marks on the Answer Sheet.<br>6. Rough work must not be done on the Answer Sheet.<br>7. Mark your Answer only in the appropriate space against the number corresponding to the question. |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
| 0   | 1                    | 2               | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |



अभ्यर्थी अपनी उत्तर पुस्तिका परीक्षा को देने से पूर्व जांच करें कि रोल नम्बर उक्त से बराबर/सही/सबत लिख गए हैं या नहीं। उचित केंद्र पर उचित प्रश्नपत्र को उपलब्ध नहीं है। Before handing over the Answer Sheet to the invigilator, the candidate should check that Roll No. has been filled in and relevant ovals have been darkened. Subject change at examination centre is not allowed.

Darken only one option for answering each question. / किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल एक विकल्प विकल्प को चिह्नित करें।

| Q.No | Response  | Q.No | Response  | Q.No | Response  | Q.No | Response  | Q.No | Response  |
|------|-----------|------|-----------|------|-----------|------|-----------|------|-----------|
| 001  | 0 1 2 3 4 | 031  | 0 1 2 3 4 | 061  | 0 1 2 3 4 | 091  | 0 1 2 3 4 | 121  | 0 1 2 3 4 |
| 002  | 0 1 2 3 4 | 032  | 0 1 2 3 4 | 062  | 0 1 2 3 4 | 092  | 0 1 2 3 4 | 122  | 0 1 2 3 4 |
| 003  | 0 1 2 3 4 | 033  | 0 1 2 3 4 | 063  | 0 1 2 3 4 | 093  | 0 1 2 3 4 | 123  | 0 1 2 3 4 |
| 004  | 0 1 2 3 4 | 034  | 0 1 2 3 4 | 064  | 0 1 2 3 4 | 094  | 0 1 2 3 4 | 124  | 0 1 2 3 4 |
| 005  | 0 1 2 3 4 | 035  | 0 1 2 3 4 | 065  | 0 1 2 3 4 | 095  | 0 1 2 3 4 | 125  | 0 1 2 3 4 |
| 006  | 0 1 2 3 4 | 036  | 0 1 2 3 4 | 066  | 0 1 2 3 4 | 096  | 0 1 2 3 4 | 126  | 0 1 2 3 4 |
| 007  | 0 1 2 3 4 | 037  | 0 1 2 3 4 | 067  | 0 1 2 3 4 | 097  | 0 1 2 3 4 | 127  | 0 1 2 3 4 |
| 008  | 0 1 2 3 4 | 038  | 0 1 2 3 4 | 068  | 0 1 2 3 4 | 098  | 0 1 2 3 4 | 128  | 0 1 2 3 4 |
| 009  | 0 1 2 3 4 | 039  | 0 1 2 3 4 | 069  | 0 1 2 3 4 | 099  | 0 1 2 3 4 | 129  | 0 1 2 3 4 |
| 010  | 0 1 2 3 4 | 040  | 0 1 2 3 4 | 070  | 0 1 2 3 4 | 100  | 0 1 2 3 4 | 130  | 0 1 2 3 4 |
| 011  | 0 1 2 3 4 | 041  | 0 1 2 3 4 | 071  | 0 1 2 3 4 | 101  | 0 1 2 3 4 | 131  | 0 1 2 3 4 |
| 012  | 0 1 2 3 4 | 042  | 0 1 2 3 4 | 072  | 0 1 2 3 4 | 102  | 0 1 2 3 4 | 132  | 0 1 2 3 4 |
| 013  | 0 1 2 3 4 | 043  | 0 1 2 3 4 | 073  | 0 1 2 3 4 | 103  | 0 1 2 3 4 | 133  | 0 1 2 3 4 |
| 014  | 0 1 2 3 4 | 044  | 0 1 2 3 4 | 074  | 0 1 2 3 4 | 104  | 0 1 2 3 4 | 134  | 0 1 2 3 4 |
| 015  | 0 1 2 3 4 | 045  | 0 1 2 3 4 | 075  | 0 1 2 3 4 | 105  | 0 1 2 3 4 | 135  | 0 1 2 3 4 |
| 016  | 0 1 2 3 4 | 046  | 0 1 2 3 4 | 076  | 0 1 2 3 4 | 106  | 0 1 2 3 4 | 136  | 0 1 2 3 4 |
| 017  | 0 1 2 3 4 | 047  | 0 1 2 3 4 | 077  | 0 1 2 3 4 | 107  | 0 1 2 3 4 | 137  | 0 1 2 3 4 |
| 018  | 0 1 2 3 4 | 048  | 0 1 2 3 4 | 078  | 0 1 2 3 4 | 108  | 0 1 2 3 4 | 138  | 0 1 2 3 4 |
| 019  | 0 1 2 3 4 | 049  | 0 1 2 3 4 | 079  | 0 1 2 3 4 | 109  | 0 1 2 3 4 | 139  | 0 1 2 3 4 |
| 020  | 0 1 2 3 4 | 050  | 0 1 2 3 4 | 080  | 0 1 2 3 4 | 110  | 0 1 2 3 4 | 140  | 0 1 2 3 4 |
| 021  | 0 1 2 3 4 | 051  | 0 1 2 3 4 | 081  | 0 1 2 3 4 | 111  | 0 1 2 3 4 | 141  | 0 1 2 3 4 |
| 022  | 0 1 2 3 4 | 052  | 0 1 2 3 4 | 082  | 0 1 2 3 4 | 112  | 0 1 2 3 4 | 142  | 0 1 2 3 4 |
| 023  | 0 1 2 3 4 | 053  | 0 1 2 3 4 | 083  | 0 1 2 3 4 | 113  | 0 1 2 3 4 | 143  | 0 1 2 3 4 |
| 024  | 0 1 2 3 4 | 054  | 0 1 2 3 4 | 084  | 0 1 2 3 4 | 114  | 0 1 2 3 4 | 144  | 0 1 2 3 4 |
| 025  | 0 1 2 3 4 | 055  | 0 1 2 3 4 | 085  | 0 1 2 3 4 | 115  | 0 1 2 3 4 | 145  | 0 1 2 3 4 |
| 026  | 0 1 2 3 4 | 056  | 0 1 2 3 4 | 086  | 0 1 2 3 4 | 116  | 0 1 2 3 4 | 146  | 0 1 2 3 4 |
| 027  | 0 1 2 3 4 | 057  | 0 1 2 3 4 | 087  | 0 1 2 3 4 | 117  | 0 1 2 3 4 | 147  | 0 1 2 3 4 |
| 028  | 0 1 2 3 4 | 058  | 0 1 2 3 4 | 088  | 0 1 2 3 4 | 118  | 0 1 2 3 4 | 148  | 0 1 2 3 4 |
| 029  | 0 1 2 3 4 | 059  | 0 1 2 3 4 | 089  | 0 1 2 3 4 | 119  | 0 1 2 3 4 | 149  | 0 1 2 3 4 |
| 030  | 0 1 2 3 4 | 060  | 0 1 2 3 4 | 090  | 0 1 2 3 4 | 120  | 0 1 2 3 4 | 150  | 0 1 2 3 4 |

|                        |  |  |
|------------------------|--|--|
|                        | THUMB IMPRESSION<br>LEFT FOR MALE<br> |  |
|                        | RIGHT FOR FEMALE<br>                  |  |
| SIGNATURE OF CANDIDATE | SIGNATURE OF INVIGILATOR   |  |

# OMR ANSWER SHEET 201 8

LEVEL - 3

1. इसकी मदद से अपना उत्तर भरना है। इसे ठीक से भरना है।
2. इसकी मदद से उत्तर भरने से पहले उत्तर-पत्र पर दिए गए उत्तर आँकड़ों को भरना है।

NAME OF CANDIDATE \_\_\_\_\_

SUBJECT \_\_\_\_\_

FATHER'S NAME \_\_\_\_\_

MOBILE NO. \_\_\_\_\_

| ROLL NUMBER |   |   |   |   |   |
|-------------|---|---|---|---|---|
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |
| ○           | ○ | ○ | ○ | ○ | ○ |

QUESTION BOOKLET SET \_\_\_\_\_

- A
- B
- C
- D

**INSTRUCTIONS\*\***

1. Use only Blue/Black Ball Point Pen to darken the appropriate circle.
2. Read under the correct circle.
3. Darken ONLY ONE CIRCLE for each question as shown in example below.

| CORRECT METHOD | WRONG METHOD |
|----------------|--------------|
|                |              |

4. No change in the answer and mark is allowed.
5. Please do not make any stray marks on the Answer Sheet.
6. Rough work must not be done on the Answer Sheet.
7. Mark your Answer only in the appropriate space against the number corresponding to the question.



उम्मीदवार को उत्तर पत्रिका को देने से पूर्व जाँच ले कि इस उत्तर पत्र में मा/पिता का नाम भरना है या नहीं। उचित ढंग से उत्तर पत्रिका को भरा गया है। Before handing over the Answer Sheet to the invigilator, the candidate should check that Roll No. has been filled in and relevant ovals have been darkened. Subject change at examination centre is not allowed.

Darken only one option for answering each question./किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल एक विकल्प विकल्प को चिह्नित करें।

| Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response | Q.No | Response |
|------|----------|------|----------|------|----------|------|----------|------|----------|
| 001  | 1 2 3 4  | 031  | 1 2 3 4  | 061  | 1 2 3 4  | 091  | 1 2 3 4  | 121  | 1 2 3 4  |
| 002  | 1 2 3 4  | 032  | 1 2 3 4  | 062  | 1 2 3 4  | 092  | 1 2 3 4  | 122  | 1 2 3 4  |
| 003  | 1 2 3 4  | 033  | 1 2 3 4  | 063  | 1 2 3 4  | 093  | 1 2 3 4  | 123  | 1 2 3 4  |
| 004  | 1 2 3 4  | 034  | 1 2 3 4  | 064  | 1 2 3 4  | 094  | 1 2 3 4  | 124  | 1 2 3 4  |
| 005  | 1 2 3 4  | 035  | 1 2 3 4  | 065  | 1 2 3 4  | 095  | 1 2 3 4  | 125  | 1 2 3 4  |
| 006  | 1 2 3 4  | 036  | 1 2 3 4  | 066  | 1 2 3 4  | 096  | 1 2 3 4  | 126  | 1 2 3 4  |
| 007  | 1 2 3 4  | 037  | 1 2 3 4  | 067  | 1 2 3 4  | 097  | 1 2 3 4  | 127  | 1 2 3 4  |
| 008  | 1 2 3 4  | 038  | 1 2 3 4  | 068  | 1 2 3 4  | 098  | 1 2 3 4  | 128  | 1 2 3 4  |
| 009  | 1 2 3 4  | 039  | 1 2 3 4  | 069  | 1 2 3 4  | 099  | 1 2 3 4  | 129  | 1 2 3 4  |
| 010  | 1 2 3 4  | 040  | 1 2 3 4  | 070  | 1 2 3 4  | 100  | 1 2 3 4  | 130  | 1 2 3 4  |
| 011  | 1 2 3 4  | 041  | 1 2 3 4  | 071  | 1 2 3 4  | 101  | 1 2 3 4  | 131  | 1 2 3 4  |
| 012  | 1 2 3 4  | 042  | 1 2 3 4  | 072  | 1 2 3 4  | 102  | 1 2 3 4  | 132  | 1 2 3 4  |
| 013  | 1 2 3 4  | 043  | 1 2 3 4  | 073  | 1 2 3 4  | 103  | 1 2 3 4  | 133  | 1 2 3 4  |
| 014  | 1 2 3 4  | 044  | 1 2 3 4  | 074  | 1 2 3 4  | 104  | 1 2 3 4  | 134  | 1 2 3 4  |
| 015  | 1 2 3 4  | 045  | 1 2 3 4  | 075  | 1 2 3 4  | 105  | 1 2 3 4  | 135  | 1 2 3 4  |
| 016  | 1 2 3 4  | 046  | 1 2 3 4  | 076  | 1 2 3 4  | 106  | 1 2 3 4  | 136  | 1 2 3 4  |
| 017  | 1 2 3 4  | 047  | 1 2 3 4  | 077  | 1 2 3 4  | 107  | 1 2 3 4  | 137  | 1 2 3 4  |
| 018  | 1 2 3 4  | 048  | 1 2 3 4  | 078  | 1 2 3 4  | 108  | 1 2 3 4  | 138  | 1 2 3 4  |
| 019  | 1 2 3 4  | 049  | 1 2 3 4  | 079  | 1 2 3 4  | 109  | 1 2 3 4  | 139  | 1 2 3 4  |
| 020  | 1 2 3 4  | 050  | 1 2 3 4  | 080  | 1 2 3 4  | 110  | 1 2 3 4  | 140  | 1 2 3 4  |
| 021  | 1 2 3 4  | 051  | 1 2 3 4  | 081  | 1 2 3 4  | 111  | 1 2 3 4  | 141  | 1 2 3 4  |
| 022  | 1 2 3 4  | 052  | 1 2 3 4  | 082  | 1 2 3 4  | 112  | 1 2 3 4  | 142  | 1 2 3 4  |
| 023  | 1 2 3 4  | 053  | 1 2 3 4  | 083  | 1 2 3 4  | 113  | 1 2 3 4  | 143  | 1 2 3 4  |
| 024  | 1 2 3 4  | 054  | 1 2 3 4  | 084  | 1 2 3 4  | 114  | 1 2 3 4  | 144  | 1 2 3 4  |
| 025  | 1 2 3 4  | 055  | 1 2 3 4  | 085  | 1 2 3 4  | 115  | 1 2 3 4  | 145  | 1 2 3 4  |
| 026  | 1 2 3 4  | 056  | 1 2 3 4  | 086  | 1 2 3 4  | 116  | 1 2 3 4  | 146  | 1 2 3 4  |
| 027  | 1 2 3 4  | 057  | 1 2 3 4  | 087  | 1 2 3 4  | 117  | 1 2 3 4  | 147  | 1 2 3 4  |
| 028  | 1 2 3 4  | 058  | 1 2 3 4  | 088  | 1 2 3 4  | 118  | 1 2 3 4  | 148  | 1 2 3 4  |
| 029  | 1 2 3 4  | 059  | 1 2 3 4  | 089  | 1 2 3 4  | 119  | 1 2 3 4  | 149  | 1 2 3 4  |
| 030  | 1 2 3 4  | 060  | 1 2 3 4  | 090  | 1 2 3 4  | 120  | 1 2 3 4  | 150  | 1 2 3 4  |

|                        |  |                          |
|------------------------|--|--------------------------|
| SIGNATURE OF CANDIDATE | THUMB IMPRESSION                               | SIGNATURE OF INVIGILATOR |
|                        | <p>LEFT FOR MALE </p> <p>RIGHT FOR FEMALE </p> |                          |